मास्क भी वैक्सीन-मेरा मास्क मेरे साथ

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

विश्वसनीय साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

फाल्गुन, पक्ष - कृष्ण, तिथि - सप्तमी, संवत 2078 पृष्ठ : 8 | जयपुर, बुधवार | वर्ष-7, अंक-52, 23 फरवरी - 1 मार्च, 2022 | मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

गाय से शर्म और कुत्ते पर गर्व!

सटीक

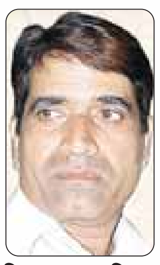

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

शर्म और गर्व शब्दों का अपने आप में बहुत मायने है। मगर समय के साथ-साथ इनके मायने भी बदल गए हैं। पहले कोई भी गलत काम करने पर आदमी को शर्म महसूस होती थी। और... गर्व... गर्व शब्द तो अपने आप ऊंचाईयों को समेटे हुए है। हम बात करते हैं शर्म और गर्व की। कुछ वर्षों पहले तक गाय पालने वालों को बड़ी इज्जत से देखा जाता था। गाय को पशु धन में गिना जाता था। मगर समय बदल गया। समय के साथ कितनी ही बातें बदल गई। अब गाय पालने वाले को गंवार समझा जाता है। अगर कोई गाय पालने लग जाए तो अड़ोस-पड़ोस वाले निगम में शिकायत करने लग जाते हैं। मच्छर होना, गंदगी होना आदि..आदि बातों को लेकर। गाय पालने वाले को गंवार समझने लगे हैं इसलिए गाय पालने वालों को अब शर्म भी आने लगी है जबकि दूसरी तरफ कुत्ते पालना एक स्टेटस सिंबल बन गया है। कई लोगों को सुबह-शाम कुत्ते की चाकरी करते हुए देखा जा सकता है। उन्हें शौच के लिए घुमाने ले जाते हैं। उन्हें नहलाते हैं, खिलाते हैं, किसी कार्यक्रम में जाते हैं तो वहां भी कई बार साथ में छोटे से कुत्ते को किसी मैम की गोद में देखा जा सकता है। अगर किसी काम से बाहर जाना पड़ गया तो कुत्ते को या तो साथ ले जाओ या फिर कहीं डॉग होम में छोड़ के जाओ। कहीं से कहीं तक डॉग सेवा के इन तमाम कामों में चेहरे पर शिकन तक नहीं मिलती। बिस्तरों में भी इन्हें सुला लिया जाता है। जबकि पहले कुत्तों को घर में घुसने तक नहीं दिया जाता था। अगर कोई कुत्ता पालता था तो वह घर के गेट के बाहर ही कुत्ते को रोटी डाल दिया करता था। मगर अब तो वह एक घर का सदस्य बन चुका है। समय का फेर और किस्मत की बात है तभी तो गाय पालने में शर्म और कुत्ता पालने में गर्व की अनुभूति हो रही है।

shivdayalmishra@gmail.com

राजस्थान में पहली बार कृषि का अलग बजट

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 23 फरवरी को राज्य विधानसभा में अलग से कृषि बजट पेश करेंगे। यह पहली बार है जब राज्य में अलग से कृषि बजट पेश किया जाएगा। मुख्यमंत्री गहलोत ने अपने पिछले साल के बजट भाषण में अलग से कृषि बजट पेश करने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि बजट में किसानों से जुड़ी कुछ बड़ी घोषणाओं को शामिल करने की उम्मीद है। इसको लेकर मंत्रियों और अधिकारियों ने किसानों, पशुपालकों, डेयरी यूनियन के अधिकारियों और आदिवासी क्षेत्रों के किसानों से भी बातचीत की है। उन्होंने पुष्टि की है कि कृषि बजट किसानों की आय बढ़ाने और कम लागत पर अधिक उत्पादन करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। साथ ही बजट इस बात पर भी ध्यान देगा कि प्राकृतिक आपदाओं का सामना कर रहे किसानों की मदद कैसे की जाए। आत्मनिर्भरता पर ध्यान देने के साथ बजट का उद्देश्य किसानों का उत्थान करना होगा, किसानों की उपज को स्टोर करने के लिए हर ग्राम पंचायत में अत्याधुनिक गोदाम बनाए जाएंगे। तमिलनाडु के बाद राजस्थान दूसरी सरकार है जो अलग से कृषि बजट पेश कर रही है। पहली बार डीएमके सरकार ने 14 अगस्त, 2021 को राज्य विधानसभा में पहला विशेष कृषि बजट पेश किया। वर्तमान में राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य है और यहां के लोगों की आजीविका का मुख्य आधार कृषि और पशुपालन है। इसलिए इस साल से यहां अलग से कृषि बजट शुरू किया जा रहा है।

प्रदेश का जागरूक बजट आज

कॅमर्शियल बैंकों के किसानों की कर्जमाफी | छोटे उद्योगों के लिए क्रेडिट कार्ड | 2-10 लाख तक की लिमिट संभव

चुनाव दो साल दूर, लेकिन पूरी तरह से चुनावी रंग में रंगा होगा बजट!

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आज बुधवार को राजस्थान का बजट पेश करेंगे। विधानसभा चुनाव अभी दो साल दूर हैं, लेकिन यह बजट पूरी तरह चुनावी ही होगा। सियासत की रिवायत रही है कि आम तौर पर कार्यकाल के अंतिम बजट वादों से भरपूर होता है लेकिन इस बार चुनावी बजट की झलक एक साल पहले ही देखने को मिलेगी। वजह- अंतिम बजट में घोषणाओं के बावजूद चुनाव में लाभ नहीं होता, क्योंकि योजनाएं धरातल पर नहीं उतर पाती और उससे पहले चुनाव आ जाते हें। ऐसे में इस बजट में गहलोत सरकार का पूरा फोकस किसान, छोटे उद्यमियों और सरकारी कर्मचारियों पर होगा। पहली बार कृषि बजट भी पेश होगा। इसमें सरकार कॅमर्शियल बैंकों के किसानों का 2500 करोड़ रु. तक का कर्ज माफ हो सकता है। सहकारी बैंकों का कर्ज तो सरकार ने माफ किया है, लेकिन कॅमर्शियल बैंकों के कर्ज को लेकर पिछले दिनों किसानों की जमीन नीलामी को लेकर सरकार की किरकरी हुई थी। इसके अलावा छोटे उद्योगों के लिए एमएसएमई क्रेडिट कार्ड की घोषणा हो सकती है। इसमें 2 लाख से 10 लाख रु. तक की क्रेडिट लिमिट मिल सकती है। इस सेक्टर को फिक्स रेट पर बिजली भी दी जा सकती है। जो ट्रांसपोर्ट और माइनिंग कारोबारी कोरोनाकाल के चलते टैक्स अदायगी नहीं कर पाए उन्हें लिए बजट में राहत मिल सकती। रीको औद्योगिक क्षेत्र में इकॉनोमिक व सर्विस चार्ज की बढ़ोतरी को 2 साल के लिए स्थगित किया जा सकता है। सोलर प्लांट पर सब्सिडी फिर से शुरू की जा सकती है। वहीं पहली बार पेश होने जा रहे कृषि बजट में कमर्शियल बैंकों के कर्जदार किसानों के लिए ऋण माफी का ऐलान होना है और फसली ऋण वितरण का लक्ष्य 18500 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 20 हजार करोड़ रुपए किया जाना है।

स्वच्छता सर्वेक्षण से पहले केंद्र का बड़ा निर्णय

प्लास्टिक पर एक जुलाई से बैन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। स्वच्छता सर्वेक्षण शुरू होने से पहले केंद्र सरकार ने बड़ा निर्णय किया है। केन्द्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु मंत्रालय 100 माइक्रोन से कम मोटाई की प्लास्टिक के बने तमाम उपयोगी सामान पर एक जुलाई से बैन लगाने का निर्णय किया है। इसके चलते नगर निगम ने भी एक सार्वजनिक सूचना जारी कर सभी व्यापारियों और संस्थाओं को इस दायरे में आने वाले प्लास्टिक उपयोग के सामान का स्टॉक खत्म करने के लिए कहा है। इस क्वालिटी के प्लास्टिक से पॉलिथीन, गिलास, कांटे-चम्मच, कप, प्लेट सहित कई वस्तुएं लोग रोजमर्रा के काम में लेते हैं। शादी–ब्याह में भी इस तरह के प्लास्टिक का चलन ज्यादा है। मगर इससे होने वाले नुकसान को देखते हुए केंद्र सरकार ने यह निर्णय किया है। हालांकि राजस्थान में प्लास्टिक पर पहले से बैन हैं, लेकिन संबंधित सरकारी महकमों की ढुलमुल कार्यप्रणाली की वजह से आज भी प्लास्टिक का उपयोग हो रहा है।

स्टॉक खत्म करने की सीमा 30 जून

नगर निगम जयपुर की ओर से जारी विज्ञप्ति में लिखा गया है कि एक जनवरी, 2022 से सिंगल यूज प्लास्टिक के निर्माण और उपयोग पर केन्द्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु मंत्रालय ने रोक लगाई है। इसलिए सभी व्यापारियों और स्टॉकिस्ट को उनके यहां जो सामान बचा है उसे 30 जून तक उपयोग करने या बेचने के निर्देश दिए है। एक जुलाई से सरकार ने इस पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया है।

ये वस्तुएं आएंगी यूज प्लास्टिक के दायरे में

» प्लास्टिक स्टिक युक्त ईयर बड्स, गुब्बारों के लिए प्लास्टिक की डंडियां, प्लास्टिक के झंडे, कैंडी स्टिक, आईस्क्रीम की डंडियां और पॉलिस्टाइरीन की सजावटी सामग्री
» प्लेट्स, कप, गिलास, कांटे, चम्मच, चाकू, स्ट्रॉ, ट्रे जैसे कटलरी, मिठाई के डिब्बों पर लगने वाले प्लास्टिक की फिल्म
» निमंत्रण कार्ड और सिगरेट पैकेट, 100 माइक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक या पीवीसी पाइप्स बैन रहेंगे

गहलोत सभी विधायकों को देंगे ऐपल आईफोन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान की अशोक गहलोत सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों पर मेहरबान है। गहलोत सरकार सभी 200 विधायकों को ऐपल आईफोन 13 देनी जा रही है। कल 23 फरवरी को विधायकों को आईफोन 13 दिए जाएंगे। आज सीएम गहोलत राज्य का बजट पेश करेंगे। इनकी कीमत एक लाख रुपये के आस-पास मानी जा रही है। सीएम गहलोत ने पिछले बजट में सभी विधायकों को आई-पेड दिए थे। गहलोत सरकार ने हाल ही में 250 आईफोन खरीदे है। फोन को विधायकों को दिए जाने से पहले विधानसभा के ऐप को भी अपग्रेड किया गया है।

विधायकों को कार्यवाही का विवरण उपलब्ध रहेगा

जानकारों के अनुसार इस ऐप में प्रश्न, प्रस्ताव, विधेयक, कार्यसूची, सत्र समीक्षा, बजट भाषण, राज्यपाल के अभिभाषण और सदन की कार्यवाही का विवरण उपलब्ध रहेगा। साथ में विधानसभा के सदस्यों के उपयोग के लिए प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली और समाचार कतरनें भी उपब्ध रहेंगी।

विधायकों पर मेहरबानी की ये वजह

उल्लेखनीय है कि गहलोत सरकार ने वर्ष 2021-22 का बजट सदन में पेश होने के बाद विधायकों को बजट से संबंधित दस्तावेज ब्रीफकेस में रखकर उनके साथ ऐपल के I-PAD दिए थे। जानकारों का कहना है कि सीएम गहलोत अपनी उदारवादी इमेज को बरकरार रखने के लिए पक्ष-विपक्ष के विधायकों को खासे मेहरबान हो रहे हैं। राज्य की सियासत में सीएम गहलोत की छवि उदारवादी नेता के तौर पर मानी जाती है। उल्लेखनी है सीएम गहलोत दिल्ली की तर्ज पर विधानसभा के पास ही कॉस्ट्यूशन क्लब भी बना रहे हैं। सीएम गहलोत ने राजधानी जयपुर के मानसरोवर में सभी विधायकों को सस्ती दरों पर फ्लैट दिए है।

ANCHOR | जयपुर नगर निगम हेरिटेज ने बतनाया ब्रांड एम्बेसेडर

अवनी, स्मिता, सेपट देंगे स्वच्छता के गुर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर नगर निगम हेरिटेज ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 को प्रमोट करने के लिए तीन ब्रांड एम्बेसडर बनाए है। ये तीन आने वाले दिनों में स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 में जयपुर की जनता को पार्टिसिपेट करने और शहर को स्वच्छ बनाने के लिए लोगों को जागरूक करेंगे। पिछले दिनों नगर निगम हेरिटेज आयुक्त अवधेश मीणा ने ब्रेंड एम्बेसडर बनने के लिए बालिका वधु फेम स्मिता बंसल, पैराओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट अवनी लेखरा और पन्या सेपट दीपक मीणा को पत्र लिखा था, जिसे तीनों से स्वीकार कर लिया है। जयपुर में जन्मी अभिनेत्री स्मिता बसंल ने अमानत, आशीर्वाद, बालिका वधु और सरहदें जैसे कई टीवी सीरियर में काम किया है। वहीं, अवनी लेखरा भारतीय पैरालिंपियन और राइफल शूटर हैं। उसने टोक्यो 2020 पैरालिंपिक में 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग में स्वर्ण पदक और 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में कांस्य पदक जीता। इसके अलावा पन्या सेपट दीपक मीणा के हास्य कार्यक्रम सोशल मीडिया पर पूरे राजस्थान में खूब देखे जाते है। जयपुर नगर निगम उपायुक्त आशीष वर्मा ने बताया कि जल्द ही हम इन ब्रांड एम्बेसेडर के सहयोग से जनजागरूता कार्यक्रम जयपुर में चलाएंगे। उन्होंने बताया कि ये वे लोग है जिनको लाखों लोग फॉलो करते है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 में करेंगे प्रचार-प्रसार

ये तीनों ब्रांड एम्बेसेडर आने वाले कुछ समय में शुरू होने वाले स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 में जयपुर नगर निगम के लिए प्रचार-प्रसार करेंगे। लोगों को इस सर्वेक्षण से जुड़ने और शहर को साफ-सुथरा बनाए रखने के लिए लोगों को प्रेरित करेंगे। स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 में जयपुर नगर निगम हैरिटेज ने 32वीं और नगर निगम ग्रेटर ने 36वीं रैंक हासिल हुई थी।

jagrukjanta.net

जागरूक सिटी

Jagruk City

जागरुक जनता • जयपुर, बुधवार, 23 फरवरी - 1 मार्च, 2022 • पेज 02

तापमान	अधि.	न्यू.
जयपुर	31°C	16°C
जोधपुर	32°C	16°C
अजमेर	33°C	17°C
उदयपुर	31°C	16°C

सूर्योदय ▸ प्रात: 07:00 बजे सूर्यास्त ▸ सांय : 06:13 बजे चन्द्रोदय ▸ 12:01 बजे चन्द्रास्त ▸ 10:54 बजे

हाल-ए-निगम: जिम्मेदार भी मूक दर्शक

पद गया पर मोह नहीं

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर @ रवि गौतम। जयपुर नगर निगम की पूर्व महापौर शील धाभाई को हेट हुए भी काफी समय हो गया लेकिन उनके घर के बाहर लगे हुए महापौर के बोर्ड आज भी लगे हुए है। वही नगर निगम के चुनाव हुए करीब सालभर से ऊपर हो गया और नगर निगम में उपनेता प्रतिपक्ष भी दूसरे ही आ गए लेकिन उसके बाद भी पूर्व उपनेता प्रतिपक्ष धर्मसिंह सिंघानिया का बोर्ड आज भी उनके घरों के आसपास लगे हुए है। वहीं राजस्थान भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और राज्यसभा सांसद स्व. मदनलाल सैनी का निधन 24 जून 2019 को हो गया था। लेकिन अभी भी उनके निवास स्थान के पास राज्यसभा सांसद का पद लिखा हुआ होर्डिंग लगा हुआ है। अब सवाल यह उठता है कि क्या नगर निगम ने इन सभी बोर्ड को हटाने की चेस्टा नही की या फिर हटाना ही नही चाहता।

जागरूक खबरें

स्टूडेंट, फैकल्टी डवलपमेंट कार्यक्रम आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। विद्याधर नगर स्थित बियानी गर्ल्स कॉलेज में 3 दिवसीय स्टूडेंट डवलपमेंट प्रोग्राम और फैकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कॉलेज के एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. संजय बियानी, कॉलेज की प्रिंसीपल डॉ. नेहा पांडे और कार्यर म के मुख्य वक्ता आईएमसी, देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी, इंदौर के निदेशक और टेक्सटाइल असोसिएशन ऑफ इंडिया के चैयरमैन प्रो. पी.एन. मिश्रा ने दीप प्रज्जवलन का कार्यक्रम की शुरूआत की। कार्यक्रम के पहले सत्र में प्रो. मिश्रा ने छात्राओं को रिसर्च पेपर से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों के बारे में बताया और एजुकेशन में रिसर्च के महत्व के बारे में समझाया। वहीं कार्यक्रम के दूसरे सत्र में प्रो. मिश्रा ने स्टॉफ मेम्बर्स से रिसर्च से जुड़े कुछ सवाल जवाब किए और उन्होंने बताया कि आपको यह पता होना जरूरी है कि आप अपने नॉलेज से किस गैप को कवर करने जा रहे है और उन्होंने षोध से जुड़े अपने अनुभव भी फैकल्टी के साथ साझा किए।

जेएलएफ-म्यूजिक स्टेज दोनों एक ही जगह

जयपुर @ जागरूक जनता। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल (जेएलएफ) का 15वां एडिशन एक अनोखे हाइब्रिड अवतार में लौट रहा है। इस बार फेस्टिवल जयपुर के क्लार्क्स आमेर होने जा रहा है। यह फेस्टिवल 5 मार्च से 14 मार्च 2022 तक किया जाएगा। इसमें प्रोग्राम ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों मोड पर होगा। इस बार एक ही वेन्यू पर लिटरेरी सेशंस के साथ-साथ जयपुर म्यूजिक स्टेज की भी मेजबानी करेगा। दरअसल, क्लार्क्स आमेर सालों से जयपुर म्यूजिक स्टेज की परफॉर्मेंस में करने चार चांद लगाता आया है। इस साल भी क्लार्क्स आमेर में जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के मल्टी स्टाईल के म्यूजीक सेलिब्रेशन में कई आर्टिस्ट अलग-अलग परफॉर्मेंस देंगे। 10 से 12 मार्च तक आयोजित होने वाले जयपुर म्यूजिक स्टेज में अनिरुद्ध वर्मा, अद्वैता, कुतले खां प्रोजेक्ट, भंवरी देवी, जैसे संगीत कलाकार शामिल होंगे।

अगले माह से शुरू होगा सघन जांच और जागरूकता अभियान

पहनना ही होगा स्टैंडर्ड हेलमेट

जांच व कार्यवाही के लिए भी बनेगा कैलेंडर

बिना आईएसआई मार्क वाले हेलमेट बेचने और उपयोग पर सख्त कार्यवाही

परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग और पुलिस विभाग की ओर से चलेगा संयुक्त अभियान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। परिवहन एवं सड़क सुरक्षा राज्य मंत्री बृजेन्द्र सिंह ओला ने बताया कि प्रदेशभर में अब बिना आईएसआई मार्क (नॉन स्टैंडर्ड) वाले हेलमेट बेचने वालों और उपयोग करने वालों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग और पुलिस विभाग द्वारा जल्द ही सघन जांच अभियान चलाया जाएगा। हालांकि इस अभियान से पहले विशेष अभियान चलाकर हेलमेट निर्माताओं और वाहन चालकों को स्टैंडर्ड हेलमेट ही उपयोग में लेने के लिए जागरूक भी किया जाएगा।

परिवहन एवं सड़क सुरक्षा राज्य मंत्री ओला की अध्यक्षता में सोमवार को परिवहन भवन में स्टैंडर्ड हेलमेट ही उपयोग में लाने और नॉन स्टैंडर्ड पर कार्यवाही करने के संबंध में अहम बैठक हुई। इसमें ओला ने परिवहन और पुलिस विभाग के अधिकारियों को जांच कर कार्यवाही और जागरूकता अभियान चलाने के लिए निर्देश दिये। ओला ने कहा कि दोपहिया वाहनों की सड़क दुर्घटना में अधिकांशतः हेड इंजरी होती है। इसलिए स्टैंडर्ड हेलमेट ही उपयोग में लाकर दुर्घटनाओं से होने वाली मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है।

उन्होंने कहा कि परिवहन और पुलिस विभाग द्वारा भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) और मोटर वाहन अधिनियम, 1988 में निर्धारित मानकों वाले हेलमेट उपयोग में लाने की सुनिश्चितता की जाए। उन्होंने परिवहन और पुलिस विभाग के अधिकारियों को संयुक्त रूप से जांच, कार्यवाही और जागरूकता अभियान चलाने के लिए एक वार्षिक कैलेंडर बनाने के निर्देश दिये। बैठक में परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार ने कहा कि हर स्टैंडर्ड हेलमेट पर लाइसेंस नंबर अंकित होते है। वाहन चालक हेलमेट खरीदने से पहले उन अंकित नंबरों को 'बीआईएस केयर' मोबाइल एप्लीकेशन के जरिये सर्च कर हेलमेट की प्रामणिकता जांच सकते है। उन्होंने बीआईएस अधिकारी को हेलमेट पर क्यूआर कोड भी प्रिंट कराने और सड़क सुरक्षा प्रकोष्ठ के अधिकारियों को हर जिले में जागरूकता संबंधित हॉर्डिंग्स लगाने के सुझाव दिए। बैठक में परिवहन आयुक्त महेंद्र सोनी ने कहा कि सड़क सुरक्षा ही विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सड़क सुरक्षा प्रकोष्ठ द्वारा जल्द ही वृहद स्तर पर अभियान चलाया जाएगा। आमजन के साथ-साथ स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों को जागरूक करेंगे। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, यातायात वी.के. सिंह ने कहा कि जल्दी ही नॉन स्टैंडर्ड हेलमेट बनाने और बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। बैठक में गृह विभाग की संयुक्त शासन सचिव डॉ. सौम्या झा, भारतीय मानक ब्यूरो, जयपुर शाखा प्रथम निदेशक कनिका कालिया, परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग के अपर परिवहन आयुक्त आकाश तोमर, आर.सी.यादव सहित अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

बिना साधारण सभा किए दोनों नगर निगम ने सरकार को भेजा 1781 करोड़ रुपए का बजट

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। कोरोना की वजह से दोनों नगर निगम में पिछले सवा साल मे एक ही साधारण सभा की बैठक हो पाई है। इस बार भी बिना साधारण सभा के ही दोनों नगर निगम ने सरकार के पास मंजूरी के लिए बजट भेज दिया है। हैरिटेज नगर निगम ने करीब 900 करोड़ और ग्रेटर निगम ने 881 करोड़ रुपए का बजट तैयार करके सरकार के पास भेजा है। पिछले वर्ष हैरिटेज नगर निगम ने 784 और ग्रेटर नगर निगम ने 821 करोड़ रुपए का बजट पेश किया था। स्वायत्त शासन विभाग ने 15 फरवरी तक बजट पारित कर राज्य सरकार को भेजने के निर्देश दे रखे हैं। जिसके चलते बजट सरकार को मंजूरी के लिए भेजा गया है। गौरतलब है कि वर्तमान में विधानसभा सत्र चल रहा है, जिसकी वजह से साधारण सभा की बैठक करने से पहले विधायकों की मंजूरी लेना आवश्यक है। इस वजह से बैठक नहीं बुलाई गई है।

मार्च में हो सकती है साधारण सभा

ग्रेटर नगर निगम महापौर सौम्या गुर्जर ने बताया कि बजट समय पर सरकार को भेजना जरूरी था, इस वजह से बजट भेज दिया गया है। मैने साधारण सभा की बैठक भी मार्च में आयोजित करने का प्रस्ताव भेज रखा है। प्रस्ताव मिलते ही साधारण सभा की बैठक बुलाई जाएगी, ताकि पार्षदों को अपनी बात रखने का मंच मिल सके।

इसलिए नहीं बुलाई साधारण सभा

हैरिटेज नगर निगम में राजनीतिक अस्थिरता को बोर्ड बैठक नहीं बुलाने को वजह माना जा रहा है। हैरिटेज निगम में समितियों का गठन न होने से पार्षद नाराज हैं। साथ ही सफाई कर्मचारियों के असमान वितरण को लेकर भाजपा भी महापौर को घेरने की तैयारी में है। इसी वजह से यहां बैठक नहीं बुलाई गई।

गति पकड़ेंगे जयपुर के बड़े प्रोजेक्ट, बैठक आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जेडीए में कार्यकारी समिति की बैठक हुई। इसमें जवाहर सर्किल, लक्ष्मी मंदिर व स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाओं और बी-2 बाईपास जंक्शन पर यातायात सुधार एवं सौंदर्यीकरण कार्य के बिड डाक्यूमेंट की कार्योत्तर स्वीकृति दी गई। वहीं बिड का अनुमोदन किया गया। राजभवन में विकास कार्य और सौंदर्यीकरण कार्य के बिड डाक्यूमेंट की कार्योत्तर स्वीकृति दी गई। बैठक में विभिन्न प्रकरणों पर चर्चा के बाद उनके अनुमोदन, स्वीकृति और कार्योत्तर स्वीकृतियां दी गई।

बैठक में राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आंतरिक कार्यो में सिविल, विद्युत, लाईट, साउण्ड एवं अग्निशमन आदि की कार्योत्तर स्वीकृति दी गई। ऑक्सीजन प्लांट के ऑपरेशन एण्ड मेटीनेंस के कार्यो व डीएलपी की कार्योत्तर स्वीकृति दी गई। महात्मा गांधी म्यूजियम की विस्तृत डिजाईन, सामग्री विकास, प्रदर्शनी निर्माण, परीक्षण एवं कमीशनिंग के कार्यो की स्वीकृति दी गई। सिविल लाइंस आरओबी की सर्विस रोड की निविदा का अनुमोदन किया गया। पन्नाधाय नगर योजना में विभिन्न विकास कार्यो की निविदा का अनुमोदन किया गया। मैट्रो एन्क्लेव योजना में विद्युतीकरण कार्यो की निविदा का अनुमोदन किया गया। गोनेर एवं बरखेडा में द्रव्यवती नदी में कल्वर्ट निर्माण करने का निर्णय लिया गया, निविदा का अनुमोदन किया गया। सिल्वन जैव विविधता आगरा रोड के तृतीय चरण के विकास कार्य के लिए जेडीए एवं वन विभाग के मध्य किये जाने वाले एमओयू का अनुमोदन किया गया।

पवन गौड़ 'आप' में शामिल

जयपुर @ जागरूक जनता। आदर्श नगर विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी रहे समाज सेवी पवन गौड़ आम आदमी पार्टी में हुए शामिल हो गए। गौड़ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा दिल्ली में जनकल्याणकारी कार्यो से प्रभावित थे। बीते दिनों दिल्ली सरकार में समाज कल्याण मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने पवन गौड़ को पार्टी का दुपट्टा पहनाकर गुलदस्ता भेंट कर पार्टी में स्वागत किया। गौड़ ने कहा राजस्थान में आम आदमी पार्टी संघटन को मज़बूत कर 2023 में आम आदमी पार्टी की सरकार बनाकर राजस्थान की जनता की सेवा करेंगे। यह जानकारी आम आदमी पार्टी दिल्ली ट्वीटर हैंडल द्वारा दी गई।

होलाष्टक 10 मार्च से: नहीं होंगे मांगलिक और शुभ कार्य

होलिका दहन- रात्रि 9:20 से 1 घंटा 10 मिनट का मुहूर्त

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। होलिका दहन से आठ दिन पहले होलाष्क 10 मार्च से 18 मार्च तक लगेगा। फाल्गुन अष्टमी से होलिका दहन तक आठ दिनों तक होलाष्क के दौरान मांगलिक और शुभ कार्यो पर रोक लग जाएगी। इन आठ दिनों में भले ही शुभ कार्य नहीं किए जाते, लेकिन देवी-देवताओं की आराधना के लिए ये दिन बहुत ही श्रेष्ठ माने जाते हैं। होलाष्टक के आठ दिनों के बीच विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश, मकान-वाहन की खरीदारी आदि किसी भी शुभ कार्य की मनाही होती है। इस बार होलिका दहन 18 मार्च को होगा इसलिए होलाष्क होली से आठ दिन पहले यानी 10 मार्च से लग जाएंगे। होलिका दहन 17 मार्च, गुरुवार के दिन है। ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री के अनुसार होलिका दहन के लिए शुभ मुहूर्त रात्रि 9 बजकर 20 मिनट से लेकर रात 10 बजकर 31 मिनट तक रहेगा। होलिका दहन के लिए 1 घंटा 10 मिनट का समय है।

क्यों लगाते है होलाष्टक

होलाष्टक को लेकर एक कथा प्रचलित है कि राजा हिरण्यकश्यप के बेटे प्रहलाद को भगवान विष्णु की भक्ति से दूर करना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने इन आठ दिन प्रहलाद को कठिन यातनाएं दीं। इसके बाद 8वें दिन बहन होलिका (जिसे आग में न जलने का वरदान था) की गोदी में प्रहलाद को बैठा कर जला दिया। लेकिन फिर भी प्रहलाद बच गए। ऐसे में इन आठ दिनों को अशुभ माना जाता है और कोई भी शुभ कार्य नहीं किया जाता।

होलाष्टक पर न करें ये कार्य

फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि से होलाष्टक लग जाता है। होलाष्टक लगते ही हिंदू धर्म से जुड़े सोलह संस्कार समेत कोई भी शुभ कार्य नहीं करना चाहिए। चाहे कोई नया घर खरीदना हो या कोई नया व्यवसाय शुरू करना हो। सभी शुभ कार्य रोक दिये जाते हैं। यदि इस दौरान किसी की मृत्यु हो जाती है तो उनके अंतिम संस्कार के लिए भी शांति कराई जाती है। एक मान्यता अनुसार किसी भी नवविवाहिता को अपने ससुराल की पहली होली नहीं देखनी चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार होलाष्टक में महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने से हर तरह के रोग से छुटकारा मिलता है और सेहत अच्छी रहती है।

अन्तरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन की राजस्थान प्रदेश इकाई

प्रांतीय अधिवेशन 20 मार्च को जयपुर में

प्रथम प्रांतीय अधिवेशन के मौके पर राजस्थान प्रदेश प्रकाशित करेगा अधिवेशन स्मारिका

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन की राजस्थान प्रदेश इकाई का प्रथम प्रांतीय अधिवेशन आगामी 20 मार्च को रामेश्वर मैरिज गार्डन, रोड नंबर-12 सीकर रोड जयपुर में आयोजित किया जाएगा। उक्त अधिवेशन की तैयारियों को लेकर 19 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन राजस्थान प्रदेश कार्यकारिणी,जयपुर जिला इकाई, एवं महिला तथा युवा विंग के सभी प्रमुख पदाधिकारी/ सदस्यों की एक आवश्यक बैठक विजय लक्ष्मी टावर, विद्याधर नगर जयपुर में प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम अग्रवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

इस बैठक में अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष राजकुमार मित्तल के मार्गदर्शन में वृहद रूप से 20 मार्च को प्रांतीय अधिवेशन आयोजित करने का निर्णय लिया गया, तो वही अधिवेशन की अग्रिम तैयारियों को लेकर प्रदेश के पदाधिकारियों को जिम्मेदारी भी दी गई, इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम अग्रवाल ने बताया कि अधिवेशन के इस अवसर पर अधिवेशन स्मारिका का प्रकाशन किया जाएगा तथा इस स्मारिका में राजस्थान प्रदेश द्वारा अपनी विभिन्न इकाइयों के माध्यम से संपादित कार्यक्रमों को स्थान दिया जाएगा। बैठक के दौरान प्रदेश तथा विभिन्न इकाइयों के पदाधिकारी/ सदस्यों ने भी प्रथम प्रांतीय अधिवेशन को वृहद रूप देने के संबंध में अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए तथा बैठक में तय किया गया कि अधिवेशन में अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के अंतर्गत विभिन्न प्रांतीय इकाइयों के पदाधिकारियों को भी इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाए, तथा अधिवेशन को भव्य रूप से संपन्न कराया जाए, वहीं अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन की राजस्थान प्रांत इकाई द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में भी प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम अग्रवाल एवं अन्य प्रमुख पदाधिकारी/ सदस्यों ने जानकारी देते हुए सभी सदस्यों की सक्रियता के लिए उनका आभार व्यक्त किया। तथा इस बैठक में अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन की राजस्थान प्रदेश इकाई के सभी पदाधिकारी/ सदस्य, जयपुर जिला इकाई के सभी पदाधिकारी/ सदस्य एवं महिला तथा युवा इकाइयों के भी पदाधिकारी सदस्य मौजूद रहे, उपरोक्त जानकारी अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के राजस्थान प्रदेश इकाई के कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल जयपुर द्वारा दी गई है।

ANCHOR अगले माह आएगी केंद्रीय टीमे

सहायक अभियंता सुधारेंगे स्वच्छता सर्वेक्षण की रैंकिंग

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। स्वच्छता सर्वेक्षण अगले महीने से शुरू होने वाला है। मार्च महीने में कभी भी केंद्र की टीमें आकर प्रदेश के शहरों की स्वच्छता का आकलन करेंगी और फिर जारी होगी स्वच्छता रैंक। अब तक के सर्वेक्षण में जयपुर सहित प्रदेश के ज्यादातर शहरों की सफाई रैंकिंग अच्छी नहीं रही। इस बार सरकार ने सर्वेक्षण के मद्देनजर सहायक अभियंताओं को बड़ी जिम्मेदारी दी है। राज्य सरकार ने एक आदेश जारी कर सभी निकायों में सहायक अभियंताओं को स्वच्छ भारत मिशन के पोर्टल पर सूचनाएं अपडेट करने और सर्वे की प्रारंभिक तैयारी के लिए नियुक्त किया है। इन सहायक अभियंताओं को उपनिदेशक कार्यालय में तैनात किया गया है। आदेश के तहत सभी उप निदेशकों को हिदायत दी गई है कि निकायों के स्वच्छता सर्वेक्षण संबंधित कार्यों की मॉनिटरिंग और प्रभावी सुपरविजन किया जाए। हर उपनिदेशक अपने क्षेत्राधिकार के एक निकाय को मॉडल निकाय के तौर पर चयनित करेगा। इस मॉडल निकाय में उपनिदेशक के निर्देशन में सहायक अभियंता स्वच्छता संबंधी कार्यों का निरीक्षण करेंगे।

जयपुर शहर के दोनों नगर निगमों की तैयारी अधूरी

स्वच्छता सर्वेक्षण के लिहाज से अभी जयपुर शहर के दोनों नगर निगमों की तैयारी अधूरी है। हैरिटेज ने नए हूपर खरीदे हैं और नई मशीनें खरीदी हैं। साथ ही कुछ कर्मचारियों को सफाई सर्वेक्षण में लगाया गया है, लेकिन सर्वेक्षण के लिहाज से तैयारी पूरी नहीं है। वहीं ग्रेटर नगर निगम अब भी संसाधनों की कमी से जूझ रहा है। खुद पार्षद लगातार धरने-प्रदर्शन करके रोष जता रहे हैं। ग्रेटर नगर निगम में कई बार पार्षद सफाई व्यवस्था सहीं नहीं होने और हूपर समय पर नहीं आने की शिकायतें कर चुके हैं।

प्रदेश बजट में किस विभाग को क्या मिल सकता है...

पुलिस

- 50 से नए थाने चौकियों के प्रस्ताव, सायबर थाने भी शामिल
- एक दर्जन सीओ ऑफिस व एडि. एसपी ऑफिस खोलने का प्रस्ताव
- हथियार खरीद व भवन निर्माण के लिए बजट मांगा गया है।
- पुलिसकर्मियों के लिए मैश भत्ता बढ़ाने की मांग की है।
- महिला सुरक्षा के संबंध में प्रदेश के सभी पुलिस थानों में एक-एक महिला एएसआई या एसआई की पोस्टिंग अनिवार्य।

उद्योग

- छोटे उद्योगों यानी एमएसएमई के लिए क्रेडिट कार्ड का ऐलान संभव। इसमें कारोबार के लिए 2 से 10 लाख रु. तक की क्रेडिट लिमिट मिल सकती है।
- रीको नए औद्योगिक क्षेत्र एक साथ खोलने की घोषणा संभावित

शिक्षा

- खुले सरकारी कॉलेजों को क्रमोन्नत करने, कोर्स बढाने का काम संभव
- गेस्ट फेकल्टी लगाने की योजना का विस्तार करने, तकनीकि शिक्षा में टेक्यूप थ्री के तहत लगे फेकल्टी को फंडिंग संभव
- पॉलिटेक्निकल कॉलेज में संचालित पेट्रोलियम इंजीनियरिंग ब्रांच को सेल्फ फाइनेंस स्किम से रेगुलर कोर्स करने का प्रस्ताव

परिवहन

- बड़ी चौपड़ से ट्रांसपोर्ट नगर, मानसरोवर से अजमेर रोड मेट्रो की घोषणा संभव। फेज-1सी बड़ी चौपड़ से ट्रांसपोर्ट नगर और फेज-1 मानसरोवर से अजमेर रोड चौराहा तक मेट्रो है।
- इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी को मंजूरी मिल सकती है। पॉलिसी के तहत इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वाले लोगों को सरकार 50 हजार से 3 लाख रु. तक प्रति वाहन पर प्रोत्साहन राशि देने का प्रस्ताव है।

बिजली

- प्रदेश में 50 हजार कृषि बिजली कनेक्शन की घोषणा
- बिजली सप्लाई की गुणवत्ता सुधार करने के लिए नए ग्रिड सब-स्टेशन का निर्माण।
- प्रदेश में कुसुम योजना से कृषि कनेक्शनों को दिन में बिजली देने का स्कीम को स्वीकृति।

पानी

- जल जीवन मिशन में नए गांव व ढाणियों को हर घर नल कनेक्शन देने के लिए बजट घोषणा।
- जयपुर शहर में दूषित पानी से राहत व प्रेशर बढ़ाने के लिए नई पाइपलाइन व स्कीम का काम।
- आमेर व सांगानेर की वंचित ढाणियों को पेयजल सप्लाई से जोड़ने का काम।
- मल्टीस्टोरी बिल्डिंगों व कॉलोनियों में पेयजल कनेक्शन की रेट कम करना।

सामाजिक न्याय

- सामाजिक पेंशन स्कीम में वृद्धि संभव
- स्कूटी योजनाओं का विस्तार
- देवनारायण बोर्ड और विप्र के लिए बजट और कार्यालय की घोषणा संभव।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग

- मनरेगा को लेकर बड़ा फैसला संभव, स्टेट का बजट बढ़ सकता है
- डांग, मगरा, मेवात विकास कार्यक्र मों में पिछले साल की तुलना में बजट वृद्धि संभव
- स्मार्ट विलेज और महात्मा गांधी आदर्श ग्राम योजना को गति मिलेगी।

कर्मचारी

- RGHS में आउटडोर लिमिट बढ़ेगी, 8 लाख को होगा लाभ
- राज्य सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए हाल में आरजीएचएस स्कीम लागू की है। इसमें आउटडोर इलाज की लिमिट 20 हजार रु. है। इसे 30 हजार रु. किया जाएगा। करीब 8 लाख कर्मचारी दायरे में।
- **वेतन कटौती में वापसी -** पिछली वसुंधरा सरकार में वित्त विभाग ने 30 अक्टूबर 2017 को गहलोत सरकार में कर्मचारियों को दिया गया ग्रेड का लाभ समाप्त कर दिया था। बजट में सरकार इस आदेश को वापस लेने का ऐलान कर सकती है। इसके लिए खेमराज कमेटी से प्रोविजनल रिपोर्ट ले ली है।
- **नया विभाग बनेगा -** योजनाओं की मॉनिटरिंग करने वाले आयोजना विभाग के पुनर्गठन का ऐलान संभव। इस विभाग का पूरा स्ट्रेक्चर ही बदला जाएगा और ज्यादा अधिकार व कार्य सौंपे जाएंगे।

रोजगार

- 60 हजार शिक्षकों की भर्ती होगी, लेकिन घोषणा पुरानी
- शिक्षा विभाग में 60 हजार पदों पर भर्तियां बजट में घोषित हो सकती है। इनकी घोषणा पिछले दिनों हो चुकी है। कांस्टेबल के 5000, आयुष विभाग में 1500, यूडीएच में 1100, हाउसिंग बोर्ड में 550, जेडीए में 350 व अन्य यूआईटी-निकायों में बड़ी संख्या में जेईएन की भर्ती की संभावना।

स्वास्थ्य

- 5 नए मेडिकल कॉलेज शुरू
- अगले सत्र से 5 नए मेडिकल कालेजों के शैक्षणिक सत्र शुरू करने की घोषणा, उनके लिए स्टाफ आदि की घोषणा। करीब 150 उपकेंद्र, पीएचसी, सीएसची के क्रमोन्नत करने की घोषणा संभव।
- हर संभाग और जिले के हैल्थ सुविधा के लिए अलग घोषणा संभव
- ग्राम स्तर पर सेनेटरी नेपकिन व इलाज के स्पेशल पैकेज और निरोगी का मद बढ़ाना संभव
- डाक्टर, नर्सिंग जीएनएम, एएनएम, आदि के रिक्त पदों पर भर्ती की घोषणा संभव
- कम्यूनिटी हैल्थ आफिसर के मानदेय में बढ़ोतरी की घोषणा या संविदा कार्मिकों को लेकर बड़ी घोषणा संभव
- राइट टू हैल्थ बिल की इसी साल लागू करने की घोषणा संभव
- किसान, कर्जमाफी का लाभ 3 लाख को, पहली बार 20 हजार करोड़ रु. के लोन बांटेंगे
- सहकारी बैंकों का लोन माफ किया, कॉमर्शियल पर किरकिरी हुई, इसलिए इस सेक्टर पर फोकस
- करीब 2 से 3 लाख किसानों के लिए 2 लाख रुपए तक की ऋणमाफी के साथ फसली ऋण में इस बजट में करीब 1.5 हजार करोड़ का इजाफा करने की तैयारी है। मौजूदा बजट में फसली ऋण के लक्ष्य 18,500 करोड़ रुपए है, जिसे डेढ़ हजार रुपए बढ़ाकर 20 हजार करोड़ रुपए किया जाना है। सूत्रों के मुताबिक सहकारिता विभाग ने इसका प्रस्ताव बनाकर वित्त विभाग को पहले ही भिजवाया दिया है। सूत्रों का कहना है कि मिड टर्म में इसे बढ़ाकर 22500 करोड़ रु. तक किया जा सकता है।

पहली बार अलग कृषि बजट...

अब सरकार की किसान-किसानी पर स्कीम - 1 सरकार ने किसानों के लिए क्या क्या किया

- 14000 करोड़ रुपए का लोन माफ, इसमें 6 हजार करोड़ रुपए पिछली सरकार के बकाया भी शामिल।
- 3 साल में 37 हजार करोड़ रुपए के लोन बांटे गए।
- 5 लाख किसानों का बिजली का बिल शून्य किया, क्योंकि, 1000 रुपए प्रतिमाह का अनुदान।
- 5 साल तक कृषि कनेक्शन पर बिजली की दरें नहीं बढ़ाने की घोषणा
- 2.41 लाख नए बिजली कनेक्शन जारी
- 2 रुपए प्रति लीटर का अनुदान दुग्धपालकों को
- 3518 करोड़ रुपए का बीमा क्लेम दिलवाया गया 26 लाख किसानों को
- 5.42 लाख मीट्रिक टन यूरिया और 5.19 लाख मीट्रिक टन डीएपी की आपूर्ति
- 21 लाख क्विंटल उच्च गुणवत्ता का बीज वितरित
- 23 लाख 40 हजार मीट्रिक टन गेहूं की समर्थन मूल्य पर खरीद।
- 29.77% हिस्सा जीडीपी का कृषि से आता है।
- सरसों, बाजरा व ग्वार के उत्पादन में राजस्थान देश में प्रथम और तिलहन, दलहन एवं दुग्ध उत्पादन में दूसरे स्थान पर है। इसलिए कृषि बजट से इसे बूस्टर डोज मिलने की उम्मीद।

विभाग के मंत्री उदयलाल आंजना ऋण वितरण लक्ष्य को बढ़ाकर 23 हजार करोड़ रुपए तक ले जाना चाहते थे, लेकिन अभी 20 हजार करोड़ का ही बांटा जाएगा।

हमारी सरकार ने पहली बार अलग से कृषि बजट लाने जैसा ऐतिहासिक निर्णय किया है। इसमें किसानों व पशुपालकों के लिए जरूरी प्रावधान करेंगे।

*- **सीएम अशोक गहलोत,** (पिछले दिनों कृषि विभाग की बजट पूर्व समीक्षा बैठक में)*

फसली ऋण वितरण के लिए 23 हजार करोड़ के बजट की डिमांड रखी है। यदि बजट कम मिलता है तो मिड टर्म में इसे बढ़ाकर 22 हजार 500 करोड़ रुपए तक करने के प्रयास करेंगे।

- उदय लाल आंजना, सहकारिता मंत्री

मुख्यमंत्री ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट को अन्तिम रूप दिया

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर वित्तीय वर्ष 2022-23 के राज्य बजट को अन्तिम रूप दिया। इस अवसर पर प्रमुख शासन सचिव वित्त अखिल अरोरा, शासन सचिव वित्त (राजस्व) सुरेश चन्द गुप्ता, शासन सचिव वित्त (बजट) सुधीर कुमार शर्मा, शासन सचिव वित्त (व्यय) नरेश कुमार ठकराल एवं निदेशक (बजट) ब्रजेश किशोर शर्मा उपस्थित थे।

सीमांकन में वर्चस्व की लड़ाई

जयपुर @ जागरूक जनता। जयपुर नगर निगम ग्रेटर के वार्ड 66 व 67 में इन दिनों भाजपा के दोनों पार्षदों में खींचतान साफ दिखाई दे रही है। क्योंकि दोनों भाजपा पार्षदों के क्षेत्र की सीमाएँ एक ही है और दोनो पार्षदों द्वारा क्षेत्र में अपना अपना वर्चस्व जमाने के लिए पार्षदों ने कमला नेहरू नगर चौराहे पर अपने अपने बोर्ड लगा रखे है। क्योंकि कमला नेहरू नगर चौराहा दोनो वार्ड 66, 67 का सबसे मुख्य चौराहा है और इस चौराहे से प्रतिदिन हज़ारों की संख्या में क्षेत्रवासियों का आवागमन होता है। इसलिए वार्ड के दोनों पार्षद अशोक बोहरा व गणेश नारायण जाट अपने वर्चस्व की लड़ाई लड़ रहे है। इसलिए दोनों पार्षदों ने चौराहे पर अपने अपने होर्डिंग लगा रखे है। ***फोटो - रवि गौत्तम***

1 घंटे के बजट भाषण के लिए होती है 6 महीने की एक्सरसाइज, 1952 में पेश हुआ था पहला बजट

17 करोड़ से 2.50 लाख करोड़ तक बढ़ा बजट

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आज बुधवार को विधानसभा में बजट पेश करेंगे। हर साल विधानसभा में पेश किए जाने वाले बजट की छह माह पहले ही तैयारियां शुरू हो जाती हैं। वित्त विभाग लगातार इस पर काम करता रहता है। बजट की तैयारी से लेकर इसे विधानसभा में पारित करवाने और विभागों को फंड आवंटित करने का एक सेट पैटर्न है। बजट हेड के हिसाब से फंड अलॉट होता है। सबसे ज्यादा बजट खर्च सरकारी कर्मचारियों के वेतन भत्ते, पेंशन के साथ सरकार के रोजमर्रा के काम पर होता है। आईए जानते हैं बजट से जुड़ी कुछ अहम जानकारियां।

4 अप्रैल 1952 को विधानसभा में पेश हुआ था पहला बजट

आजादी के बाद विधानसभा में राज्य का पहला बजट 4 अप्रैल 1952 को पेश किया गया था। यह बजट 17.25 करोड़ का था। तत्कालीन वित्त मंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे नाथूराम मिर्धा ने यह बजट पेश किया था। यह बजट वित्त वर्ष 1952-53 का था। पहला बजट पेश किए हुए 70 साल हो चुके हैं। 70 साल पहले पेश पहले बजट और अब के बजट में बहुत बड़ा फर्क आ गया हैं, पिछला बजट 2.50 लाख करोड़ का था।

विकास के लिए कर्ज ले रही है सरकार

सरकार मौजूदा दौर में विकास योजनाओं में खर्च के लिए कर्ज पर ही निर्भर रहती है। साल 2021-22 का बजट 2.50 लाख करोड़ का था। इसमें 2 लाख 8 हजार करोड़ तो रेवेन्यू एक्सपेंडिचर यानी वेतन भत्ते और सरकार के रिकरिंग खर्चों के लिए था। 42 हजार करोड़ रुपए ही कैपिटल एक्सपेंडिचर का था।

आखिरी 10 दिन सीएम, चुनिंदा अफसर तय करते हैं

बजट मैकिंग में आखिरी के 10 दिन गोपनीयता बरती जाती है। बजट भाषण में की जाने वाली घोषणाओं और उनके लिए बजट का अलोकेशन करने का काम बहुत गोपनीय तरीके से किया जाता है। इस काम में मुख्यमंत्री, वित्त विभाग के एसीएस या प्रमुख सचिव, बजट सचिव और केवल चुनिंदा अफसर ही रहते हैं, जो यह सब फाइनल करते हैं।

बजट पर सीएम सुझाव लेते हैं

बजट के अनुमान तैयार होने के बाद जनवरी में मुख्यमंत्री के स्तर पर बजट पूर्व बैठकें और टैक्स एडवाइजरी कमेटी की बैठकें होती हैं। मुख्यमंत्री जनवरी अंत और फरवरी के पहले सप्ताह तक अलग-अलग वर्गों के साथ बैठकें कर बजट पर सुझाव पूछते हैं। सभी वर्गों से सुझाव लेकर चुनिंदा मांगों को बजट भाषण में शामिल किया जाता है।

बजट के अगले दिन से बजट पर बहस

विधानसभा में मुख्यमंत्री या वित्त मंत्री बजट पेश करते हैं, यह पूरा बजट भाषण होता है जिसमें घोषणाएं शामिल की जाती है। उसी दिन बजट से जुड़े बिल विधानसभा में रख दिए जाते हैं। अगले दिन से चार से पांच दिन बजट पर विधानसभा में बहस होती है। बजट बहस का मुख्यमंत्री जवाब देते हैं।

बजट बहस के बाद अनुदान की मांगें

बजट बहस के जवाब के बाद बड़े बजट हेड के हिसाब से अनुदान की मांगों पर बहस होती है। शिक्षा, चिकित्सा, ग्रामीण विकास, जनजाति विकास, पेयजल, सिंचाई, पीडब्ल्यूडी की अनुदान मांगों पर हर दिन बहस होती है और उसी दिन पारित होती है।

क्लासीफाईड विज्ञापन

183 वर्ग गज का पश्चिम मुखी प्लाट बिकाऊ (सोसायटी पट्टा)। अणतपुरा सरकारी योजना के सामने, सीकर रोड, जयपुर। सम्पर्क करें- 9829329070 (पोस्ट बॉक्स-3)

100 वर्ग गज का पश्चिम मुखी दो मंजिला मकान बिकाऊ (जेडीए पट्टा)। जे. पी. कॉलोनी, विद्याधर नगर, जयपुर। सम्पर्क करें- 9829329070 (पोस्ट बॉक्स-5)

161 वर्ग गज कॉर्नर का पश्चिम -उत्तर मुखी प्लाट बिकाऊ (सोसायटी पट्टा)। 30 फीट-40 रोड। नींदड़ योजना के पास, सीकर रोड, जयपुर। सम्पर्क करें- 9829329070 (पोस्ट बॉक्स-1)

आरएएस-प्री रिजल्ट रद्द

25-26 फरवरी को नहीं होगा मेन्स एग्जाम

हाईकोर्ट ने दिए कमेटी बनाने के आदेश, दोबारा जारी होगी आंसर-की

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने मंगलवार को आरएएस-प्री 2021 एग्जाम का परिणाम रद्द कर दिया है। ऐसे में अब 25-26 फरवरी को आरएएस मेन्स एग्जाम नहीं होगा। हाईकोर्ट ने 5 विवादित प्रश्नों पर दोबारा से कमेटी बनाने के आदेश दिए हैं। कोर्ट के आदेश पर नए सिरे से प्री-एग्जाम की आंसर-की जारी करनी होगी। जस्टिस महेन्द्र गोयल की बेंच ने अंकित शर्मा व अन्य की याचिका पर यह आदेश दिया है। एडवोकेट रामप्रताप सैनी ने मामले में पैरवी की। हाईकोर्ट ने आरएएस-प्री एग्जाम के प्रश्न नम्बर 62 के ऑप्शन 1 को सही माना है। ऐसे में अब आरएएस-प्री का रिजल्ट नए सिरे से आने के बाद ही मेन्स परीक्षा हो सकेगी। आरएएस भर्ती 2021 की प्री परीक्षा 27 अक्टूबर, 2021 को हुई थी। इसका रिजल्ट 19 नवम्बर, 2021 को जारी किया गया था। मुख्य परीक्षा की तारीख आगे बढ़ाने की मांग अभ्यर्थी लगातार कर रहे थे। बहुत से अभ्यर्थी प्री परीक्षा के रिजल्ट से संतुष्ट नहीं हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा था स्थगित नहीं होगी मेन्स परीक्षा

आरएएस मेन्स परीक्षा स्थगित करने की लगातार मांग की जा रही थी। बीजेपी और विपक्षी विधायकों के साथ ही कई कांग्रेस विधायक भी आरएएस अभ्यर्थियों के समर्थन में उतर चुके थे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ही कहा था कि आरएएस मुख्य परीक्षा स्थगित नहीं होगी। उन्होंने परीक्षा स्थगित करने की मांग को गलत ठहराया था। साथ ही कहा था कि सभी प्रतियोगी परीक्षाएं और भर्तियां तय समय में पूरी करना सरकार की प्राथमिकता है। इसी के तहत आरपीएससी और राजस्थान कर्मचारी बोर्ड भर्ती कैलेंडर जारी कर उसके मुताबिक परीक्षाएं करवा रहा है। गहलोत ने आरएएस मुख्य परीक्षा भी 25 और 26 फरवरी, 2022 को आरपीएससी के कैलेंडर के मुताबिक करवाने की बात कही थी।

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech

ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS

BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY

WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click

START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just Rs.35,000/- + GST

Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Website Development
★ Digital Marketing ★ Android Development
★ Whatsapp Marketing ★ Software Development
★ Bulk SMS Marketing ★ Social Media Management

MSGJET | SCHOOL Management System

Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...

Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan

WE ARE Google Partner | Marketing Partner | Accredited Professional Bing ads

DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE

INIDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

ANCHOR | **समीक्षा बैठक**

फ्लैगशिप योजनाओं का समय पर हो क्रियान्वयन - जिला कलक्टर

अधिकारी पहल करें, लोगों को योजनाओं से जोड़े

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर जिला कलक्टर राजन विशाल ने कहा है कि जिले के अधिकारी फ्लैगशिप योजनाओं व कार्यक्रमों से लोगों को जोड़ने की पहल करे ताकि जिले के अधिक से अधिक लोगों को योजनाओं का लाभ मिल सके। राजन विशाल ने सोमवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में जिले के अधिकारियों की बैठक ली। विशाल ने सभी फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

विशाल ने कहा कि जिले के सभी अधिकारी टीम भावना से कार्य करे। आपसी समन्वय रखे। सभी मिल जुलकर अधिक से अधिक लोगों को फ्लैगषिप योजनाओं का लाभ दिलाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाये। विशाल ने कहा कि निरोगी राजस्थान में लोगों को निरोगी रहने के लिए प्रिवेंटिव हैल्थ केयर को क्यूरेटिव हैल्थ केयर से जोड़कर जागरूक किया जाता है। इसके लिए स्वास्थ्य मित्रों को आगे बढ़कर कार्य करना होगा।

जिला कलक्टर ने कहा कि लघु सीमान्त कृषको और संविदा कर्मियों को प्राथमिकता से मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना से जोड़े। उन्होंने कहा कि अगले पन्द्रह दिवस में सभी संविदाकर्मियों के जनाधार कार्ड आवष्यक रूप से बनवा दिये जाए। जिला कलक्टर ने कहा कि सर्व शिक्षा अभियान के तहत बच्चों के स्वास्थ्य की जांच करवा कर बीमार बच्चों को चिन्हित कर समन्वय से उनका ईलाज कराये। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना से लोगों को जोड़े। लोगों के आवेदन पत्रों की कमियों को शीघ्रता से दूर करें ताकि योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों को मिल सके।

विशाल ने कहा कि पंचायतों व नगर निगमों के विवाह पंजीयन रजिस्टर में अंकित पात्र लोगों को मुख्यमंत्री कन्यादान हथलेवा योजना का लाभ दिलाने की पहल करें। उन्होंने सिलिकोसिस प्रमाण पत्रों के लम्बित प्रकरणों को भी शीघ्रता से निपटाने के लिए निर्देश दिये। विशाल ने कोरोना में मृत्यु होने वाले व्यक्ति के परिजनों को राज्य की विभिन्न पेंशन योजनाओं का लाभ दिलाने की पहल करने के लिये भी अधिकारियों से कहा।

जिला कलक्टर ने कहा कि सम्पर्क पोर्टल पर लम्बित प्रकरणों का निस्तारण शीघ्रता से किया जावे। बैठक में मुख्यमंत्री युवा संबल योजना, घर-घर औषधि योजना, इंदिरा रसोई योजना, आदि सहित विभिन्न विभागों से संबंधित फ्लैगशिप योजनाओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जिले के सभी अतिरिक्त जिला कलक्टर और जिले के शिक्षा, ऊर्जा, विद्युत, रसद, पीएचईडी, वन विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे। कलक्ट्रेट सभागार में ही एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें भारतीय मानक ब्यूरो की जयपुर शाखा प्रमुख ने विभिन्न मानक मापदण्डों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

सीखने की बात

अपनी जरूरत के लिए धन कमाना अच्छी बात है, किन्तु धन-दौलत जमा करने की भूख होना बुरी बात है...

- अज्ञात

सेल्फी के जोखिम

चलती ट्रेन के सामने खड़े होकर सेल्फी खींचने के दुस्साहस ने गुरुग्राम के चार युवकों की जान ले ली। 20 से 25 साल के ये नौजवान रेलवे ट्रैक पर खड़े होकर मोबाइल से ऐसी सेल्फी खींच रहे थे कि उनके पीछे आती हुई ट्रेन दिखे। पीछे से आती अजमेर-सराय रोहिल्ला जनशताब्दी ट्रेन की अपनी रफ्तार थी और इसके पहले वे युवक फोटो खींचकर ट्रैक से पीछे हटते ट्रेन उनके ऊपर से गुजर चुकी थी। सेल्फी खींचते हुए जान गंवा देने का यह पहला मामला नहीं है। जोखिम भरी स्थितियों में सेल्फी खिंचवाते हुए जान दे देना अब पूरी दुनिया में दुर्घटनाओं की एक नई कैटेगरी बन चुका है। इसके ताजा अध्ययन तो उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन साल 2018 में जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन ऐंड प्राइमरी केयर ने सेल्फी को लेकर एक अध्ययन किया था। उसने पाया कि 2011 से 2017 के बीच पूरी दुनिया में 259 लोगों की जान सेल्फी लेते समय चली गई। दुर्भाग्य से, इनमें आधे से ज्यादा मामले भारत के ही हैं। उसके बाद रूस, अमेरिका और पाकिस्तान का नंबर आता है। यह अध्ययन अखबारों में छपी खबरों के आधार पर किया गया था, जिसका एक मतलब यह भी है कि ऐसी जानलेवा दुर्घटनाओं की वास्तविक संख्या कहीं ज्यादा हो सकती है। फिर, उन घटनाओं को हम नहीं जानते, जिनमें ऐसा जोखिम लेते हुए लोग बाल-बाल बचे होंगे या घायल हुए होंगे।

भारत में सेल्फी दुर्घटनाएं इतनी ज्यादा क्यों होती हैं, इसे लेकर मनोवैज्ञानिकों ने कई अनुमान लगाए हैं। एक तो यह कहा जाता है कि स्मार्टफोन ने पहली बार हर खास-ओ-आम के हाथ में कैमरा उपलब्ध करा दिया है। जो तस्वीर पहले कुछ खास मौकों पर ही खींची जा सकती थी, उसे अब कोई किसी भी क्षण खींच सकता है। इसलिए भारत में मोबाइल कैमरे से फोटो खींचने का चलन बहुत तेजी से बढ़ा है। तकरीबन हर सार्वजनिक या निजी जगह पर, हर सार्वजनिक या निजी समारोह में लोग फोटो खींचते और सेल्फी लेते मिल जाएंगे। दूसरा कारण यह है कि स्मार्टफोन आगमन के बाद शुरू हुए सोशल मीडिया को दुनिया के जिन देशों ने तेजी से अपनाया, उनमें भारत भी शामिल है। पूरी दुनिया में जिसे सेल्फी की दीवानगी कहा जाता है, उसे दरअसल इस सोशल मीडिया ने ही बढ़ावा दिया है। यह ऐसा मीडिया है, जिससे करोड़ों लोग जुड़े हैं, जिनमें लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचने की एक स्पर्द्धा जैसी होती है। एक-दूसरे से आगे बढ़ने की होड़ में लोग अपनी अजूबी सेल्फी खींचने की कोशिश करते हैं और अक्सर इसके लिए किसी भी स्तर का जोखिम लेने को तैयार हो जाते हैं।

इस समय यह पूरी दुनिया में चिंता का विषय है कि इस चलन को रोका कैसे जाए? ऑस्ट्रेलिया ने तो बाकायदा सेल्फी पर एक एडवाइजरी भी जारी की है। कई जगहों पर दुर्घटना की आशंका वाले इलाकों में चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं। कुंभ के दौरान भी इस तरह के बोर्ड लगाए गए थे। भारत के पर्यटन मंत्रालय और मुंबई पुलिस ने ऐसी खतरे वाली जगहों की पहचान भी की है। एक सुझाव यह भी है कि जैसे समुद्र तटों पर सुरक्षा गार्ड होते हैं, वैसे ही गार्ड रेलवे स्टेशनों पर भी नियुक्त किए जाएं। इस मामले में जागरूकता पैदा करना और ऐसे विषय को बच्चों के पाठ्यक्रम में शामिल करने का तरीका भी अपनाया जा सकता है। किसी भी तरह इस चलन को रोकना ही होगा।

सम्पादकीय

आतंकियों को सजा

कई बार फैसला जब तक आता है, बहुत सी यादें धुंधली पड़ जाती हैं। विशेष अदालत ने जब अहमदाबाद में 2008 के बम धमाकों के दोषियों को सजा सुनाई, तो लोगों को यह याद दिलाना पड़ा कि उस दिन कितनी बड़ी तबाही गुजरात के उस शहर ने देखी थी। 26 जुलाई की शाम एक के बाद एक, 70 मिनट के भीतर शहर के अलग-अलग हिस्सों में 21 धमाके हुए थे, जिनमें 56 लोगों की जान चली गई थी और 200 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। षड्यंत्र का पर्दाफाश करने में हालांकि सुरक्षा एजेंसियों ने ज्यादा वक्त नहीं लगाया और एक साल के भीतर ही मामले में मुकदमा दायर हो गया। शुरू में इसे लेकर विभिन्न लोगों पर तकरीबन 35 मामले दायर हुए थे और बाद में इन सभी मामलों को जोड़ दिया गया। कुल 78 लोगों को आरोपी बनाया गया और अब जब 13 साल की अदालती कार्यवाही के बाद फैसला आया है, तो इनमें से 38 लोगों को मृत्युदंड दिया गया और 11 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। यह भी बताया जा रहा है कि भारत के पूरे इतिहास में एक साथ इतने लोगों को मृत्युदंड की सजा कभी नहीं सुनाई गई। जितना जघन्य वह षड्यंत्र था, उसे देखते हुए इस फैसले पर ज्यादा हैरत नहीं होती। फैसले के तुरंत बाद अहमदाबाद से एक तस्वीर आई, जिसमें कुछ लोग अपने हाथ में प्लेकार्ड लिए हुए हैं। एक में कहा गया है, मानवता जीती और आतंकवाद हारा, दूसरे पर लिखा है- पीड़ित परिवारों को मिला न्याय। निस्संदेह, लोगों को न्याय मिला है। ऐसे फैसले व्यवस्था पर हमारी आस्था को भी बढ़ाते हैं। लेकिन इस बात को भी याद रखना होगा कि इस फैसले तक पहुंचने में 13 साल लगे। वह भी तब, जब मामला एक ऐसी विशेष अदालत में था, जिसे त्वरित न्याय के लिए बनाया गया था। और अब भी जो फैसला मिला है, वह अंतिम नहीं है। इसके खिलाफ अभी ऊपरी अदालतों में अपील होगी। जब तक अंतिम फैसला आएगा, और भी देर हो चुकी होगी। बेशक, अगर हम पुराने समय से तुलना करें, तो आतंकवाद के मामलों में अब फैसले अपेक्षाकृत जल्दी होने लगे हैं। इसके बावजूद जो समय लग रहा है, उसे लेकर संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता। 13 साल की यह अवधि सिर्फ आतंकवाद ही नहीं, किसी भी आम दीवानी या फौजदारी मामले के हिसाब से भी काफी लंबी है, और किसी तरह से स्वीकार करने लायक नहीं है। विशेष अदालतों के जरिये त्वरित न्याय की जो भी कोशिशें की गई हैं, उनके कुछ एक नतीजे भी देखने को मिले हैं। लेकिन दिक्कत यह है कि हमारी पूरी न्याय-प्रक्रिया इतनी धीमी है कि त्वरित अदालतें भी उसकी प्रवृत्तियों से बच नहीं पातीं। हालांकि, इस मामले में विभिन्न जेलों में बंद आरोपियों की वीडियो के जरिये पेशी का रास्ता अपनाया गया। बेशक, यह महामारी को देखते हुए किया गया था, लेकिन अगर ऐसा न होता, तो शायद वक्त और लगता। अच्छी बात यह भी रही कि अदालत ने अपने फैसले को सिर्फ सजा देने तक सीमित नहीं रखा। उसने विस्फोटों में मारे गए लोगों के परिजनों को एक लाख रुपये, गंभीर रूप से घायल लोगों को 50 हजार रुपये और बाकी घायलों को 25 हजार रुपये का मुआवजा देने का निर्णय भी सुनाया। अब जरूरत यही है कि इस फैसले से आगे सब कुछ त्वरित गति से हो।

भाषा सांस्कृतिक निरंतरता का वह सूत्र है, जो वर्तमान को अतीत से बांधता है। वैश्वीकरण और पाश्चात्यीकरण से सिर्फ आर्थिक प्रगति ही प्रभावित नहीं हुई है, बल्कि भाषाई और सांस्कृतिक विविधता पर भी प्रभाव पड़ा है, इसीलिए अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का भारतीय संदर्भों में विशेष महत्व है।

हमारी बहुभाषाई शिक्षा में टेक्नोलॉजी की भूमिका

एम वेंकैया नायडु
उपराष्ट्रपति
भारत
@jagrukjanta.net

इस वर्ष 2022 में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का विषय है, बहुभाषी शिक्षा में टेक्नोलॉजी का प्रयोग : चुनौतियां और अवसर। हमारे जैसे भाषाई विविधता वाले देश के लिए तो यह विशेष प्रासंगिक है। एक अच्छी और समावेशी शिक्षा प्रणाली के लिए टेक्नोलॉजी आवश्यक भी है।

मातृभाषा से ही किसी व्यक्ति या समुदाय की सांस्कृतिक पहचान बनती है। हमारी सदियों पुरानी भाषाई और सांस्कृतिक विविधता के कारण विश्व में भारत की एक प्रतिष्ठा रही है। विविधता ही हमारी सनातन संस्कृति की पहचान है। मातृभाषा ही हमारी आशाओं, अनुभवों, आदर्शों, मान्यताओं और मर्यादाओं को अभिव्यक्ति देती है, मातृभाषा ही हमारी साहित्यिक, कलात्मक अभिव्यक्ति का माध्यम होती है।

भाषा सांस्कृतिक निरंतरता का वह सूत्र है, जो वर्तमान को अतीत से बांधता है। वैश्वीकरण और पाश्चात्यीकरण से सिर्फ आर्थिक प्रगति ही प्रभावित नहीं हुई है, बल्कि भाषाई और सांस्कृतिक विविधता पर भी प्रभाव पड़ा है, इसीलिए अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का भारतीय संदर्भों में विशेष महत्व है। नवंबर 1999 में यूनेस्को ने हर साल 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया। उद्देश्य था लुप्त हो रही भाषाओं को संरक्षित करना। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, विश्व में बोली जाने वाली लगभग 6,000 भाषाओं में से 43 प्रतिशत भाषाएं लुप्तप्राय हैं।

इस वर्ष 2022 में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का विषय है, बहुभाषी शिक्षा में टेक्नोलॉजी का प्रयोग : चुनौतियां और अवसर। हमारे जैसे भाषाई विविधता वाले देश के लिए तो यह विशेष प्रासंगिक है। एक अच्छी और समावेशी शिक्षा प्रणाली के लिए टेक्नोलॉजी आवश्यक भी है। यूनेस्को की महानिदेशक ऑड्रे एजोले ने अपने संदेश में कहा भी है कि भाषाई विविधता को संरक्षित रखने में टेक्नोलॉजी की भूमिका है। ऐसी बोलियां, जिनकी सिर्फ मौखिक परंपरा रही है, उनको संरक्षित रखने में टेक्नोलॉजी सहायक हो सकती है।

नई शिक्षा नीति दूरदर्शी है, जो कम से कम कक्षा 5 तक शिक्षा का माध्यम मातृभाषा में रखने की वकालत करती है। वैसे मातृभाषा में शिक्षा तो कक्षा 8 तक या उससे भी आगे दी जानी चाहिए। नई शिक्षा नीति में जीवन मूल्यों, नैतिक शिक्षा और समावेशी शिक्षा पर विशेष बल दिया गया है। मातृभाषा के माध्यम में शिक्षा न केवल उसे समावेशी बनाएगी, बल्कि विषय को छात्रों के लिए सरल, सुग्राह्य भी बनाएगी। यह भी जरूरी है कि वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दों की भारतीय भाषाओं में भी सरल शब्दावली तैयार की जाए। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित, देश के प्रख्यात भौतिकशास्त्री सी वी रमन ने तो विज्ञान की शिक्षा मातृभाषाओं में दिए जाने की वकालत भी की थी, अन्यथा विज्ञान महज एक वर्ग विशेष तक सीमित रह जाएगा, जिसमें जनसाधारण की भागीदारी नहीं हो सकेगी। सी वी रमन की आशंका साकार होती प्रतीत हो रही है। हमने बड़ी संख्या में कॉलेज तो स्थापित किए हैं, जिनमें अंग्रेजी माध्यम में चिकित्सा और इंजीनियरिंग शिक्षा दी जा रही है, लेकिन उच्च शिक्षा का यह तंत्र हमारे देश के युवाओं के बड़े भाग की पहुंच के बाहर है। इसलिए जरूरी है कि विविध भाषाओं में उच्चतर शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। 2020 में एक सर्वे में 44 प्रतिशत विद्यार्थियों ने अपनी मातृभाषा में ही इंजीनियरिंग शिक्षा लेने का समर्थन किया था।

इसी क्रम में आईआईटी, मद्रास तथा एआईसीटीई के बीच सहयोग से 'स्वयं' के पाठ्यक्रमों का अनुवाद आठ भारतीय भाषाओं, हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, बंगाली, मराठी, मलयालम तथा गुजराती में किया जा रहा है। ऐसे ही तकनीक आधारित प्रयासों से उच्च शिक्षा लोकतांत्रिक बन सकेगी। इसी प्रकार एआईसीटीई द्वारा बी टेक शिक्षा को ग्यारह भारतीय भाषाओं में पढ़ाए जाने की स्वीकृति दिया जाना, ऐतिहासिक कदम है और नई शिक्षा नीति के उद्देश्यों के अनुरूप है। हमें हर भाषा को पूरा सम्मान देना ही चाहिए, लेकिन साथ ही इस खेदजनक तथ्य को भी नजरंदाज नहीं किया जा सकता कि कुछ शिक्षक और अभिभावक भारतीय भाषाओं में शिक्षा से अधिक अंग्रेजी शिक्षा को प्राथमिकता देते हैं। परिणामतः बच्चे अपनी मातृभाषा को पूरी तरह अंगीकार नहीं कर पाते हैं और अपनी सामाजिक-सांस्कृतिक जड़ों से कट जाते हैं।

भाषाई जनगणना के अनुसार, भारत की 19,500 बोलियों और भाषाओं में से 121 ऐसी हैं, जो अब 10,000 या उससे कम लोगों द्वारा बोली जाती हैं। यह हमारा दायित्व है कि हम उन 196 भारतीय भाषाओं को संरक्षित रखें, जो लुप्त होने के कगार पर हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

कविता

हम सभी कैद है

संगीता कुमारी
कवयित्री
@jagrukjanta.net

हम सभी कैद हैं
हम सभी कैदी हैं
कोई किसी कि आंखों में
कोई किसी के कैमरे में
कोई किसी के दिलो दिमाग में
आजादी की चाहत जिसे है
वो बचते कैद करने वाले विचारों से
भले वो पंक्षी है जो कैद होते
हैं निगाहों में
निगाह का कहीं ठहरना सरल नहीं
आकर्षण पाने के लिये
ब्यूटी पार्लर में जाना जरूरी नहीं
उन्मुक्त चहचहाते पंक्षी व प्रकृति
बहुत खुबसूरत दिखते हैं
आंखों के कैमरे या मोबाईल
में कैद करें
फिर भी दिलो दिमाग में कैदी बन
रहते हैं...

(लेखिका बुलंदशहर से है)

ओपिनियन

शादी की सही उम्र क्यों न महिलाएं खुद तय करें

माधवी गोराडिया
अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल, सुप्रीम कोर्ट
@jagrukjanta.net

बरसों पहले अजंता घड़ी के मालिकों ने मोरबी (सौराष्ट्र) की अपनी निर्माण इकाइयों में बड़े पैमाने पर महिला कामगारों की भर्ती का फैसला किया। घड़ियों को बनाने में सटीकता की दरकार थी, और युवा महिलाओं की फुर्तीली उंगलियां इस काम के लिए अनुकूल भी थीं। मगर जब कर्मियों के रूप में महिलाओं की नियुक्ति पर विचार हो रहा था, तब इसका विरोध किया गया। दरअसल, उस समय तक ग्रामीण परिवार की युवतियां जीविकोपार्जन के लिए बाहर निकलने की आदी नहीं थीं। इसके अलावा, घर के बाहर उनको सुरक्षा की गारंटी कौन देता? अजंता ने उनके आने-जाने की व्यवस्था करके इस समस्या का समाधान कर दिया। जाहिर है, यह एक अनूठा मॉडल था, जिसने ग्रामीण और छोटे शहरों की महिलाओं को आर्थिक आजादी दी। बदलते समय के साथ, लड़कियां अपनी शादी के लिए जरूरी पैसे भी जुटाने लगीं। बाल विवाह रोकथाम अधिनियम, 2006 के तहत महिलाओं की विवाह योग्य आयु 18 वर्ष से बढ़ाकर अब 21 साल करने संबंधी प्रस्ताव का भी कुछ तबकों ने आश्चर्यजनक रूप से विरोध किया है। जबकि, प्रस्तावित संशोधन महिलाओं के लिए समानता व अवसर सुनिश्चित करता है, जिसकी गारंटी हमारा संविधान भी देता है।

प्रस्तावित संशोधन युवा महिलाओं को शादी और मातृत्व की जिम्मेदारियां ओढ़ने से पहले हाई स्कूल से आगे की पढ़ाई करने, डिग्री या व्यावसायिक कौशल हासिल करने आदि में सक्षम बनाता है। मौजूदा कानून वाकई भेदभावपूर्ण है। इसमें लड़के की तो 21 साल में, पर लड़कियों की शादी 18 साल में हो सकती है। ऐसे प्रावधान पितृसत्तात्मक मान्यताओं का पोषक करते दिखते हैं कि पुरुष चूंकि भरण-पोषण करने वाला होता है, इसलिए पत्नी का साथ निभाने के लिए उसकी उम्र ज्यादा होनी चाहिए। यह इस मिथक को भी कायम रखता है कि लड़कियों की जल्द शादी कर देनी चाहिए, ताकि माता-पिता जिम्मेदारी से मुक्त हो सकें। लिहाजा, विवाह की उम्र-सीमा 21 वर्ष करना महत्वपूर्ण है। वैसे भी, बच्चे आमतौर पर 18 साल में अपना स्कूली जीवन पूरा करते हैं और कॉलेज में दाखिले की पात्रता हासिल करते हैं। 18 साल में ब्याह दी गई लड़की बमुश्किल स्कूली शिक्षा पूरा कर पाती है। इससे उच्च शिक्षा पाने की उसकी उम्मीदें दम तोड़ देती हैं। बाद के वर्षों में अधूरी शिक्षा की इस लड़ी को फिर से जोड़ना मुश्किल होता है। इसके बनिस्बत, पुरुष डिग्री हासिल कर सकते हैं, कौशल पा सकते हैं और आर्थिक रूप से स्वतंत्र भी हो सकते हैं। इस प्रस्ताव के विरोधी तर्क देते हैं कि अगर 18 साल की उम्र में मत डाले जा सकते हैं, तो क्या शादी नहीं की जा सकती? मगर तथ्य तो यह है कि 18 साल की उम्र में पुरुष भी बेशक वोट डाल सकते हैं, ड्राइविंग लाइसेंस पा सकते हैं, लेकिन शादी नहीं कर सकते। 1978 के बाद से लड़कों के लिए शादी की उम्र 21 साल निर्धारित है। तो क्या पुरुषों को 18 साल की उम्र में शादी की अनुमति देने के लिए 21 साल की उम्र-सीमा को कम कर देना चाहिए? निस्संदेह यह समानता बढ़ाएगा और महिलाओं व पुरुषों को बराबर रखेगा। मगर ऐसे किसी कदम के दूरगामी दुष्प्रभाव हो सकते हैं, क्योंकि इससे उच्च शिक्षा पाने की लड़के और लड़कियों की उम्मीदें जमींदोज हो सकती हैं। हम मताधिकार की उम्र-सीमा या गाड़ी चलाने के अधिकार की तुलना विवाह या पितृत्व से नहीं कर सकते। यह गलत होगा। विवाह तो एक सामाजिक संस्था है, जो दीर्घावधि की प्रतिबद्धता और जिम्मेदारियों की मांग करती है। यदि महिलाओं को भी पुरुषों के समान डिग्री या कौशल हासिल करने का मौका मिले, तो वे घर के भीतर और बाहर, दोनों जगह काफी सशक्त साबित होंगी। यह सोच बेबुनियाद है कि प्रस्तावित संशोधन अविवाहित बेटी को अधिक समय तक घर का बोझ समझने की मानसिकता बढ़ाएगा। इसका अनुकरणीय उदाहरण अजंता घड़ी है। मैं हमेशा सोचती हूं कि लोग बेटे को लेकर इतने आग्रही क्यों होते हैं? कहा जाता है कि बेटे परिवार की विरासत को आगे बढ़ाते हैं और आर्थिक रूप से घर संभालते हैं। तो क्यों न यह मौका बेटियों को भी दिया जाए? उनको भी बराबर का मौका मिलना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि वे निराश नहीं करेंगी, बल्कि वे बेटों से कहीं ज्यादा काबिल साबित होंगी।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज ।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

साध्य भक्तिः संस्कारों से अथवा साधन भक्ति करते-करते भगवान में प्रेम हो जाता है। भगवान की मूर्ति एवं प्रतिकों में साक्षात् भगवान का स्वरूप मानकर भजन सेवा आदि करना तथा भगवान से एकत्व मानना साध्य भक्ति है। साधन भक्ति वैधी भक्ति है। साध्य भक्ति को रागानुगा प्रेम लक्षणा अथवा परा भक्ति कहते है। रामानुगा भक्ति में पाँच प्रकार के रस अथवा भावों की प्रधानता है। ये पांच रस है। शांत रस, दास्य रस, सख्य रस, वात्सलय रस तथा माधुर्य रस। जब जीव का भगवान से किसी भी भाव में संयोग होता है, एक अनवर्चनीय रस की अनुभूति होती है। भगवान से सम्बन्ध बना लेना ही रागानुराग भक्ति है। सांसारिक संबंधों अथवा विषयों में जो रस है, वह तो रस का अभाष मात्र-रसाभाव है। वास्तविक रस तो भगवान से सच्चे प्रेम में है, जिसे भक्तों के सम्प्रदाय भक्ति रस कहते हैं।

शान्त रस- सगुण साकार भगवान के किसी स्वरूप की अनुभूति करना शान्त रस है। भगवान सच्चिदानन्द घन है, वे सर्वदा अपने आप में ही स्थित रहते हैं। वे समस्त शक्तियों के एक मात्र केन्द्र है, वे सबके एकमात्र नियामक है, वे सबके कर्ता भर्ता, संहर्ता है। सबके हृदय में अन्तर्मायी रूप में स्थित है, वे सर्वव्यापक है। भगवान ही अपने इष्टदेव है, इस प्रकार की भक्ति शांत भाव की भक्ति है। शांत भाव का भक्त तत्व ज्ञानी होते हुए भी भगवान की रूप माधुरी पर मुग्ध होकर आत्मसुख का भी परित्याग कर देता है। शांत रस क आधारभूता है-स्थायि। भाव की शांति रति। शांति का अर्थ शम है। **क्रमशः**

जागरूक Selfie विद डॉटर

पुष्टि डॉटर किरण-विशाल नन्दवाना, कपासन

झलक : जुल्मों से जूझती नारी

तुषार पुरोहित
पत्रकार
@jagrukjanta.net

कवियों ने। ऋषियों ने। समाज वेताओं ने। नारी को अपने-अपने नजरिये से देखा। किसी ने उसे शक्ति स्वरूपा कहा। किसी ने कुदरत का नायब तोहफा।

भारतीय सांस्कृतिक प्रवाह में मनु और श्रद्धा, आदम और हब्बा, शिव शक्ति व नर नारीश्वर एव अर्द्धनारीश्वर के मिथक। नारी की अहमियत, उसकी वरेण्य भूमिका। सती, साध्वी भव प्रीता, भगवती और जगदंबा।

नारी के गरिमामयी स्वरूप। उसे त्याग और बलिदान की मूरत कहा गया। महालक्ष्मी, महाकाली और महासरस्वती इन त्रिदेवियों के रूप में वह त्रैलोक्य में पूज्य और महिमामयी। उसके महा त्रिपुर सुंदरी स्वरूप की देव दानव, और मानव सभी त्रिवर्ग में प्रतिष्ठा। उसकी

आह्लादकारिणी शक्ति ब्रह्मांड भुवन में गीति प्रीति का सबब बनी।

-"निज मुख निपटाया कान्हा ने, ग्वालिन का वह नवनीत धन्य।
जो बना सृष्टि का आदि पर्व, वह राधा माधव गीत धन्य।।"

और अब जरा तस्वीर के दूसरे पहलू को भी देखें। कृत युग से लेकर आज तक नारी पर हुए जुल्मों का पूरा हिसाब करें, तो शायद सातों पाताल सिहर जाये। सातों आसमान सुलग उठे। या कि पीड़ा के आंसुओं से सातों समंदर छलक जाये।

सतवादी राजा हरिश्चंद्र। पत्नी तारावती। सत के खातिर चौहट पर बिकी। अपने मृत पुत्र राहुल के लिए हाथ भर कफन को तरस गई। अग्नि परीक्षा देते सीता, धरती में समा गयी। अपने दम्भी पिता प्रजापति दक्ष के दम्भ युक्त शिव द्रोह की आंच में पुत्री सती को हवन कुंड में कूद जाना पड़ा।

उसके शव के अंग बावन शक्तिपीठों नींव बने।

पति के झूठे दर्प और हठका दण्ड मंदोदरी व गांधारी ने भुगता। युद्ध में उनके सौ सौ पुत्र मारे गये। गौतम पत्नी अहिल्या का इंद्र के साथ जार का लांछन उसे प्रस्तर बनने को विवश कर गया। लोक लज्जा के खातिर कुंती ने पुत्र कर्ण को नंद लहरी में बहा दिया। दौपति का अपमान। पन्नाधाय का बलिदान। या रानी लक्ष्मीबाई का वीरता भरा आख्यान। सभी की तह में कोई जुल्म अवश्य है।

नारी पर हुए सितमों का हिसाब कहीं हो न हो। किंतु आज भी जुल्मों से जूझती नजर आती है।

"किसने न किया खुदाई नूर का जमकर बखान।
तू ही मूरत बलिदान की तू कुदरत की शान।
उलझे दकियानूसी में यूं मासूम जज्बात।
निभाया खूब जमाने ने दोजख बना जहान।।

पहले तो लड़की की आमद से ही इनकार। फिर भ्रूण हत्या से से बची तो बेटी बेटों का भेदभाव।

आगे बालिका वधू का अभिशाप। जलाया कभी सती प्रथा ने उसका जिस्म। तो नोचा कभी उस अस्मत के लुटेरों ने। रवायतों के नाम बघारी दुश्मनी, धर्म और महजब के ठेकेदारों ने। जो कुल कन्या को भी कभी देवदासी, कभी कोठे वाली बाई, तो कभी नगरवधू के खिताबों से नवाजा। उस पर परदा, दहेज, तलाक, हिजाब, और जाने क्या-क्या पाबंदियां फरमायी गयी। कि शायद की आत्मा रो उठी-

औरत ने जनम दिया मरदों को, मरदों ने उसे बाजार दिया
जब जी चाहा मसला कुछला, ना जब जी चाहा दुतकार दिया।।
नारी जीवन झूले की तरह।
इस पार कभी उस पार कभी।।
नारी जीवन हाय तुम्हारी यही कहानी।
आंचल में है दूध और आंखों में पानी।।

दूसरी तरफ शराफत की चौपाल पर खूबसूरत नारे टांग दिये गये- बेटी बचाओ। बेटी पढ़ाओ। वाह क्या खूब। कुछ यूह भी लिख जाते न कि बेटियों का जीना करो दुश्वार। दामितियो पर दिखाओ सामूहिक दरिंदगी।

"हंसरत यूं हवस की दरिंदगी में बदल जाती।
इस हिमाकत से बदल क्या रूह भी दहल जाती।।
लहमो की जुर्रत को न कहिए सिर्फ छोड़ छाड, हैवानियत ये पूरे वजूद को निगल जाती।

जिस देश में गंगा बहती। कहने वालों को फिर हो न हो। यहां मासूम हुस्न की तिजारत भी होती। सितममारो की भी कमी तो नही।

"- थी खुशियों भी तेरे दम पर सिर्फ गमी तो नहीं।
ठुकराया करम ने आरजू मगर थमी तो नहीं।।
न फेर इस कदर हम पर से नजर हमननवाजी की।
तलबगार तेरी मुरव्वत के एक हमी तो नहीं।

तो यह झलक उस जुझारू नारी के नाम जिसे अपने हकों के लिए लड़ना आ गया।

"सैयादी जुल्मों को परिंदे अब सहेंगे नहीं।
सफीने जलालतों की मौजो पर बहेगे नहीं।
लड़ेंगे ताउम्र हम यूं अपने हकों के खातिर
बांदी बन कर बनकर हजूरी में तेरी हम रहेंगे नहीं"
अस्तु.....।

- तुषार 'निरपेक्ष'

हमे लिखे

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

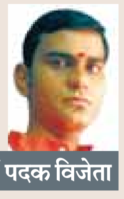

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री
अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 23/02/2022

सूर्योदय : 07:00 **सूर्यास्त :** 18:13 **चन्द्रोदय :** 00:01 **चन्द्रास्त :** 10:54 **शक सम्वत :** 1943 पलवा **अमान्ता महीना :** माघ **पूर्णिमांत :** फाल्गुन **सूर्य राशि :** कुम्भ **चन्द्र राशि :** तुला **पक्ष :** कृष्ण **तिथि :** सप्तमी, 16:55 तक **वार :** बुधवार **शक सम्वत :** 1943 प्लव **चन्द्रमास : फाल्गुन -** पूर्णिमान्त, माघ - अमान्त **विक्रम सम्वत :** 2078 आनन्द **गुजराती सम्वत :** 2078 प्रमादी **द्रिक ऋतु :** वसन्त **द्रिक अयन :** उत्तरायण **वैदिक अयन :** उत्तरायण

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : विशाखा, 14:33 तक
योग : ध्रुव, 08:20 तक
प्रथम करण : बावा, 16:55 तक
द्वितिय करण : बालवा, 28:02 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त : 05:12 ए एम से
प्रातः सन्ध्या : 05:37 ए एम से
विजय मुहूर्त : 02:29 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त : 06:05 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या : 06:17 पी एम से
अमृत काल : 03:37 ए एम, फरवरी 24 से
निशिता मुहूर्त : 12:09 ए एम
सर्वार्थ सिद्धि योग : 02:41 पी एम से
अमृत सिद्धि योग : 02:41 पी एम से
रवि योग : 06:52 ए एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुतिः गुरू
अग्निवास : पृथ्वी

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
लाभ : 06:59 - 08:23	उद्वेग : 06:12 - 07:48
अमृत : 08:23 - 09:47	शुभ : 07:48 - 09:23
काल काल वेला : 09:47 - 11:11	अमृत : 09:23 - 10:59
शुभ : 11:11 - 12:35	चार : 10:59 - 12:35
रोग वार वेला : 12:35 - 02:00	रोग : 12:35 - 02:11
उद्वेग : 02:00 - 03:24	काल : 02:11 - 03:46
चार : 03:24 - 04:48	लाभ : 03:46 - 05:22
लाभ : 04:48 - 06:12	उद्वेग : 05:22 - 06:58

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज सप्तमी

आज कौन सा कार्य करें

राज संबंधी कार्य (सरकारी कार्य), व्रतबंध, प्रतिष्ठा, विवाह, यात्रा, भूषणादि के लिए शुभ होते हैं। यात्रा, शिल्प, चूड़ा कर्म, अन्नप्राशन व गृह प्रवेश शुभ है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

फाल्गुन, कृष्ण, सप्तमी, 2078 बुधवार, 23 फरवरी - 1 मार्च, 2022

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
उच्च शिक्षा प्राप्त करने की दिशा में सफलता मिलेगी। प्रेम संबंधों के लिए भी दिन बेहतर है। जिनकी शादी हो चुकी है, उनके दांपत्य जीवन में कुछ समस्याएं रह सकती हैं।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
निजी जीवन के लिए दिन अनुकूल है। परिवार के साथ समय बिताएंगे। परिवार का सहयोग भी काम में मिलेगा और पेशेवर जीवन में भी अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। खर्च काफी अधिक रह सकते हैं।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
जीवनसाथी का सहयोग मिलेगी। आपके काम में उम्मीदें जागेंगी। पारिवारिक जीवन में भी परिजनों का सहयोग आपको प्राप्त होगा। यात्राओं पर जाने के लिए समय अनुकूल नहीं है। झगड़े से बचना चाहिए।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
मान सम्मान में बढ़ोतरी होगी। धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। कार्य क्षेत्र में स्थिति सामान्य रहेगी। पारिवारिक जीवन का तनाव आप पर हावी हो सकता है, इससे बचने का प्रयास करें।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
परिवार वालों का पूरा सहयोग मिलेगा। माँ जी से आपको सुख मिलेगा और उनसे धन लाभ हो सकता है। कार्यक्षेत्र में स्थितियां अच्छी रहेंगी। आपके ट्रांसफर के योग बनेंगे।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
लाभ होगा, मानसिक खुशी होगी। प्रेम जीवन में सफलता का दिन है। सुकून भरे पल बिताएंगे और जो लोग शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, उनका पढ़ाई में मन लगेगा। शादीशुदा हैं तो संतान का सुख मिलेगा।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
इस दौरान खर्चे भी काफी अधिक रहेंगे, जिन पर नियंत्रण रखना आपके लिए आवश्यक होगा। दांपत्य जीवन में तनाव रह सकता है, जिससे बचने का प्रयास करना आवश्यक होगा।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
निवेश किए गए धन से लाभ होगा। शिक्षा में रुकावट का समय खत्म होगा। यदि आप शादीशुदा हैं तो संतान को सुख की प्राप्ति होगी। शुभ यात्रा का संयोग बन सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
कार्यस्थल पर आपका काम आपके लिए कोई खुशखबरी लेकर आ सकता है। यदि किसी से प्रेम करते हैं तो आज उनसे मन की बात कह सकते हैं। मान सम्मान बढ़ेगा तथा प्रेम संबंध अनुकूल होंगे।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिवार से कोई दूर यात्रा पर जा सकता है। धार्मिक क्रियाकलापों में मन लगेगा। ऑफिस में मन कम लगेगा। काम से जी चुराने के योग बन रहे हैं, इसलिए थोड़ा ध्यान दें। पारिवारिक जीवन शांतिपूर्ण रहेगा।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
किसी छोटी यात्रा पर जाने से मन भी प्रसन्न होगा और आपको कुछ नए सौदे मिलने की उम्मीद होगी, जिससे आपका व्यापार गति पकड़ेगा। इनकम में बढ़ोतरी होगी। खर्चों का बोझ भी आप पर रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
कार्यक्षेत्र में काम पर ही फोकस करें अन्यथा स्थिति बिगड़ सकती है। पारिवारिक जीवन बढ़िया रहेगा और माता पिता का सुख मिलेगा। स्वास्थ्य थोड़ा कमजोर रहने की संभावना है।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

मनमानी पर रोक: मेडिकल पढ़ाई करने की चाह रखने वाले स्टूडेंट्स के लिए बड़ी राहत

प्रदेश सरकार तय करेगी निजी मेडिकल यूनिवर्सिटी की फीस

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश की निजी मेडिकल यूनिवर्सिटीज अब स्टूडेंट से मनमानी फीस नहीं वसूल सकेंगे। क्योंकि, अब प्रदेश सरकार इनकी फीस निर्धारित करेगी। और यह होगा 'द राजस्थान प्राइवेट मेडिकल इंस्टीट्यूशन फिक्सेशन ऑफ फी बिल-2021' के जरिए, सरकार जल्द ही यह बिल लाने जा रही है। चिकित्सा शिक्षा विभाग बिल का ड्राफ्ट जारी कर चुका है। माना जा रहा है कि इसी विधानसभा सत्र में गहलोत सरकार निजी मेडिकल यूनिवर्सिटीज की मनमानी रोकने वाला यह बिल पेश कर सकती है। वैसे तो इस प्रस्तावित बिल को लेकर अभी तक किसी प्राइवेट मेडिकल यूनिवर्सिटी ने कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई है, लेकिन मेडिकल सेक्टर से जुड़े लोगों में इसे लेकर खलबली जरूर है। सरकार का इस को बिल को लाने का मकसद है मेडिकल एजुकेशन इंस्टीट्यूट्स मुनाफाखोरी के लिए काम न करें।

हाईकोर्ट जज की अध्यक्षता में गठित कमेटी करेगी अब फीस का निर्धारण

प्रदेश में मौजूद सभी निजी मेडिकल यूनिवर्सिटी से जुड़े निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस और अन्य कोर्सेज के लिए ड्राफ्ट तैयार किया गया है। इन कोर्सेज में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स की फीस का निर्धारण हाईकोर्ट के जज की अध्यक्षता में गठित कमेटी द्वारा किया जाएगा। अभी तक निजी मेडिकल यूनिर्विसिटी के कॉलेजों में फीस निर्धारित करने का प्रावधान यूनिवर्सिटी के पास ही होता था। इस वजह से अलग-अलग यूनिवर्सिटी में अलग-अलग फीस स्ट्रक्चर होता है, लेकिन इस बिल के जरिए सभी मेडिकल कॉलेजों में फीस निर्धारण का कॉमन मैकेनिज्म बनाया जाएगा।

ये 6 यूनिवर्सिटी कराती हैं प्रदेश में मेडिकल कोर्स

- जेएनयू इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर
- महात्मा गांधी मेडिकल यूनिवर्सिटी
- निम्स मेडिकल यूनिवर्सिटी
- गीतांजली मेडिकल यूनिवर्सिटी
- पेसिफिक मेडिकल यूनिवर्सिटी
- टांटिया मेडिकल यूनिवर्सिटी

दूसरे राज्यों की फीस निर्धारण प्रक्रिया का भी अध्ययन किया

ड्राफ्ट जारी करने से पहले दूसरे राज्यों में फीस निर्धारण प्रक्रिया का भी अध्ययन किया है। फीस निर्धारण के लिए हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया जाएगा। इस कमेटी में आरयूएचएस के वीसी, सरकारी मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल और एक चार्टर्ड अकाउटेंट को सदस्य बनाया जाएगा।
-वैभव गालरिया, चिकित्सा शिक्षा सचिव

6-10वीं के विज्ञान का सिलेबस आसान भाषा में पॉडकास्ट पर

पॉडकास्ट से पढ़ाई के पायलट प्रोजेक्ट का नतीजा अच्छा, लाखों छात्रों को फायदा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। अक्सर सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को साइंस में जटिलताओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में राज्य के साइंस एंड टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट का स्कूलिंग पॉडकास्ट प्रोजेक्ट एक राहतभरी खबर लेकर आया है। पॉडकास्ट के जरिए राज्य की कक्षा 6 से 10वीं तक के विज्ञान विषय का पाठ्यक्रम हिंदी व अंग्रेजी भाषा में उपलब्ध होगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से कक्षा 6 से 10वीं तक के विज्ञान विषय के पाठ्यक्रम को सरल भाषा में एक निश्चित समय सीमा में छात्रों को पढ़ा दिया जाएगा। वर्तमान में कक्षा 6 के साइंस के 16 चैप्टर्स को ऑडियो फॉर्मेट में रिकॉर्ड किया जा चुका है। जयपुर के चतरपुरा सरकारी स्कूल जहां इंटरनेट कनेक्टिविटी कमजोर है, वहां इस प्रोजेक्ट को पायलट मोड पर स्पीकर के जरिए आजमाया गया। इसका नतीजा अच्छा रहा। सकारात्मक फीडबैक के बाद अब इस प्रोजेक्ट का विस्तार किया जाएगा और लाखों स्टूडेंट्स तक ऑडियो स्ट्रीमिंग सॉफ्टवेयर के जरिए पहुंचाया जाएगा। सबसे अहम बात यह है कि जहां कई एडटेक कंपनियां इसके लिए पैसे ले रहीं है वहीं इस प्रोजेक्ट के जरिए छात्रों को निशुल्क लाभ मिलेगा।

ऐसे मिलेगा छात्रों को लाभ

- पाठ्यक्रम को बिना किताबों के सुनकर ही समझा जा सकता है।
- दूर-दराज, आदिवासी क्षेत्रों और पश्चिमी राजस्थान के छात्र भी लाभान्वित होंगे।
- कमजोर इंटरनेट बैंडविड्थ वाले इलाकों में भी छात्रों को मिलेगा लाभ।
- सभी चैप्टर्स के पॉडकास्ट विभाग के सोशल मीडिया द्वारा ऑनलाइन लिंक के माध्यम से उपलब्ध कराए जाएंगे।
- दिए गए लिंक से छात्र प्रश्न-उत्तर को भी डाउनलोड कर पाएंगे।

जिस प्रकार रेडियो के माध्यम से न्यूज, साइंस क्विज आदि कार्यक्रमों का प्रसारण होता है, उसी तरह से आज की टेक्नोलॉजी के बदलते स्वरूप का उपयोग करते हुए डिपार्टमेंट ने अपनी पहुंच छात्रों में बढ़ाने के लिए डीएसटी होम स्कूलिंग पॉडकास्ट की शुरूआत की है। पॉडकास्ट से वे सभी छात्र लाभान्वित होंगे जो स्कूली शिक्षा से जुड़े हुए हैं या फिर किन्हीं कारणों से स्कूली शिक्षा से नहीं जुड़ पाए हैं।
- मुग्धा सिन्हा, सचिव एवं कमिश्नर,साइंस एंड टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट

जेलों में अब कैदियों से मिल सकेंगे परिजन

कोरोना के चलते बंद थी मुलाकात, वैक्सीन की दोनो डोज होंगी जरूरी

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रदेश में कोरोना संकट के चलते जेलों में बंदियों से मुलाकात पर लगाई गई रोक हट गई है। बंदियों के परिजन उनसे नियमों के मुताबिक मुलाकात कर सकेंगे। डीजी जेल भूपेंद कुमार दक ने इस संबंध में बीते दिनों आदेश जारी किए हैं। आदेशों के मुताबिक परिजन, मित्र और वकील बंदियों से मुलाकात कर सकेंगे। बंदियों की ये मुलाकात कोविड गाइडलाइन की पालना करते हुए हो सकेंगी। प्रदेश में जेलों में बंद विचाराधीन बंदियों को 15 दिन में एक बार और सजायाफ्ता बंदियों को महिने में एक बार मुलाकात करवाई जाएगी। बंदी से मुलाकात के लिए आने वाले लोगों को कोविड वैक्सीन की दोनों डोज लगी होना अनिवार्य होगा। मुलाकात के समय इसका प्रमाण पत्र दिखाना होगा। नियम के मुताबिक एक बार में एक ही परिजन मिल सकेगा और मुलाकात का समय 15 मिनट का होगा। मुलाकात के समय बंदी और परिजन मास्क लगाएंगे। मुलाकात कक्ष और उपकरण प्रत्येक मुलाकात के बाद सैनेटाइज किए जाएंगे। इसके अलावा बंदियों को फोन और वीडियो कॉलिंग की सुविधा जारी रहेगी।

उच्च शिक्षा में लड़कियां: प्रदेश के 11 जिलों की अभी भी स्थिति खराब

उच्च शिक्षा में 100 छात्रों पर 107 छात्राएं

झुंझुनूं अव्वल तो नागौर सबसे फिसड्डी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में उच्च शिक्षा के मामले में 100 छात्रों पर 107 छात्राएं होना एक सुखद पहलू है, लेकिन इसका दूसरा पहलू ये भी है कि अभी तक 11 जिले ऐसे हैं जहां छात्राओं की संख्या छात्रों के मुकाबले बेहद कम है। इन जिलों में बाड़मेर, भरतपुर, बीकानेर, धौलपुर, जैसलमेर, जालोर, कोटा, नागौर, पाली, सिरोही, टोंक शामिल हैं। नागौर में तो छात्रों से 8724 कम छात्राओं का नामांकन हुआ है। वहीं झुंझुनूं में छात्रों के मुकाबले 19 हजार ज्यादा लड़कियां यूजी-पीजी में पढ़ रही हैं। गौरतलब है कि प्रदेश के करीब 2 हजार कॉलेजों में यूजी-पीजी करने वाले 13,02,485 छात्र-छात्राएं हैं। इनमें 6,29,091 छात्र और 6,73,394 छात्राएं हैं। प्रदेश में 80 सरकारी और 500 प्राइवेट गर्ल्स कॉलेज हैं।

झुंझुनूं में लड़कों से 19 हजार लड़कियां ज्यादा, वहीं नागौर में 8724 लड़कियां कम पढ़ रहीं हैं

झुंझुनूं जिले में उच्च शिक्षा में लड़कों से 19,083 ज्यादा लड़कियां यूजी-पीजी कर रही हैं। यहां 30369 लड़के व 49452 लड़कियां हैं। इसके बाद उदयपुर में 6858 और अलवर में लड़कों से 6502 लड़कियां ज्यादा हैं। जयपुर में 4869 ज्यादा लड़कियां हैं। वहीं नागौर जिला सबसे पीछे है। यहां लड़कों के मुकाबले 8724 कम लड़कियां पढ़ रही हैं। बाड़मेर में छात्रों से 5819 और जालोर में 5390 कम लड़कियां उच्च शिक्षा ले रही हैं।

जिन जिलों में छात्राओं का नामांकन कम है वहां की स्थितियों की समीक्षा करके नामांकन बढ़ाने के प्रयास किए जाएंगे। छात्राओं के लिए 32 नए कॉलेज खुले हैं, योजनाएं भी चलाई जा रही हैं। निश्चित ही इन जिलों में भी नामांकन बढ़ेगा।
-शुचि त्यागी, आयुक्त कॉलेज शिक्षा विभाग

विधान सभा का आईओएस मोबाइल एप लांच

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान विधान सभा के सचिव महावीर प्रसाद शर्मा ने मंगलवार को यहां विधानसभा में बटन दबा कर विधान सभा का आईओएस (आईफोन ऑपरेटिंग सिस्टम) आधारित मोबाइल एप लॉच किया। उल्लेखनीय है कि विधानसभा का एन्ड्राइड आधारित मोबाइल एप पूर्व में संचालित है। आईफोन ऑपरेटिंग सिस्टम उपकरण धारक उपयोगकर्ताओं की सुविधा के लिए यह एप जारी किया गया है। विधान सभा के इस एप में प्रश्न, प्रस्ताव, विधेयक, कार्यसूची, सत्र समीक्षा, बजट भाषण, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण, सदन की कार्यवाही के विवरण सहित विधानसभा के सदस्यों के उपयोग हेतु प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली व समाचार कतरनें भी उपलब्ध रहेंगी। इस एप में महत्त्वपूर्ण व्यक्तियों के जीवन परिचय भी उपलब्ध होंगे। शर्मा ने बताया कि नवीनतम तकनीक में अग्रणी राजस्थान विधान सभा द्वारा राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र के सहयोग से विकसित इस एप में विधान सभा के कार्य से सम्बन्धित नवीनतम जानकारी उपलब्ध रहेगी। इस अवसर पर राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी जितेन्द्र कुमार वर्मा, विधानसभा के वरिष्ठ उप सचिव महेश चन्द्र शर्मा, मुख्य अन्वेषण एवं संदर्भ संग्रहण अधिकारी व कम्प्यूटीकरण के नोडल अधिकारी विनोद मिश्रा सहित विधान सभा सचिवालय तथा राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र के अधिकारी उपस्थित थे।

ANCHOR | **सुकन्या समृद्धि योजना**

4 लाख 70 हजार बेटियों को मिला सुकन्या समृद्धि का सहारा

पढ़ाई और शादी के लिए मिलेगा सम्बल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर/अजमेर। बेटियों के भविष्य के लिए चिंतित रहने वाले माता पिता के लिए सुकन्या समृद्धि योजना मददगार बनी हुई है। योजना के लाभ को देखते हुए बड़ी संख्या में अभिभावक बेटियों के लिए इस योजना में खाते खुलवा रहे हैं। इस योजना के तहत बेटी को पढ़ाई तथा विवाह दोनों अवसर पर धनराशि उपलब्ध होती है।राजस्थान दक्षिणी क्षेत्र ने क्षेत्राधीन सभी 13 जिलों में समय-समय पर विशेष अभियान चलाकर इस वर्ष में ही अब तक 4 लाख 70 हजार बेटियों के सुकन्या समृद्धि खाते खुलवाए हैं। अजमेर रीजन में जिसमें आज तक कुल 11 अरब रुपए इन खातों में जमा करवाए जा चुके हैं। केंद्र सरकार द्वारा वर्ष

2015 में चालू की गई योजना में 1 दिन से 10 साल तक की बच्चियों का खाता खोला जा सकता है।

7.6 प्रतिशत ब्याज दर, आयकर में भी छूट

इस योजना में 7.6 प्रतिशत की आकर्षक ब्याज दर मिलती है। खाते में 15 वर्ष तक रकम जमा कराई जा सकती है। खाते की परिपक्वता 21 वर्ष में होती है। खाता 250 रुपए से खोला जा सकता है और एक साल में अधिकतम 1.5 लाख रुपए जमा करवाई जा सकती। अगर बेटी की उम्र 18 साल की हो और उसकी पढाई के लिए पैसो की जरुरत हो तो इस खाते में जमा आधी रकम निकाली जा सकती है इसी तरह बेटी की शादी के लिए पूरी रकम निकाली जा सकती है। खाते में जमा कराई जा रही रकम पर इनकम टैक्स की धारा 80 सी में छूट भी मिलती है।

किस जिले में कितने खाते खुले

अजमेर जिले में इस योजना के तहत कुल 1 लाख 5740 सुकन्या खाते खोले गए। भीलवाडा में 53079, चित्तौडगढ़ में 37662, डूंगरपुर व बांसवाडा जिले में कुल 36035 सुकन्या खाते, कोटा, बारां और झालावाड जिले में कुल 88072 सुकन्या खाते, टोंक और बूंदी जिले में कुल 58031 सुकन्या खाते, उदयपुर और राजसमन्द जिले में कुल 90856 सुकन्या खाते अभी तक खोले जा चुके हैं । इन सभी खातों में अब तक 11 अरब रुपए खाताधारकों ने जमा करवाए हैं।

यह फायदा

एक साल में 250 न्यूनतम और ज्यादा से ज्यादा 1.5 लाख रुपए का होगा फायदा होगा। महीने में 3000 रूपए और साल में 36000 रूपए हो सकेंगे जमा। खाते की पूरी उम्र में 5 लाख 40 हजार जमा करेंगे और परिपक्वता पर 15 लाख 31 हजार मिलेंगे। खाता खोलने के लिए बेटी का जन्म प्रमाण पत्र, माता पिता का आधार कार्ड और पेन कार्ड की कॉपी, 2 फोटो और 250 रुपये या अधिक के जरिए किसी भी डाकघर में खाता खुलवाया जा सकता है।

योजना पोस्ट ऑफिस में ज्यादा प्रसिद्ध है। इसका गावों और शहरो में 1.5 लाख डाकघरों से फैला हुआ विस्तृत नेटवर्क है। अब कोर बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, इन्टरनेट बैंकिंग व आईपीपीबी के माध्यम से यह नेटवर्क और सुदृढ़ हो गया है। बेटियों के लिए सभी पोस्ट ऑफिस स्तर पर अभियान चलाए जाते हैं, पोस्टमैन भी घर -घर पर जाकर लोगो को इस योजना की जानकारी देते हैं।
कर्नल सुशील कुमार, पोस्टमास्टर जनरल, डाक विभाग, राजस्थान दक्षिणी क्षेत्र

जागरूक खबरें

मंत्री मीणा से जीरोता सेवा समिति की भेंट

सपोटरा @ जागरूक जनता। विस क्षेत्र सपोटरा से जीरोता सेवा समिति द्वारा ग्राम पंचायत जीरोता में उत्पन्न मूलभूत समस्याओ को लेकर सेकडो ग्राम वासियों के साथ रमेश मीणा पंचायत राजमंत्री से निजी आवास पर मुलाकात कर समस्या से अवगत करवाया। नर्सेज अध्यक्ष सोमसिंह मीणा ने बताया की विधानसभा क्षेत्र में सबसे बड़ी ग्राम पंचायत होने के वाबजूद चिकित्सा सुविधा का अभाव है। जिससे आपातकालीन स्थिति में जन को समय पर चिकित्सा सुविधा नहीं मिलने से मौत का सामना करना पड़ रहा है। उप स्वास्थ केंद्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोनत कर चिकित्सा सुविधा उपलब्धता की जाए एवं कृषि कार्यों हेतु 33 केवी जीएसएस सुविधा उपलब्धता करवाने के लिए एवं अन्य समस्या समाधान की मांग रखी। इस दौरान सरपंच गणेश मीणा सेवा, समिति अध्यक्ष भगवान सहाय गुप्ता, पूर्व समिति अध्यक्ष दुर्गा लाल मीणा, रामनरेश मीणा, राजकुमार किरोड़ी एवं अन्य वरिष्ठ ग्रामीण मौजूद रहे।

नवीन कृषि तकनीक की जानकारी लेने कृषक दल जयपुर के लिए रवाना

सीकर @ जागरूक जनता। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के सहायक महाप्रबंधक एम एल मीना ने बताया कि नाबार्ड द्वारा प्रायोजित सीकर जिले के 25 किसानों को तीन दिवसीय अन्तर जिला भ्रमण दल हेतु उपखंड अधिकारी एवं मजिस्ट्रेट सीकर गरिमा लाता, जिला रसद अधिकारी राजपाल यादव एवं अग्रणी जिला प्रबंधक तारा चंद परिहार ने कृषक भ्रमण दल को हरी झण्डी दिखाकर जयपुर के लिए रवाना किया। सहायक महाप्रबंधक नाबार्ड एम एल मीना ने बताया कि इस कृषक भ्रमण दल को भेजने का एक मात्र उद्देश्य समन्वित कृषि प्रणाली (इंटेग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम) के माध्यम से किसानों को उनके उत्पादन/उत्पादकता को बढ़ाने, संसाधनों के उपयोग को अनुकूलित करने और टिकाऊ खेती के माध्यम से बेहतर रिटर्न प्राप्त करने के उद्देश्य से नई तकनीक सीखने और अपनाने में सक्षम बनाने का हैं ताकि उनकी कृषि आय में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी हो सकें। एम एल मीना सहायक महाप्रबंधक ने बताया कि कृषकों का यह दल जयपुर जिले में स्थिति श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर, राजस्थान कृषि अनुसन्धान संस्थान दुर्गापुरा, इंटरनेशनल हॉर्टिकल्चर इनोवेशन एंड ट्रेनिंग सेंटर, मिनी इजराइल के नाम से विख्यात गुढ़ा कुमावतान, राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार से सम्मानित सुरेंद्र अवाना के कृषि फार्म, जीवन मशरुम एवं ट्रेनिंग केन्द्र, सनराइज मेडिसिनल प्लांट्स फार्म, लाइव मॉडल इंटीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम खोरा श्यामदास आदि संस्थानों का भ्रमण करेगा।

मेहंदीपुर बालाजी मंदिर में श्रद्धालु चढ़ा सकेंगे प्रसाद

डिब्बे में पैक बेसन के सवा किलो लड्डू व पतासे की लगेगी अर्जी, 2 साल बाद सभी प्रकार मिठाईयों का प्रसाद चढ़ाने की छूट

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

दौसा। सिद्धपीठ मेहंदीपुर बालाजी में कोरोना गाइडलाइन की पालना में बंद किया भोग-प्रसाद अब फिर से शुरू कर दिया गया है। श्रद्धालु करीब दो साल बाद अब बालाजी महाराज को फिर से अर्जी लगाने के साथ मनौती मांग सकेंगे। इसे लेकर मंदिर प्रबंधन ने दुकानदारों से चर्चा के बाद शनिवार से अर्जी, दरख्वास्त व चोला की बिक्री अनुमति दे दी है। ऐसे में श्रद्धालु अब भोग, प्रसाद, माला, मिठाई व चोला चढ़ा सकेंगे। दुकानदारों द्वारा श्रद्धालुओं को बेची जाने वाली प्रसादी में शुद्धता का विशेष ध्यान रखने की हिदायत भी दी गई है।

उड़द-चावल की अर्जी पर लगाई रोक

यहां बालाजी महाराज को श्रद्धालुओं द्वारा पूर्व में मनोकामना अर्जी के रूप में लड्डू, उडद व चावल की अर्जी लगाई जाती थी, जिसे अब पूरी तरह बंद कर दिया गया है। बदलते स्वरूप में अब बालाजी महाराज को शुद्ध वनस्पति घी निर्मित बेसन के सवा किलो लड्डू, 50 ग्राम पतासे का भोग डिब्बे की पैकिंग में लगाया जाएगा। यह अर्जी दोपहर 12 बजे तक ही लग सकेगी। इसके साथ ही चोले में चमेली तेल, अगरबत्ती, मिश्री, प्रसाद, नारियल, कपूर, इत्र, जनेऊ व सिन्दूर सहित अन्य मिठाइयों के भोग शुद्धता के साथ शाम तक लगा सकेंगे।

मिलावटी प्रसाद बेचने पर होगी कार्रवाई

बालाजी को चढ़ने वाली प्रसादी की शुद्धता की जांच के लिए व्यापारियों ने एक कमेटी का गठन किया गया है, जो कि भोग-प्रसाद की शुद्धता की जांच करेगी। मिलावटी प्रसाद बेचने वाले दुकानदार के खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी। मंदिर में प्रसाद चढ़ाने की अनुमति मिलते ही दुकानदारो के चेहरे खिल उठे, क्योंकि अब फिर से प्रसाद, अर्जी, भोग, फूल माला आदि की बिक्री हो सकेगी।

जयपुर सहित अजमेर व जोधपुर डिस्कॉम को मिले प्रबंध निदेशक

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सरकार ने जयपुर डिस्कॉम सहित जोधपुर व अजमेर डिस्कॉम में प्रबंध निदेशक लगा दिए है। जयपुर डिस्कॉम में अजीत सक्सैना को प्रबंध निदेशक लगाया गया है। वहीं जोधपुर डिस्कॉम में प्रमोद टांक को प्रबंध निदेशक की जिम्मेदारी दी गई है। जबकि अजमेर डिस्कॉम में एन.एस. निर्वाण को प्रबंध निदेशक लगाया है। उर्जा विभाग ने एक आदेश जारी कर इन्हें प्रबंध निदेशक बनाया है। जयपुर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक बनाए गए अजीत सक्सैना इससे पहले डायरेक्टर टैक्निकल रहे चुके है। अजमेर डिस्कॉम में एन.एस. निर्वाण को प्रबंध निदेशक की जिम्मेदारी दी गई है। निर्वाण अभी अक्षय उर्जा निगम में निदेशक तकनीकी के पद पर कार्यरत है। इन्हें एक साल के लिए अजमेर डिस्कॉम का प्रबंध निदेशक बनाया है। वहीं जोधपुर डिस्कॉम में प्रमोद टांक को प्रबंध निदेशक लगाया गया है। इन्हें भी एक साल के लिए नियुक्ति दी है।

जागरूक खबरें

10 वीं पुण्यतिथि पर 29 यूनिट रक्तदान

जयपुर @ जागरूक जनता। मुरलीपुरा-स्कीम, जमुनापुरी स्थित रोज बी.एड. कॉलेज में नवजागृति संस्थान, सांगानेर जयपुर के द्वारा स्वर्गीय गोविंद सहाय पारीक की 10 वीं पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । सर्वप्रथम परिवार द्वारा स्वर्गीय श्री गोविंद सहाय जी के तस्वीर पर माला चढ़ा अगरबत्ती कर पुष्पांजलि की गई इसके पश्चात रक्तदाताओं ने रक्तदान कर शिविर में भाग लिया। नव जागृति संस्थान संस्थापक विजय पारीक ने बताया कि आए हुए अतिथियों को सप्रेम मोमेंटो भेंट किए गए। कार्यक्रम संयोजक जेपी बुनकर ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान जिन रक्तदाताओं ने रक्तदान किया, उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं हेलमेट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी अनीता पारीक अरुणा टाक सुमन भटनागर वरिष्ट भाजपा सदस्य कान्हा राम खौवाल बीजेपी देहात मोर्चा महामंत्री, गिरधर शर्मा कस्टम अधिकारी, मनोज पारीक वरिष्ठ अध्यापक, कांता मेघवंशी, डॉ. निशा माथुर, कमलेश तिवारी, हरलाल बुनकर, नवरत्न वर्मा, भूतेश् बुनकर सरदार मल बुनकर विकास सैन आदि सामाजिक लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान डॉ. रामपाल ब्लड बैंक द्वारा 29 यूनिट रक्त संग्रहण किया गया। 100 बार प्लेटलेट्स दान करने वाले अभिषेक कुमार को सम्मानित किया गया।

राज्य की 52 हजार आशा सहयोगिनियों का बदलेगा विभाग

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रदेश की 52 हजार आशा सहयोगिनियों का प्रशासनिक नियंत्रण चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधीन होगा। चिकित्सा मंत्री परसादीलाल मीणा ने इसकी सहमति प्रदान कर दी है। सचिवालय में महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश के साथ हुई एक बैठक में यह निर्णय किया गया। इसमें दोनों विभागों के आला अधिकारी भी मौजूद थे। मीणा ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र के लाभार्थी एवं चिकित्सा विभाग के लाभार्थी समान होने के कारण यह सहमति दी गई है। उन्होंने बताया कि आशा सहयोगिनी को मानदेय आईसीडीएस विभाग की ओर से और इंसेंटिव चिकित्सा विभाग की ओर से दिया जा रहा है। विभाग के अधीन आने से ना केवल आशा सहयोगिनियों को समय पर मानदेय मिल पाएगा, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं में भी सुधार होगा। गौरतलब है कि प्रदेश में 55816 मुख्य व 6204 मिनी आंगनबाड़ी केंद्र स्वीकृत हैं, जिसमें से 55816 आशा सहयोगिनी के पद स्वीकृत हैं। इन स्वीकृत पदों में 52810 पदों पर आशा सहयोगिनी कार्यरत हैं। राजस्थान में आईसीडीएस के साथ सहयोगिनी के रूप में समन्वित पद करते हुए अतिरिक्त रुप से मानदेय का प्रावधान किया गया था। दोनों पदों की भूमिका एवं कार्यक्षेत्र एक समान होने के कारण आशा सहयोगिनी के रूप में नवीन पर पर सहमति दी गई थी। अब आशा सहयोगिनियों का प्रशासनिक नियंत्रण चिकित्सा विभाग के अधीन करने पर सहमति दे दी गई है। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रेया गुहा, चिकित्सा विभाग के सचिव आशुतोष एटी पेडणेकर, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ जितेंद्र कुमार सोनी, समेकित बाल विकास सेवाएं की आयुक्त उर्मिला राजोरिया सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्मोत्सव मनाया गया

चौमूं @ जागरूक जनता। शहर के चौपड़ में शिवाजी जयंती पर हिंदू रक्षक दल व अन्य हिन्दू संगठन के तत्वाधान में संपूर्ण भारत में हिंद स्वराज की स्थापना करने वाले महान पराक्रमी वीर योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्मोत्सव मनाया गया व शिवाजी महाराज की तस्वीर चित्र पर माल्यार्पण करके पुष्पांजलि अर्पित की गइ। हिंदू रक्षक दल के राजेश गोरा ने बताया कि छत्रपति शिवाजी महाराज 17 वर्ष की आयु में ही हिंद स्वराज की स्थापना के लिए निकल पड़े थे। समारोह में कानाराम निठारवाल, समीर चौधरी,नाना पंडित, भाजपा नेता श्याम शर्मा, सुरेश गोदारा, श्रवण सैनी, प्रतिपक्ष नेता शैलेंद्र चौधरी,युवा मोर्चा के शंकर गोरा राहुल योगी भूपेंद्र शर्मा अजय यादव अमित कुमावत अभिषेक चौहान नितिन सेन हरिनारायण सैनी आदि सैकड़ों संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

जिला स्तरीय युवा सम्मेलन सम्पन्न

जालोर @ जागरूक जनता। नेहरू युवा केन्द्र जालोर के तत्वावधान में सोमवार को श्री राजेन्द्र सूरि जैन कुंदन राजकीय महिला महाविद्यालय में जिला युवा सम्मलेन सम्पन्न हुआ जिसमें वक्ताओं ने वर्तमान समय में ज्वलंत विषयों यथा-महिला सशक्तिकरण, नशा मुक्ति अभियान, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, आत्मनिर्भर भारत आदि विषयों पर अपने विचार व्यक्त किये। जिला स्तरीय सम्मेलन में सहायक आचार्य डॉ. बंशीलाल दर्जी ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ विषय पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्र के निर्माण एवं प्रगति में बेटियाँ अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, उन्हें आगे बढ़ाने के लिए उचित मार्गदर्शन एवं मंच की आवश्यकता है। वर्तमान युग में महिलाएँ पुरूषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सहभागिता का सफल निर्वाह कर रही है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में राजस्थान भाषा में स्वरचित कविता " बेटी री अरज" कविता सुनाकर उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। डॉ. पीपाराम ने युवाओं को नशे से दूर रहने की नसीहत दी। डॉ. कविता ने महिला सशक्तिकरण विषय पर वर्तमान परिदृश्य में महिलाओं की स्थिति, दशा और दिशा पर अपने विचार व्यक्त किए। जिला खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र के प्रभारी रतनसिंह ने आत्मनिर्भर भारत पर अपनी बात रखते हुए युवाओं को अपना लक्ष्य निर्धारण कर समर्पित भाव से उस लक्ष्य के लिए डटे रहने की बात कही। एनसीसी कैडेट सार्जेंट भीमसिंह देवड़ा ने बेटी पर लिखी एक कविता का पाठ किया। कार्यक्रम के अंत में उप निदेशक किशनलाल जाट ने आमंत्रित अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। सम्मेलन में लेखा एंव कार्यक्रम सहायक अमित कुमार सचदेवा, नेहरू युवा केन्द्र के स्वयंसेवक हिमांशु कुमार राव, विशाल दवे, एनसीसी कैडेट्स रेखा कुमारी, शाहिना, भावना कुमारी, गुड़िया कँवर, योगिता कुमारी, भरत कुमार, भरत सिंह, प्रकाश कुमार, रामसिंह सहित महाविद्यालय एनएसएस की छात्राएँ मौजूद रही।

पख्तुन पठान कम्युनिटी की बैठक आयोजित

निम्बाहेड़ा @ जागरूक जनता। निम्बाहेड़ा एवं सादल खेड़ा पख्तुन पठान कम्युनिटी की बैठक हुई। जिसमे निम्बाहेड़ा सादल खेड़ा क्षेत्र के पठान कम्युनिटी के कार्यकर्ताओ ने शिरकत कर जिला स्तरीय कमेटी बनाने और कम्युनिटी के विस्तार को लेकर चर्चा की। बैठक की अध्यक्षता जनाब छोटू खान,पंचायत सिमिति सदस्य एवं वकील खान के मुख्य अथिति थे। बैठक में रईस पठान, युसूफ खान जई, रफीक पठान, तुर्फेल खान, अकील पठान, अशफाक खान पठान, राजू पठान, शकील खान, अमजद खां, वकील खां, शकील भाई, महेबूब खां पठान एवं डॉ. शकील खान पठान शमशेर पठान सभी सदस्य उपस्थित थे।

मोदी ने कहा- डिजिटल यूनिवर्सिटी से खत्म हो जाएगी कॉलेजों में सीट की कमी की समस्या

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को केंद्रीय बजट 2022-23 के कार्यान्वयन पर शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित एक वेबिनार को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने बजट 2022 का शिक्षा क्षेत्र पर सकारात्मक प्रभाव को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी देश के भविष्य की कर्णधार है। आज की युवा पीढ़ी को सशक्त करने का मतलब है भारत के भविष्य को सशक्त करना है। उन्होंने 2022 के बजट में शिक्षा क्षेत्र में ज़ोर दिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज विश्व मातृभाषा दिवस भी है। मातृभाषा में शिक्षा बच्चों के मानसिक विकास से जुड़ी है। अनेक राज्यों में स्थानीय भाषाओं में मेडिकल और टेक्निकल एजुकेशन की पढ़ाई शुरू हो चुकी है।

वन क्लास वन चैनल

डिजिटल यूनिवर्सिटी पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ई-विद्या हो, वन क्लास वन चैनल हो, डिजिटल लैब्स हों, डिजिटल यूनिवर्सिटी हो, ऐसा एजुकेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर युवाओं को बहुत मदद करने वाला है। यह भारत के सामाजिक-आर्थिक सेटअप में गांव हों, गरीब हों, दलित, पिछड़े, आदिवासी, सभी को शिक्षा के बेहतर समाधान देने का प्रयास है।

स्किल डवलपमेंट बेहतर हो

पीएम मोदी ने हमारी शिक्षा व्यवस्था का विस्तार हो और उसकी क्वालिटी सुधरे और एजुकेशन सेक्टर की क्षमता बढ़े, इसके लिए अहम निर्णय लिए गए हैं। देश में डिजिटल स्किलिंग इकोसिस्टम बने, इंडस्ट्री की डिमांड के हिसाब से स्किल डवलपमेंट बेहतर हो इस पर ध्यान दिया गया है।

भारत में वर्ल्ड क्लास विदेशी यूनिवर्सिटियां आएं

उन्होंने कहा कि अर्बन और डिज़ाइन जिससे भारत का जो पुरातन अनुभव और ज्ञान है, उसे हमारी आज की शिक्षा में समाहित करना है। सबसे अहम बात इंटरनैश्नलाईदेशन भारत में वर्ल्ड क्लास विदेशी यूनिवर्सिटियां आएं। AVGC-यानि एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स इन सभी में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं और एक बहुत बड़ा ग्लोबल मार्केट है।

बांदीकुई जंक्शन पर मिलेगी लिफ्ट की सुविधा

रेलवे यात्रियों के लिए नया ओवरब्रिज, 70 मीटर लंबा और 6 मीटर होगा चौड़ा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बांदीकुई। बांदीकुई रेलवे जंक्शन पर रेलवे यात्रियों को नए ओवरब्रिज की सुविधा देने जा रहा है। नए ओवरब्रिज की सुविधा अप्रैल माह में यात्रियों को मिल जाएगी। नए ओवर ब्रिज के साथ यात्रियों को जंक्शन पर लिफ्ट की भी सुविधा मिलेगी। बांदीकुई रेलवे स्टेशन पर 80 साल पुराना ओवरब्रिज है। यह ओवरब्रिज काफी पुराना होने के कारण कई जगह से क्षतिग्रस्त हो चुका है। ऐसे में रेलवे यहां के यात्रियों को नए ओवरब्रिज की सुविधा देने जा रही है। इन दिनों नए ओवर ब्रिज का निर्माण जोरो पर है।

6 मीटर चौड़ा और 70 मीटर लंबा होगा ओवर ब्रिज

रेलवे जंक्शन पर बन रहा नया ओवरब्रिज करीब 70 मीटर लंबा होगा और इसकी चौड़ाई 6 मीटर होगी। यह रेलवे स्टेशन के कुल 6 प्लेटफार्म पर बनकर तैयार होगा। इसकी लागत करीब 5 करोड़ रूपए होगी।

ओवरब्रिज के साथ लिफ्ट की भी सुविधा

ओवरब्रिज के साथ सभी प्लेटफार्म पर लिफ्ट की भी सुविधा रहेगी। ऐसे में जो यात्री ओवरब्रिज पर चढ़ना नहीं चाहते हैं वह लिफ्ट के जरिए भी आ जा सकेंगे।

प्रशासन शहरों के संग: अभियान की गति बढ़ाने के लिए सरकार ने किए बदलाव

अब हाउसिंग बोर्ड भी देगा जमीन का पट्टा, 2018 तक की बसावट 90ए के दायरे में होगी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। 'प्रशासन शहरों के संग' अभियान की गति बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार ने 5 बड़े बदलाव किए हैं। नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें पहली बार हाउसिंग बोर्ड को पट्टा जारी करने की अनुमति दी गई। इसके अलावा अब तक कृषि से अकृषि भूमि लैंड यूज चेंज कर 90ए वाली कालोनियों को 17 जून 1999 तक की बसावट पर ही नियमन का नियम था। अब इस तिथि को बढ़ाकर 2018 तक किया जाएगा।

पहले 17 जून, 99 तक की कॉलोनियों का नियमन

अभी कृषि से अकृषि में रूपांतरित जमीनों पर बसी कालोनियों के लिए 17 जून 1999 तक बसावट के दस्तावेज होने पर नियमन व पट्टा जारी करने का नियम था। पट्टा अभियान में सामने आया कि कई कॉलोनियां इस अविध के बाद बसीं। इसलिए अब 2018 तक 90 ए हो चुकी कॉलोनियों के पट्टे दिए जा सकेंगे।

भूंखडधारक के एफिडेविट से भी आवेदन होगा

नई धारा 69ए के प्रावधानों को सरल किया है। पहले पुरानी बस्तियों में समर्पण वाले भूखंडों के लिए अधिकृत दस्तावेज देने होते थे। अब रहवासी भूखंडधारक एक एफिडेविट से पट्टे के लिए आवेदन कर सकेंगे। चेन व डॉक्यूमेंट भी अलग से दे सकेंगे। जिसके नाम मूलतः भूंखड था उसके दस्तावेज जरूरी नहीं। किसी ने भूखंड के टुकड़े कर बेच दिए हैं तो अब पुरानी चेन आफ डॉक्यूमेंट की जरूरत नहीं रहेगी।

कॉलोनी नियमितीकरण के लिए लेआउट प्लान में ढील

पहले कॉलोनी में 10 लोगों ने पट्टे ले लिए और 90 ने नहीं लिए हैं तो उन पर लेआउट प्लान में वाइलेशन के दावे के कारण पट्टे नहीं मिल रहे थे। अब बदलाव किया है। 10 लोगों ने पट्टे ले लिए, उनके हित सुरक्षित रखते हुए बाकी बाकी के लिए जैसी बसावट है या छेड़छाड़ हो चुकी है, उसका अलग ले आउट प्लान बनेगा। ताकि पूरी कॉलोनी नियमित हो सके।

हाउसिंग बोर्ड की अवाप्त भूमि पर वही पट्टे देगा

अब तक राजस्थान हाउसिंग बोर्ड की अवाप्त जमीनों पर बसी कालोनियों के पट्टे कई जगह जेडीए, यूआईटी या निगम देते थे। जेडीए ने जयपुर की 81 कॉलोनियों की एनओसी मांगने का मुद्दा उठाया। हाउसिंग बोर्ड चेयरमैन पवन अरोड़ा ने कहा कि ये कालोनियां बोर्ड की हैं। तय हुआ कि एक्ट में संशोधन कर इनपर पट्टे देने का हक हाउसिंग बोर्ड का होगा।

कच्ची बस्ती के लोग 3 साल बाद बेच सकेंगे अपना पट्टा शुदा मकान

कच्ची बस्तियों में पट्टा धारकों के लिए पहले 10 साल तक मकान-प्लॉट नहीं बेचने का नियम था, उसे अब बदलकर 3 साल किया गया है।

राजस्थान औषधालय मुम्बई का आयुर्वेदिक चिकित्सक सम्मान समारोह सम्पन्न

आयुर्वेदिक चिकित्सकों को सम्मान से मिलेगी नई ऊर्जा - डॉ. मीणा

125 आयुर्वेदिक चिकित्सक सम्मानित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान औषधालय (आरएपीएल ग्रुप) मुम्बई द्वारा पूरे भारत भर में चलाये जा रहे डॉक्टर्स सम्मान समारोह के तहत राजस्थान औषधालय मुम्बई को जयपुर के नेगचार बाग बैन्क्यूट रेस्टोरेंट में डॉक्टर्स सम्मान समारोह सम्पन्न हुआ, जिसमे जिले के 125 आयुर्वेदिक चिकित्सकों को सम्मानित किया गया।

डॉक्टर्स सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद जयपुर के उप निदेशक डॉ. बी.आर.मीणा ने कहा कि आयुर्वेदिक चिकित्सकों ने अपनी जान की बाजी लगाकर लाखों कोविड-19 के मरीजों की जिंदगी बचाई, कोरोना योद्धा आयुर्वेद के चिकित्सक हैं, अगर भारत में आयुर्वेदिक औषधियों एवं दवाईयों के ईस्तमाल से ही कोरोना को नियंत्रित किया गया। समारोह में बतौर स्पीकर जिले के प्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य डॉ. के.वी.एन. राजु ने कहा कि राजस्थान औषधालय मुम्बई द्वारा आयुर्वेदिक चिकित्सकों का सम्मान कर नई ऊर्जा दी हैं, आयुर्वेदिक चिकित्सकों द्वारा जिस तरह से जिले में कोरोना काल के दौरान सेवा की गई, उसी का परिणाम हैं, कि राजस्थान औषधालय ने उन्हें सम्मान से नवाजा।

इस दौरान जिले के प्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य डॉ. सुशील शर्मा ने कहा कि कोविड-19 के दौरान निस्वार्थ भाव से आयुर्वेदिक चिकित्सकों ने कोरोना के मरीजों की जान बचाई। जिसे हमेशा याद रखा जाएगा। डॉ. शर्मा ने कहा कि राजस्थान औषधालय आयुर्वेद के क्षेत्रा में किसी परिचय का मोहताज नहीं है। उन्होंने आरएपीएल ग्रुप के चैयरमेन रहे डॉ. सलाऊदीन चोपदार को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने भारत में नशा मुक्त अभियान की शुरूआत कर देश के लाखों लोगों को नशा मुक्ति की दवा देकर नया जीवनदान दिया।

डॉक्टर्स सम्मान समारोह में आरएचआईपीएल के मैनेजिंग डायरेक्टर एम.डी. चोपदार ने कहा कि आयुर्वेद की इस प्राचीनतम पद्वति को विश्व की सिरमौर पद्वति बनाने का प्रयोस किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद हमारे देश की प्राचीनतम पद्वति है, जिसे देश के कौने-कौने तक फैलाने में राजस्थान औषधालय मुम्बई एवं राजस्थान हर्बल इन्टरनेशनल इस पर कार्य कर रही है।

आरएचआई के डायरेक्टर साजिद दिवान ने कहा कि कहा कि आयुर्वेदिक औषधियां कोरोना के दौरान कारगर साबित हो रही थी, उस समय आयुर्वेद के डॉक्टर्स के उपर भी बड़ी जिम्मेवारियां आई, जिसका जयपुर जिले के चिकित्सकों ने सामना किया। डॉक्टर्स सम्मान समारोह की शुरूआत धन्वतंरि पूजा से की गई, जिसमें अतिथियों ने धन्वतंरि की प्रतिमा पर दीप प्रजवल्हित किया। डॉक्टर्स सम्मान समारोह में अतिथियों का राजस्थान औषधालय मुम्बई (आरएपीएल ग्रुप) परिवार की ओर से माला, शॉल, साफा प्रतिक चिन्ह् भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में आरएपीएल ग्रुप के चैयरमेन रहे डॉ. एस.डी. चोपदार को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। डॉक्टर्स सम्माने समारोह में एच. आर. सीमा मुखर्जी, डॉ. महेश कुमार मिश्रा, डॉ. रवि शर्मा, डॉ. रिशी तिवाड़ी, डॉ. भवानी सिंह, डॉ. विपिन चन्द्र त्रिवेदी, डॉ. हर्ष मिश्रा, डॉ. विजय कुमार, डॉ. अशोक शर्मा, डॉ. अनिल कुमार यादव, डॉ. महेन्द्र कुमावत, डॉ. एस.एल. कुमावत, डॉ. अरविन्द जाट, डॉ. रामेश्वर डूडी, डॉ. सुरेश चन्द्र शर्मा, एच.आर. डॉ. अजहर हुसैन भीमसर, ईरफान खान सहित जिले भर के आयुर्वेदिक चिकित्सक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कम्पनी एच.आर. डॉ. अजहर हुसैन भीमसर ने किया।

ब्राह्मण समाज ने हर तहसील स्तर पर विप्र भवन की ऊठाई मांग

विभिन्न बोर्डों के अध्यक्ष, उपाध्याक्षों का ब्राह्मण समाज द्वारा किया सम्मान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चौमूं। ब्राह्मण समाज राजस्थान, जयपुर जिला देहात के द्वारा राजस्थान सरकार की ओर से नियुक्त किए गए ब्राह्मण समाज के विभिन्न बोर्डों के अध्यक्षों व उपाध्यक्षो का पं रामस्वरूप शर्मा एवं कैप्टन पं श्रीराम शर्मा के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण से मां गायत्री की प्रतिमा के समक्ष अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित करवा कर भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया कार्यक्रम संयोजक जिलाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने माला साफा शॉल एवं अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विप्र कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष महेश शर्मा, अध्यक्षता पूर्व मंत्री एवं खादी ग्रामोद्योग बोर्ड अध्यक्ष ब्रजकिशोर शर्मा, विशिष्ट अतिथि विप्र कल्याण बोर्ड उपाध्यक्ष मंजू शर्मा, युवा बोर्ड के उपाध्यक्ष सुशील पारीक, कर्नल बजरंग सिंह, समाजसेवी गोपाल शर्मा, समाजसेवी प्रदीप शर्मा, राजेंद्र शर्मा आदि रहे। मंच संचालन जिला प्रभारी अशोक आचार्य ने किया। इस दौरान विप्र कल्याण बोर्ड अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि समाज के उत्थान के लिए हमेशा कार्य करता रहूंगा और हर समय समाज सेवा में उपस्थित रहूंगा। पूर्व मंत्री एव खादी ग्रामोद्योग बोर्ड अध्यक्ष बृजकिशोर शर्मा ने कहा कि हम समाज एवं सरकार के बीच की कड़ी है हमें समाज जो भी आदेश देगा हम उसे पूरा करेंगे इस दौरान ब्राह्मण समाज के जिलाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी ने हर तहसील स्तर पर विप्र भवन बनाने की मांग रखी। इस दौरान जयपुर शहर जिलाध्यक्ष चंदन बसोतिया, जिला महासचिव बनवारी लाल शर्मा, जिला संगठन मंत्री चंद्रप्रकाश शर्मा, चौमूँ तहसील संरक्षक राजू महाराज, चौमूँ तहसील अध्यक्ष डॉ अरुण कुमार शर्मा, तहसील उपाध्यक्ष डॉ रामप्रकाश शर्मा, तहसील महासचिव भवानी शंकर शर्मा, चौमू तहसील संगठन मंत्री पंडित रामस्वरूप शर्मा, जयपुर शहर जिलाध्यक्ष (महिला प्रकोष्ठ) ममता शर्मा, चोमूँ नगर महामंत्री (महिला प्रकोष्ठ) आशा शर्मा, शिक्षाविद् सांवरमल शर्मा, डॉ एम एल शर्मा, कृपा शंकर शर्मा, बनवारी लाल शर्मा, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अनुराग शर्मा, श्याम शर्मा, नारायण लाल शर्मा, नरेन्द्र कुमार शर्मा, कमल भातरा, नाथू लाल शर्मा, हजारी लाल शर्मा, लालचंद शर्मा आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सर्व ब्राह्मण महासभा जयपुर देहात कार्यकारिणी का गठन

चौमूं @ जागरूक जनता। सर्व ब्राह्मण महासभा जयपुर देहात जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा के निर्देशानुसार जयपुर देहात कार्यकारिणी का गठन किया जिसमें सुभाष तिवारी- सिरसली, सोहनलाल पारीक, डोलाकाबास, ओम प्रकाश शर्मा- बिलवा, मुकेश कुमार शर्मा- दूदू, कैलाश चंद सीमावत- नांगललाडी, अशोक कुमार शर्मा जमारामगढ़, रामगोपाल शर्मा, खोरा बिसल, रामसहाय शर्मा फागी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मास्टर श्याम शर्मा को चोमू तहसील अध्यक्ष ,राजीव तिवारी को जमवारामगढ़ तहसील अध्यक्ष, नरसी लाल शर्मा को दूदू तहसील अध्यक्ष, महेश कुमार शर्मा को सांगानेर देहात तहसील अध्यक्ष, आशा शर्मा को सांगानेर देहात महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया है।

ANCHOR | **सरकार के 3 हेलिकॉप्टर नीलाम**

बिक गया अगस्ता, बेस प्राइस से तीन गुना मिली कीमत

प्रदेश सरकार ने किए थे 12 बार प्रयास

10 साल पहले गहलोत दुर्घटना से बाल-बाल बचे थे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार के हेलिकॉप्टर अगस्ता व दो प्लेन रिजर्व प्राइस से अधिक कीमत पर बिक गए हैं। अगस्ता की रिजर्व प्राइस ढाई करोड़ रु. रखी गई थी, जिसकी नीलामी 7.55 करोड़ रुपए में हुई है। बी-200 की रिजर्व प्राइस करीब 9 करोड़ रुपए थी जो कि 18.50 करोड़ में बिका है। सी-90 प्लेन की कीमत सवा तीन करोड़ रुपए थी जो 7.60 करोड़ रुपए में बिका है। सी-90 राज्य सरकार ने 2.74 करोड़ में खरीदा था। करीब 10 साल पहले जिस अगस्ता हेलिकॉप्टर से सीएम अशोक गहलोत बाल-बाल बचे थे उसको लंबे समय से खरीददार नहीं मिल रहा था। राजस्थान सरकार अगस्ता हेलिकॉप्टर को बेचने के लिए 12 बार प्रयास कर चुकी थी। हालांकि इसकी रिजर्व प्राइस घटने के बाद नीलामी में अधिक तवज्जो मिली है। इससे पहले इसकी रिजर्व प्राइस 4.5 करोड़ रुपए तक रखी जा चुकी थी।

2005 में 30 करोड़ में खरीदा था अगस्ता, 2011 से स्टेट हैंगर पर खड़ा है

राजस्थान सरकार ने बीजेपी राज में 2005 में इसे 30 करोड़ में खरीदा था। दिसंबर 2011 से यह हेलिकॉप्टर स्टेट हैंगर पर खड़ा है और इसकी कीमत घटती ही जा रही है। अगस्ता कंपनी ने इसके बदले कुछ और पैसा लेकर नया हेलिकॉप्टर देने की भी पेशकश की थी, लेकिन यह प्रस्ताव भी खारिज हो चुका है। खरीदने के दो साल के भीतर ही इसके इंजन में खराबी आ गई थी। वारंटी पीरियड में होने के कारण अगस्ता वेस्टलेंड कंपनी ने इंजन बदल दिए। इंजन में खराबी का कारण राजस्थान की गर्म जलवायु और धूलभरा वातावरण बताया था।

15 दिन जंगल में खड़ा रहा था हेलिकॉप्टर

20 नवंबर 2011 को गहलोत चूरू जिले के न्यांगल बड़ी गांव में महिला सम्मेलन में हिस्सा लेने जा रहे थे। रास्ते में हेलिकॉप्टर की रोटर ब्लैड पंखुड़ी टूट गई, जिससे यह हवा में लहराने लगा था। पायलट ने चांदकोठी गांव के चारागाह में आपात लैंडिंग करवाई। जहां करीब 15 दिन तक यह खड़ा रहा। इसकी मरम्मत के लिए इटली से पार्ट्स मंगवाए गए। बाद में इसे जयपुर लाया गया। तब से इस हेलिकॉप्टर में वीआईपी उड़ानें बंद कर दी गईं। डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन की जांच में यह सामने आया था कि रोटर ब्लेड टूटने का कारण मेंटेनेंस नहीं होना था।

अब सरकार के पास खुद का हेलिकॉप्टर नहीं

राजस्थान सरकार के पास खुद का कोई हेलिकॉप्टर नहीं है। सीएम और राज्यपाल की यात्राओं के लिए किराए पर मंगवाते हैं। बीजेपी सरकार के समय नया प्लेन खरीदने को टेंडर जारी किया था, लेकिन खरीद नहीं हो सकी थी। गहलोत सरकार ने 10 सीटर जेट प्लेन खरीदने को नवंबर 2019 में ग्लोबल टेंडर निकाला था, लेकिन कोरोना आने से प्रक्रिया अटक गई।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 को: आइटी और डिजिटल प्लेटफॉर्म से रूबरू होंगे छात्र, जिससे विज्ञान और प्रौद्योगिकी में जागरुकता और रुचि बढ़े

स्कूल स्टूडेंट्स सीखेंगे घूमते-फिरते साइंस

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अजमेर। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस यानि 28 फरवरी को इंजीनियरिंग कॉलेज बड़ल्या नवाचार करेगा। पहली बार शहर और ग्रामीण क्षेत्र के स्कूली बच्चों को कॉलेज बुलाया जाएगा। बच्चों को विज्ञान की खूबियां, प्रोजेक्ट, आइटी और डिजिटल प्लेटफॉर्म से रूबरू कराया जाएगा। ताकि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रति उनमें जागरुकता और रुचि बढ़े।

कॉलेज स्कूलों की ओर

28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर इंजीनियरिंग कॉलेज में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के ग्यारहवीं-बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों को बुलाया जाएगा। कॉलेज में विज्ञान की लैब के अलावा बी.टेक, एम.टेक के विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए प्रोजेक्ट, मॉडल और पोस्टर-फोटो प्रदर्शनी लगाई जाएगी। कैंपस में स्कूली विद्यार्थियों को विज्ञान की महत्ता, सूचना प्रौद्योगिकी की उपयोगिता, डिजिटल प्लेटफॉर्म के बारे में जानने और समझने का अवसर मिलेगा। कॉलेज स्कूल के प्रधानाचार्यों-शिक्षकों को पत्र भेजेगा।

होंगे यह खास फीचर्स

- » विज्ञान के क्षेत्र में कॅरियर संबंधित जानकारी
- » कंप्यूटर और आईटी की जीवन में उपयोगिता
- » कौशल विकास से जुड़े विज्ञान के प्रोजेक्ट
- » इंजीनियरिंग क्षेत्र में नवाचार और जॉब्स
- » विद्यार्थियों में प्रौद्योगिकी के प्रति रुचि बढ़ाना
- » परीक्षाओं में प्रोजेक्ट और प्रजंटेशन से अच्छे अंक हासिल करना

बनाए स्मार्ट प्रोजेक्ट

- » कम खर्च में गुणवत्तायुक्त वेंटीलेटर
- » दुकानों से सामान मंगवाने का ऑनलाइन शॉप एप-ऑटोमेटिक हैंड सेनेटाइजर मशीन
- » कचरा पात्र की लोकेशन बताने वाला सेंसर
- » भूमि में नमी की मात्रा बताने वाला स्मार्ट इरीगेशन सिस्टम
- » वेस्ट मेटेरियल का जैव प्रौद्योगिकी उपयोग

फैक्ट फाइल

- » 28 फरवरी को बनाया जाता है विज्ञान दिवस-2022 की थीम-सतत भविष्य के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टि कोण
- » 87.13 लाख विद्यार्थी पढ़ते हैं देश में विज्ञान विषय
- » 1.25 लाख विद्यार्थी कर रहे हैं विज्ञान में पीएचडी
- » 55.7 प्रतिशत नौकरियां हैं विज्ञान से जुड़े क्षेत्रों में

प्रौद्योगिकी संस्थान होने से कॉलेज की सामाजिक और शैक्षिक जिम्मेदारी भी है। इसको देखते हुए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस से नई शुरुआत करेंगे। स्कूली बच्चों को कैंपस में बुलाकर लैब, प्रोजेक्ट, मॉडल पोस्टर-फोटो और डाटा के माध्यम से विज्ञान से जुड़ी जानकारी दी जाएगी। इससे बच्चे अपसे शहर को समझने के अलावा भविष्य में स्मार्ट नागरिक बन सकेंगे।
— डॉ. रेखा मेहरा, प्राचार्य इंजीनियरिंग कॉलेज बड़ल्या

जिला न्यायाधीश ने किया प्रदर्शनी का अवलोकन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जालोर। जिला प्रशासन की ओर से आयोजित जालोर महोत्सव-2022 के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विधिक सेवा कार्यक्रमों की जानकारी देने के लिए प्रदर्शनी लगाई गई जिसका बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला न्यायाधीश सिया रघुनाथ दान ने अवलोकन किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान पोक्सो कोर्ट के विशिष्ठ न्यायाधीश हुकमसिंह राजपुरोहित, पारिवारिक न्यायाधीश सुश्री शैल कुमारी सोलंकी, विशिष्ठ न्यायाधीश एस.सी./एस.टी. कोर्ट नरेन्द्रसिंह, तथा न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री हर्षिता राठौड भी मौजूद रहे। इस दौरान न्यायिक अधिकारीगण ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर सराहना की। जिला न्यायाधीश ने निर्देश दिए कि विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करें एवं विधिक सेवा कार्यक्रमों संबंधी सामग्री भी अधिक से अधिक वितरण करें। जालोर महोत्सव के दौरान यह प्रदर्शनी गुरूवार तक संचालित होगी। प्रदर्शनी के दौरान कार्मिक एवं पीएलवी द्वारा योजनाओं का प्रचार प्रसार किया जा रहा है। प्रदर्शनी में विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों की जानकारी देने वाले बैनर प्रदर्शित किये गये हैं।

जागरूक खबरें

जालौर महोत्सव में प्रतियोगिताः राखी शर्मा मिस भीनमाल व रामसिंह देवड़ा चुने गए मिस्टर भीनमाल

भीनमाल @ जागरूक जनता (रविंद्र रोहिण)। जालोर महोत्सव के तहत मिस व मिस्टर भीनमाल प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय कचहरी रोड विद्यालय प्रांगण में हुआ। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम में कुल 20 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सांस्कृतिक प्रोग्राम में अलग-अलग वेशभूषा में राजस्थानी व देशभक्ति गीतों पर एकल व समूह नृत्य किया गया। विद्यालय की छात्राओं द्वारा पेश किए गए समूह नृत्य की उपस्थित जन समूह ने सराहना की। प्रतियोगिता प्रभारी श्रवण सोनगरा ने बताया कि अलग-अलग टीमों द्वारा नृत्य पेश किया गया जिसमें राजस्थानी घूमर, होली गीत लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी जवाहरराम राम चौधरी, पुलिस निरीक्षक लक्ष्मण सिंह अधिशासी अधिकारी आशुतोष आचार्य सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ मिस व मिस्टर भीनमाल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें राखी शर्मा मिस भीनमाल चुनी गई। मिस्टर भीनमाल में राम सिंह देवड़ा चुने गए। प्रतियोगिता में कई युवाओं व युवतियों ने भाग लिया।

ऑनलाइन स्वप्न सुनहरे साहित्यिक महोत्सव आयोजित

लुधियाना @ जागरूक जनता। पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह द्वारा लोगों को सपनों के महत्व का अहसास कराने के उद्देश्य से ऑनलाइन स्वप्न सुनहरे साहित्यिक महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसका विषय 'सपने हैं खास' रखा गया। इस महोत्सव में देश के अलग-अलग राज्यों के रचनाकारों ने भाग लिया।जिन्होंने एक से बढ़कर एक सपनों के महत्व तथा विशेषता पर आधारित अपनी रचनाओं को प्रस्तुत कर महोत्सव की शोभा में चार चाँद लगा दिए। इस महोत्सव में सम्मिलित सभी प्रतिभागी रचनाकार शख्सियतों को ऑनलाइन 'पुनीत उत्कृष्ट रचनाकार' सम्मान देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समूह के संस्थापक एवं अध्यक्ष पुनीत कुमार जी ने महोत्सव में प्रस्तुत की गई रचनाओं पर अपनी महत्वपूर्ण प्रतिरि या देकर रचनाकारों का उत्साहवर्धन किया तथा सम्मानित होने वाले रचनाकारों को शुभकामनाएं भी दी और सपनों की विशेषता का वर्णन करते हुए कहा कि सपने केवल कल्पना नही होते है बल्कि यह एक तरह की प्रेरणा होते हैं जो लोगों को अपने लक्ष्य निर्धारित करने तथा उस लक्ष्य तक ले जाने का साधन बनते है। इसके साथ ही उन्होंने समूह द्वारा आयोजित होने वाले विभिन्न ऑनलाइन साहित्यिक कार्यर मों में सम्मिलित होने के लिए हिंदी रचनाकारों को सादर आमंत्रित भी किया। इस महोत्सव में उत्कृष्ट रचना प्रस्तुत करके समूह की शोभा बढ़ाने वालों में प्रमुख नाम निरूपमा बिस्सा, कुसुम अशोक सुराणा, सावित्री मिश्रा, चंचल जैन, संध्या रामप्रीत, मंजू शर्मा, सुनीता सोलंकी 'मीना', बबीता, अनुराधा प्रियदर्शिनी, अर्चना मुकेश मेहता रचनाकारों के रहे।

श्रीविजयनगर व्यापार मंडल चुनाव 27 को

श्रीविजयनगर @ जागरूक जनता। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों संरक्षकगणो एवं कार्यकारिणी सदस्यों की हुई मीटिंग में व्यापार मंडल के आगामी चुनाव पर विचार विमर्श किया गया व्यापार मंडल अध्यक्ष दीपक मिड्?ढा ने बताया कि व्यापार मंडल के चुनाव 27 फरवरी को तय किए गए हैं जिसमें चुनाव अधिकारी प्रभु दयाल मिड्ढा एवं चुनाव पर्यवेक्षक रमेश चुघ, चंद्रभान चुघ, हेमंत आहुजा को नियुक्त किया गया है मतदाता सूची 20 फरवरी को प्रकाशित कर दी जाएगी सूची में दर्ज वोट कटवाने का एतराज 21 फरवरी को शाम 3:00 बजे तक होगा व अंतिम सूची शाम 5:00 बजे बाद कार्यालय में चस्पा कर दी जाएगी व्यापार मंडल के चुनाव 4 पदों पर जिसमें अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव पद के लिए चुनाव होंगे जिसमें चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी को 22 फरवरी प्रातः 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक फार्म प्राप्त कर सकेंगे एवं 23 फरवरी को शाम 4:00 बजे तक फार्म जमा करवा सकेंगे एवं 24 फरवरी शाम 3:00 बजे तक अपना नामांकन फार्म वापस ले सकेंगे इसी दिन चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए जाएंगे व्यापार मंडल के 4 पदों पर होने वाले चुनाव 27 फरवरी रविवार को प्रातः 10:00 बजे से शाम 3:00 बजे तक कार्यालय व्यापार मंडल में होंगे मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग उपयुक्त समय में कर सकता है मतदान के बाद ही वोटों की गिनती शाम 4:00 बजे शुरू हो जाएगी उसके पश्चात परिणाम घोषित कर दिया जाएगा।

राजस्व मंडल ने जारी किए आदेश बड़ी संख्या में तहसीलदारों के स्थानांतरण

श्रीगंगानगर/अजमेर @ जागरूक जनता। राजस्व मण्डल अजमेर ने नायब तहसीलदारों को तहसीलदार परमोट कर उनको पोस्टिंग दी है। राजस्व मण्डल की ओर से जारी सूची के अनुसार नायब तहसीलदार नन्दलाल बाजिया को तहसीलदार गंगानगर लगाया गया है। हिंदूमलकोट की नायब तहसीलदार दिव्या चावला को तहसीलदार निर्वाचन के पद पर नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार केसरीसिंहपुर के नायब तहसीलदार महेंद्र सिंह रत्नु को तहसीलदार पदमपुर, डबलीराठान की नायब तहसीलदार दर्शना को तहसीलदार विजयनगर, लालगढ़ जाटान के नायब तहसीलदार तनवीर सिंह संधु को तहसीलदार एलआर, श्रीगंगानगर, चुरू के नायब तहसीलदार पृथ्वी सिंह मौर्य को तहसीलदार रावला, श्रीगंगानगर, लूणकरणसर के नायब सुभाष चंद्र शर्मा को तहसीलदार करनपुर, मुकलावा के नायब सतपालसिंह को प्रधानाध्यापक पटवार प्रशिक्षण संस्थान, श्रीगंगानगर तथा गोलुवाला की नायब तहसीलदार पूनम कंवर को तहसीलदार सादुलशहर नियुक्त किया गया है।

भातृभाषा दिवस मनाया

सिरोही @ जागरूक जनता। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सिरोही में मातृभाषा दिवस मनाया। संस्था प्रधान हीरा खत्री के अनुसार भाषा शिक्षक वर्षा त्रिवेदी, प्रतिभा आर्य, लता किरण बंसल के मार्गदर्शन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। वरिष्ठ व्याख्याता अनिता चव्हाण ने अपनी मातृभाषा भाषा मराठी में बालिकाओं को सम्बोधित किया। भाषा शिक्षक गोपालसिंह राव ने कक्षाओं में मातृभाषा की महत्ता पर प्रकाश डाला। जन्म देने वाली मां, जन्मभूमि भारत मां, मां से सीखी मातृभाषा भाषा तीनों का जीवन में बडा महत्व बताया। प्रत्येक कक्षा में भाषा शिक्षक महेन्द्र कुमार प्रजापत, विक्रमादित्य कविया, जया दवे, कुसुम परमार, कल्पना चौहान, विजय लक्ष्मी धाबाई ने भातृभाषा की उपयोगिता विद्यार्थियों को समझाई ।

नए शिक्षा सत्र 2022-23 में कॉलेजों में नए सब्जेक्ट शुरू होंगे, दो सेक्शन की मंजूरी भी मिलेगी

भरतपुर-धौलपुर में खुलेंगे 11 कॉलेज, 1500 सीटें बढ़ेंगी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भरतपुर। नए शिक्षण सत्र 2022-23 में 11 नए कॉलेज प्रारंभ होने जा रहे हैं, जिनकी संबद्धता की कार्रवाई महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय में चल रही है। इसमें से 3 डिग्री कॉलेज और एक बीएड कॉलेज के एफीलिएशन का काम लगभग पूरा हो गया है। शेष कॉलेजों को भी अगले माह तक मंजूरी मिल जाएगी। इससे भरतपुर/धौलपुर में कालेजों की संख्या 166 से बढ़कर 177 हो जाएगी। इसके अलावा 8 कॉलेजों ने नए सब्जेक्ट के लिए भी आवेदन किया है। नए कॉलेज खुलने से करीब 1500 सीटें बढ़ जाएंगी। क्योंकि सभी में लगभग दो सेक्शन की मंजूरी दी जाएगी। कॉलेजों को टीचिंग स्टाफ यूजीसी नियमों के तहत रखना होगा। नए कॉलेज खोलने के लिए 5 बीघा जमीन होनी चाहिए। इसके अलावा खेल मैदान के लिए ओपन ग्राउंड स्पेस, अन्य गतिविधियों के लिए 500 स्कवेयर मीटर जमीन होगी। कॉलेज के पास कंप्यूटर लैब, अन लिमिटेड ब्रॉडबैंड और लाइब्रेरी होगी। सीटें आवंटन में एससी, एसटी ओबीसी और डिसेबल के लिए रिजर्वेशन रखना होगा।

नए कॉलेज खुलने से ग्रामीण इलाकों की छात्राओं की संख्या बढ़ेगी

नए कालेज खुलने से विद्यार्थियों को सबसे बड़ा फायदा उन्हें उनके गांव/घर के निकट कॉलेज मिल जाएगा। इसका सबसे अधिक लाभ छात्राओं को मिलेगा। क्योंकि दूसरे शहर/कस्बों में जाकर पढ़ाई करने में बेटियों को कई प्रकार की दिक्कत आती हैं। आर्थिक भार के अलावा असुरक्षा और परिवार की चिंता से भी मुक्ति मिलेगी। फिलहाल लगभग सभी ब्लॉक लेवल पर कालेज खुल गए हैं। इससे कालेज छात्राओं की संख्या में इजाफा होगा। भरतपुर/धौलपुर इस साल करीब 1.55 लाख स्टूडेंट्स के यूजी/पीजी परीक्षाओं में शामिल होने की संभावना है।

40 बच्चों को स्कूल जाने के लिए मदद देगा नारायण सेवा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। गिर्वा तहसील के आदिवासी बहुल अलसीगढ़ पंचायत के कांकरफलां गांव में गुरूवार को नारायण सेवा संस्थान ने अपनी सामाजिक गतिविधियों के तहत अन्नदान, वस्त्रदान, शिक्षा एवं चिकित्सा सहायता शिविर आयोजित कर स्कूल नहीं जाने वाले 40 बच्चों को जरूरत के मुताबिक गणवेश, जूते, साबून, तेल, टूथपेस्ट-ब्रश और परिवार को राशन सामग्री की मदद देकर स्कूली शिक्षा से जोड़ा।

साथ ही संस्थान अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल के नेतृत्व में 450 आदिवासी स्त्री-पुरूषों को 15 क्लि. मक्का, 300 लुगड़ी, 200 चप्पल, 150 धोतियां वितरित की गई। वहीं शिविर में आये करीब 350 बच्चों को मंजन करवाते हुए साबून-टूथपेस्ट-ब्रश भेंट किए। नाखून-बाल कटिंग कर नहलाया, नये कपड़े और जूते पहनाएं तथा 2 अति निर्धन एवं नेत्रहीन परिवारों को मासिक राशन व सहायक उपकरण भी दिये। संस्थान ने ग्रामीणों और बच्चों को साफ-सफाई व स्वच्छता की सीख देते हुए डॉ. हर्ष पण्डया के माध्यम से 180 बीमारों का स्वास्थ्य परीक्षण कर एलर्जी, एनीमिया, खासी व मौसमी बीमारियों की दवाईयां दी। इस दौरान पंचायत प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी जीवनलाल मेघवाल, सरपंच पुष्कर मीणा, प्रधानाध्यापक निर्मल कोठारी एवं संस्थान के भगवान प्रसाद गौड़, दल्लाराम पटेल, जसबीर सिंह व दिलीप सिंह सहित 30 सदस्य टीम ने अपनी सेवाएं दी।

दुकानदारों में हड़कंप दिन में बंद हुई दुकानें

शुद्ध के लिए युद्ध अभियान

श्रीविजयनगर @ जागरूक जनता। प्रदेश सरकार की ओर से शुद्ध के लिए युद्ध अभियान आयोजित किया जा रहा है ऐसे में शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग की टीम की ओर से कस्बे में कार्रवाई करते हुए तीन दुकानों से खाध पदार्थों के सैंपल लिए गए खाध सुरक्षा अधिकारी लक्ष्मीकांत गुप्ता व उनकी टीम द्वारा दुकानों से सरसों तेल व नमक के सैंपल लिए गए। कार्रवाई के बाद बाजार के दुकानदारों में हड़कंप मच गया बाजार के अधिकतर दुकानदार अपनी दुकानें बंद कर दी गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि दुकानों से लिए गए सैंपल जांच के लिए बीकानेर भेजा जाएगे सैंपल की रिपोर्ट फेल होने पर संबंधित दुकानदार पर कार्रवाई की जाएगी राज्य सरकार व जिला कलेक्टर रूकमणि रियार के आदेशानुसार खाद्य पदार्थों में मिलावट पर नियंत्रण करने के लिए नियमित रूप से यह अभियान जारी रहेगा कार्रवाई के दौरान टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी लक्ष्मीकांत गुप्ता, बाट माप अधिकारी दीपक जैन व सरस डेयरी के राजेंद्र कुमार आदि साथ रहे।

काव्य प्रतियोगिता का आयोजन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जालोर। जालोर महोत्सव-2022 के दौरान बुधवार को श्री राजेन्द्र सूरि जैन क कुन्दन राजकीय महिला महाविद्यालय के सभागार में जिले के नवोदित कवियों को प्रोत्साहन किये जाने के उद्देश्य से काव्य प्रतियोगिता का आायोजन किया गया। काव्य प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग, अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार अचलेश्वर आनन्द एवं विशिष्ठ अतिथि आईदानसिंह चारण के रूप में उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में परमानंद भट्ट, अर्जुनसिंह उज्जवल व अश्विनी श्रीमाली ने निर्णायक की भूमिका निभाई। जिले के युवा कवियों ने वीर रस, श्रृंगार रस, व्यंग्य सहित विभिन्न काव्य विधाओं पर अपनी प्रस्तुति दी। काव्य प्रतियोगिता में कुलदीप खण्डेलवाल ने प्रथम, प्रियंका माहेश्वरी ने द्वितीय व विक्रमसिंह राजपुरोहित ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। काव्य प्रतियोगिता के संयोजक के.पी.सिंह एवं करणीदान के नेतृत्व में अतिथियों सहित विजेता प्रतिभागियों को पुरूस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन अम्बिका प्रसाद तिवारी ने किया। इस अवसर पर सेवानिवृत वरिष्ठ लेखाधिकारी ईश्वरलाल शर्मा सहित काव्य प्रेमी श्रोताजन उपस्थित थे।

शिक्षा विभाग का सुदृढ़ीकरण: एचएम का कैडर होगा समाप्त

प्रदेशभर में 3533 प्रिंसिपल के पद बढ़ेंगे, 11353 नए वाइस प्रिंसिपल के पद बनेंगे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बीकानेर। राज्य के शिक्षा विभाग में शिक्षा के सुदृढ़ीकरण के लिए सैकंडरी स्कूलों में एचएम के पद समाप्त कर प्रिंसिपल के पद दिए जा रहे हैं, साथ ही सीनियर सैकंडरी स्कूलों के लिए वाइस प्रिंसिपल के पद स्वीकृत होगे, वहीं एचएम के पद समाप्त करने और वाइस प्रिंसिपल के पदों पर केवल पदोन्नति का ही प्रावधान रखने से राज्य में वर्तमान में तीन लाख से अधिक कार्यरत अध्यापक एवं वरिष्ठ अध्यापकों को एचएम बनने का मौका नहीं मिलेगा।

दरअसल, अब तक एचएम माध्यमिक विद्यालय के 50 प्रतिशत पदों पर सीधी भर्ती की जाती रही है। इसमें 5 वर्ष सेवा वाले अध्यापक और वरिष्ठ अध्यापक तथा लोक जुंबिश आदि अन्य सिस्टर कंसर्न में कार्यरत व्यक्ति चयन के पात्र होते थे। नए नियमों में एचएम के पद समाप्त करने और वाइस प्रिंसिपल के पदों पर केवल पदोन्नति का प्रावधान ही रखने से राज्य के अध्यापक, वरिष्ठ अध्यापक और समग्र शिक्षा लोक जुंबिश आदि अन्य शिक्षण कार्य से जुड़े तीन लाख से अधिक शिक्षक वाइस प्रिंसिपल के 50 प्रतिशत पदों पर सीधी भर्ती के प्रावधान की मांग कर रहे हैं। विभिन्न शिक्षक संगठनों ने इस संबंध में शिक्षा मंत्री को ज्ञापन भेजा है।

धर्मशाला के लिए खरीदी 3.11 करोड़ में जमीन

बिश्नोई समाज करेगा निर्माण

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सांचौर। श्री गुरु जंभेश्वर सेवा ट्रस्ट की बैठक अहमदाबाद में संपन्न हुई। बैठक में बिश्नोई समाज के कई दिग्गज उद्योगपति एवं व्यापारी सहित समाज के युवा व वरिष्ठजन उपस्थित रहे। इसी बीच ट्रस्ट के अध्यक्ष भेराराम गोदारा के नेतृत्व में बिश्नोई समाज अहमदाबाद के द्वारा 2 बीघा जमीन धर्मशाला निर्माण के लिए ली गई। जिसकी कीमत करीबन 3 करोड़ 11 लाख है। जो अहमदाबाद शहर के समीप जो गतराड़ गांव में स्थित व रिंग रोड एवं एक्सप्रेस वे से मात्र तीन किलोमीटर अंदर है। जमीन मुख्य मार्गो से जुड़ी हुई है। इसलिए व्यवसायिक उपयोग,भविष्य में युवाओं को रोजगार दिलाने,दक्षिण भारत में जाने वाले लोगों के लिए ठहरने करने के लिए अति उपयुक्त जगह है। भेराराम गोदारा ने बताया कि जमीन लेने में सभी बिश्नोई समाज के कर्मठ लोगों ने दिन रात मेहनत की उसका सकारात्मक परिणाम आज पूरे बिश्नोई समाज के सामने।

यह अहमदाबाद में समाज के लिए दूसरी धर्मशाला के लिए जगह खरीदी है एक पुरानी धर्मशाला सिविल हॉस्पिटल के समीप है जो राजस्थान से इलाज के लिए आने वाले मरीजों के ठहरने हेतु बहुत ही उपयोगी साबित हो रही है। जो यह भारतवर्ष में बिश्नोई समाज अहमदाबाद की सबसे बड़ी उपलब्धि है। इस बैठक में समाज के वरिष्ठजन व युवाओं ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। जिसके निर्माण के लिए विचार विमर्श किया गया। ट्रस्ट द्वारा हर क्षेत्र से आने वाले बिश्नोई समाज के युवा से लेकर बड़े बुजुर्ग व वरिष्ठजनों को सदस्यता लेने का आव्हान किया गया। जिससे ज्यादा से ज्यादा समाजजन जुड़ सके, इसके लिए रूपरेखा बनाई गई।

साथ ही आगामी समय में समिति द्वारा ताकि समाज में व युवाओं में समाज के प्रति जागरुकता आए ।इसी के साथ ही उपस्थित समाजजनों द्वारा यह निर्णय भी लिया गया कि फिजूलखर्ची पर रोक लगाई जाए व बचे हुए रुपयों को योगदान के रूप में समाज के धर्मशाला निर्माण कार्य में सहयोग के रूप में दिया जाए। ताकि आने वाले समय में जल्द से जल्द समाज की धर्मशाला इमारत तैयार कर सके।

ANCHOR **राज्य सरकार को नाबार्ड ने जारी की वित्तीय स्वीकृती**

55 करोड़ 64 लाख से होगा 94 सड़कों का निर्माण व जीर्णोद्धार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सीकर। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने राज्य सरकार को सीकर जिले मे सड़कों के निर्माण एवं जीर्णोद्वार करने के लिए 44 करोड़ 51 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी है। इस वित्तीय सहायता से सीकर जिले मे 236.53 किलोमीटर लम्बाई की सड़कों का निर्माण एवं जीर्णोद्वार किया जाएगा ताकि ग्रामीण क्षेत्रों मे आम जनता को बेहतर सड़क सुविधाओं का लाभ मिल सकें। इन 94 सड़कों को बनाने के लिए कुल 55 करोड़ 64 लाख रुपये की लागत आएगी। जिसमे 44 करोड़ 51 लाख रुपये की वित्तीय सहायता राज्य सरकार को नाबार्ड द्वारा दी गयी है।

ग्रामीण सड़कों पर 80 प्रतिशत तक वित्तीय सहायता प्रदान करता हैं नाबार्ड

सहायक महाप्रबंधक, नाबार्ड व डीडीएम सीकर एम एल मीना ने बताया कि यह वित्तीय सहायता राजस्थान सरकार को नाबार्ड द्वारा रुरल इनफास्ट्रक्चर डेव्लपमेंट फ़ंड (आरआईडीएफ) के अंतर्गत जारी की गयी है। रुरल इनफास्ट्रक्चर डेव्लपमेंट फ़ंड (आरआईडीएफ) के तहत ग्रामीण सड़कों व ग्रामीण पुलों के निर्माण हेतु नाबार्ड द्वारा कुल परियोजना लागत की 80 प्रतिशत वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। जबकि शेष 20 प्रतिशत राशि राज्य सरकार द्वारा वहन की जाती हैं।

राज्य सरकार 39 विभिन्न लाभकारी कार्यों हेतु नाबार्ड से ले सकती हैं वित्तीय सहयोग

एम एल मीना, सहायक महाप्रबंधक नाबार्ड ने बताया कि रुरल इनफ्रास्ट्रक्चर डेव्लपमेंट फ़ंड (आरआईडीएफ) के अंतर्गत नाबार्ड द्वारा राज्य सरकारों को कृषि एवं सिंचाई, ग्रामीण सड़कों, सामाजिक सुविधाओं जैसे शिक्षा, स्वास्थय, पेयजल सहित विभिन्न 39 लाभकारी गतिविधियों के लिए ग्रामीण विकास कार्यों मे सहयोग प्रदान करता है।

कृषि और संबंधित क्षेत्र हेतु कुल लागत की अधिकतम 95% वित्तीय सहायता

कुल 27 पात्र गतिविधियाँ यथा लघु सिंचाई परियोजनाएं/ सूक्ष्म सिंचाई; मृदा संरक्षण; बाढ़ सुरक्षा; वाटरशेड विकास/जलभराव वाले क्षेत्रों का सुधार; ड्रेनेज; वन विकास; मार्केट यार्ड/गोदाम/मंडी/ग्रामीण हाट/मार्केटिंग इनफ्रास्ट्रक्चर; कोल्ड स्टोरेज, सार्वजनिक संयुक्त क्षेत्र के कोल्ड स्टोरेज; बीज/कृषि/बागवानी फार्म; वृक्षारोपण और बागवानी; ग्रेडिंग/प्रमाणीकरण तंत्र; परीक्षण/प्रमाणन प्रयोगशालाएं; पूरे गांव के लिए सामुदायिक सिंचाई के कुएं; फिशिंग हार्बर/जेट्टी; नदी मत्स्य पालन; पशुपालन; आधुनिक बूचड़खाना; मध्यम सिंचाई परियोजनाएं; लघु जलविद्युत परियोजनाएं/ लघु जलविद्युत परियोजनाएं (25 मेगावाट तक); प्रमुख सिंचाई परियोजनाएं (पहले से ही स्वीकृत और निष्पादन के अधीन); ग्राम ज्ञान केंद्र; तटीय क्षेत्रों में विलवणीकरण संयंत्र; ग्रामीण क्षेत्रों में सूचना प्रौद्योगिकी के लिए आधारभूत संरचना; ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों से संबंधित अवसंरचना कार्य अर्थात सौर, पवन आदि और ऊर्जा संरक्षण; 5/10 मेगावाट सौर फोटो वोल्टाइक विद्युत संयंत्र; अलग फीडर लाइनें; समर्पित ग्रामीण औद्योगिक संपदाओं की स्थापना; फार्म संचालन और संबंधित सेवाओं का मशीनीकरण।

सामाजिक क्षेत्र हेतु कुल लागत की अधिकतम 85% वित्तीय सहायता

कुल 08 पात्र गतिविधियाँ यथा पीने का पानी; ग्रामीण शिक्षा संस्थानों के लिए आधारभूत संरचना; सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थान; मौजूदा स्कूलों में विशेष रूप से लड़कियों के लिए शौचालय ब्लॉकों का निर्माण; ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालयों का "भुगतान करें और उपयोग करें"; आंगनबाडी केन्द्रों का निर्माण; केवीआईसी औद्योगिक संपदा/केंद्रों की स्थापना; ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता से संबंधित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और आधारभूत संरचना कार्य। ग्रामीण संपर्क हेतु कुल लागत की अधिकतम 80% वित्तीय सहायता - कुल 04 पात्र गतिविधियाँ यथा ग्रामीण सड़कें; ग्रामीण पुल; रोप वे; रेलवे क्रॉसिंग पर रोड ओवर ब्रिज (आरओबी)।

आधारभूत संरचनाओं हेतु सार्वजनिक निवेश का विशेष महत्व

एम एल मीना ने बताया कि विश्व बैंक के अनुसार यदि किसी देश के इनफ्रास्ट्रक्चर स्टॉक में 1% की बढ़ोतरी होती है तो उस देश के सकल घरेलू उत्पाद में उसी अनुपात में वृद्धि होती है। ग्रामीण संपर्क, कृषि विकास और भारतीय संदर्भ में गरीबी उन्मूलन पर सार्वजनिक निवेश के बीच संबंधों की जांच शेंगन फैन, पीटर हेज़ेल और सुखदेव थोरात (आईएफपीआरआई, 1999) द्वारा लिखित एक शोध रिपोर्ट में की गई। जिससे यह पता चलता है कि सड़कों के निवेश में प्रत्येक 10 लाख रुपये की वृद्धि के माध्यम से 165 गरीब लोगों को गरीबी रेखा पार करने में सक्षम बनाया जा सकता हैं। सहायक महाप्रबंधक, नाबार्ड व डीडीएम सीकर एम एल मीना ने बताया कि "मेक्सिको के डेइचमैन द्वारा की गयी एक विशेष अध्ययन से पता चलता है कि यदि बाजार पहुंच में 10% की वृद्धि होती है तो श्रम उत्पादकता में भी 6% की वृद्धि होती है।" एम एल मीना के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सरंचना के विकास पर ही कृषि का विकास, कृषि आधारित उद्योगों का विकास तथा उस क्षेत्र का सम्पूर्ण आर्थिक विकास निर्भर है। यह संरचनाएं ही मूलभूत सुविधाएं प्रदान करती है जिससे कि जीवन स्तर में सुधार लाया जा सकता है।

डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2021-23 | R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758
/jagrukjanta /jagrukjantanews jagruk_janta

राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, अहमदाबाद द्वारा स्वास्थ्य और कल्याण विषयक संगोष्ठी आयोजित

भगवद्गीता को अपनाने से प्रशस्त होता है स्वस्थ जीवन का मार्ग-राज्यपाल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि भगवद्गीता को यदि हम जीवन में अपना लेते हैं तो सहज ही स्वस्थ जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त हो जाता है। उन्होंने भगवद्गीता को जीवन का महत्वपूर्ण ग्रंथ बताते हुए कहा कि जितनी बार हम इस पवित्र ग्रंथ को पढ़ते हैं, जीवन जीने के उतने ही नए अर्थ मिलते जाते हैं।

राज्यपाल मंगलवार को यहां राजभवन से आजादी के 'अमृत महोत्सव' के अंतर्गत राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, अहमदाबाद द्वारा आयोजित स्वास्थ्य और कल्याण विषयक संगोष्ठी को ऑनलाइन सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन का बड़ा सूत्र यही है कि जो हमारे पास है, उसमें संतोष करें। किसी से कोई अपेक्षा नहीं करें। जो दायित्व हमें दिए गए हैं, उनकी पूरे मन से पालना करें। मिश्र ने कहा कि भारतीय संस्कृति 'सर्वे भवन्तु सुखिन, सर्वे संतु निरामया' की है। सुखी और स्वस्थ होने पर ही जीवन के सभी क्षेत्रों में हम आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि मनुष्य के सम्पूर्ण स्वास्थ्य में शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक अवस्थाएं एक दूसरे पर निर्भर हैं। मन स्वस्थ होगा तभी तन भी स्वस्थ होता है। इसलिए मन को स्वस्थ रखने के लिए सकारात्मक सोच रखना सबसे अधिक जरूरी है। इस अवसर पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने, परिवार को आगे बढ़ाने और स्वयं की प्रगति के लिए उत्तम स्वास्थ्य ही पहला आधार है। आयुर्वेद में आहार, निद्रा और ब्रह्मचर्य स्वास्थ्य के तीन आधार बताए गए हैं। आज कृत्रिम रसायन युक्त भोजन के कारण तमाम तरह की बीमारियां बढ़ रही हैं। उन्होंने सभी से अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक खेती से उत्पन्न आहार लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन जीने के लिए हमें पारिवारिक चिकित्सक ढूंढने से पहले पारिवारिक किसान ढूंढ़ना चाहिए जो हमें जहर-मुक्त शुद्ध खाद्य पदार्थ उपलब्ध करा सकें। आर्ट ऑफ लिविंग फाउण्डेशन के प्रणेता आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकर ने कहा कि भारतीय अवधारणा के अनुसार जो स्वयं में स्थित है, वही वास्तव में स्वस्थ है। सोच, विचार, भावनाएं, तरंगें और शरीर सम्पूर्ण स्वास्थ्य के घटक हैं। शरीर, विचार, सोच, भावनाएं सभी परिवर्तनशील हैं, किन्तु हमारे भीतर जो अपरिवर्तनशील है, उस पर केन्द्रित हो जाएं तो जीवन में स्थिरता आ जाती है। उन्होंने जीवन में स्वस्थ रहने और संतुलित रहने के लिए ज्ञान, गान, ध्यान के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन 15-20 मिनट के लिए ध्यान करना जीवन पर्यन्त मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। राज्यपाल ने उपस्थित सभी अतिथियों को भारतीय संविधान की उद्देश्यिका एवं संविधान में वर्णित मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव सुबीर कुमार, प्रमुख विशेषाधिकारी गोविन्द राम जायसवाल, राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी, नागपुर के प्रधान महानिदेशक अतुल प्रणय, आयकर अधिकारीगण तथा प्रतिभागी प्रत्यक्ष एवं ऑनलाइन उपस्थित रहे।

यूक्रेन से प्रवासी राजस्थानियों की सुरक्षित वापसी के लिए धीरज श्रीवास्तव नोडल अधिकारी नियुक्त

जयपुर @ जागरूक जनता। यूक्रेन में चल रहे वर्तमान संकट और तनावपूर्ण परिस्थितियों के बीच राजस्थान सरकार यूक्रेन में बसे प्रवासी राजस्थानियों और वहां पर पढ़ाई कर रहे राजस्थान के विद्यार्थियों की सुरक्षा और उनकी सुरक्षित घर वापसी के लिए नियमित रूप से निगरानी रख रही है। राज्य सरकार ने प्रवासी राजस्थानियों की सुरक्षित घर वापसी के लिए राजस्थान फाउंडेशन के आयुक्त धीरज श्रीवास्तव को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। सरकार ने अपने आदेश में कहा है कि प्रवासी राजस्थानियों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए आयुक्त धीरज श्रीवास्तव भारत सरकार के विदेश मंत्रालय और यूक्रेन में भारतीय दूतावास के साथ समन्वय स्थापित कर प्रवासियों की हरसंभव मदद करेंगे।

उन्होंने बताया कि यक्रेन संकट से प्रभावित कोई भी व्यक्ति मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 181 और टेलीफोन नंबर 0141-2229091, 2229111 तथा ईमेल rajfound.raj@nic.in और मोबाइल नंबर 08306009838 पर सीधा संपर्क कर सकते हैं।

विनायक ज्वैलर्स
Retailer of Gold, Diamond & Silver Jewellery
22 K 916 — हॉलमार्क ज्वैलरी
18 K 750 — हॉलमार्क डायमंड ज्वैलरी
970 — Silver Utensiles
Certified — राशि रत्न
BIS 100% Hall Marked Jewellery
G-46, Unnati Tower, Central Spine, Vidhya Dhar Nagar, Jaipur
0141-2337548, 0141-2337458, 9414156451

आस्था: वाटर प्रूफ लिफाफे में आएगी समस्त सामग्री

प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों का प्रसाद पहुंचाएगा डाक विभाग

251 रुपए में घर बैठे रामदेवरा का प्रसाद उपलब्ध कराएगा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बारां। जिले में रामदेवरा से बाबा रामदेवजी का प्रसाद अब भक्त डाक के जरिए भी मंगवा सकेंगे। कोटा डाक मंडल के तहत आने वाले बारां, कोटा, झालावाड़ व बूंदी जिले के प्रधान डाकघरों व उप डाकघर के जरिए लोगों को यह सुविधा मुहैया करवाई जाएगी। डाक के माध्यम से देश में किसी भी कोने में व्यक्ति प्रसाद मंगवा सकता है। इससे पहले गंगाजल डाक के माध्यम से लोगों को उपलब्ध कराया था, अब विश्व के प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों से प्रसाद पहुंचाने का काम भी डाक विभाग शुरू कर रहा है। बारा डाक विभाग के एएसपी पीएन माथुर ने बताया कि डाक विभाग ने बाबा रामदेव मंदिर ट्रस्ट, वीरमदेवरा, रामदेवरा के साथ एक विशेष अनुबंध किया है। जिसके तहत पूरे देश में अब श्रद्धालु नजदीकी डाकघर में मात्र 251 रुपए शुल्क जमा करवाकर एक ऑर्डर फॉर्म भरकर अपने घर पर ही बाबा रामदेव के मंदिर का प्रसाद प्राप्त कर सकेंगे।

ऐसे मिलेगी सुविधा

एएसपी माथुर ने बताया कि जिस श्रद्धालु को भगवान रामदेवरा का प्रसाद चाहिए। वह नजदीकी डाकघर में जाकर 251 रुपए की रसीद कटवाएगा। यह राशि रामदेवरा ट्रस्ट को भेजी जाएगी। वहां से स्पीड पोस्ट से प्रसाद भेजा जाएगा। प्रसाद सीधे मंगवाने वाले के घर के पते पर पहुंचेगा। यह सुविधा हाल ही में विभाग की ओर से शुरू की गई है।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.com

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

जागरूक जनता
www.jagrukjanta.com
विश्वसनीय समाचार पत्र
जी हाँ,यदि आपको अपने प्रतिष्ठान का व्यापार का विज्ञापन देना है तो जागरूक जनता समाचार पत्र द्वारा पूरे राजस्थान के साथ-साथ 4 अन्य राज्यों में आपका विज्ञापन प्रसारित किया जायेगा।
जो दिखेगा वही बिकेगा
आज ही बुक करें विज्ञापन
आपके व्यापार की तरक्की
जागरूक जनता के साथ
विज्ञापन
क्लासीफाइड
डिस्पले
प्रॉपर्टी
वैवाहिक
विज्ञापन बुक करें : 9928022718 9829329070

जागरूक खबरें

आधार नामांकन एवं अद्यतन कार्य करने के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

जालोर @ जागरूक जनता। जालोर जिले के अनकवर्ड ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में आधार नामांकन एवं अद्यतन कार्य करने के लिए नामांकन ऑपरेटर के रूप में पात्र व्यक्तियों से 3 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। डीओआईटीसी के संयुक्त निदेशक एवं आधार चयन कमेटी के सदस्य सचिव ने बताया कि जालोर जिले के अनकवर्ड ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आधार नामांकन एवं अद्यतन कार्य करने के लिए रजिस्ट्रार, सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के अधीन नामांकन एजेंसी राजकॉम्प सर्विसेस लिमिटेट द्वारा ऑपरेटर को यूआईडीएआई नई दिल्ली से "आधार (पंजीकरण एवं अपडेट) विनियम 2016 अनुसार कार्य के लिए आईडी/क्रिन्डेंशियल जारी कराया जाना प्रस्तावित है। जो भी पात्र व्यक्ति नामांकन ऑपरेटर के रूप में यूआईडीएआई नई दिल्ली व सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग राजस्थान निर्धारित निर्बन्धनों एवं शर्तों अनुसार कार्य करने के इच्छुक है वे निर्धारित प्रपत्र में 3 मार्च, 2022 तक ऑनलाइन आवेदन स्वयं की एसएसओ आईडी से राजआधार पोर्टल के माध्यम से कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि उक्त के ऑफलाइन आवेदन पत्र विभाग के किसी भी कार्यालय में जमा नहीं होंगे। आधार केन्द्र के लिए चयनित होने के उपरान्त आवेदकों को 30 हजार रूपये की सिक्योरिटी राशि राजकॉम्प जयपुर के बैंक अकाउण्ट में जमा करवानी होगी। पात्रता एवं अन्य शर्तें जिले की वेबसाइट जालोर डॉट राजस्थान डॉट जीओवी डॉट इन पर देखी जा सकती है। आधार केन्द्रों के लिए चिन्हित सरकारी परिसरों व अन्य जानकारी के लिए सूचना स्टेट आधार पोर्टल - आधार डॉट राजस्थान डॉट जीओवी डॉट इन पर देखी जा सकती है।

पुस्तक का किया विमोचन

जयपुर @ जागरूक जनता। जिला बैडमिंटन संघ के बैडमिंटन हॉल जीर्णोद्धार निर्माण कार्य भूमि पूजन कार्यक्रम समारोह में शोभना पुरोहित रचित भजन माधुरी संग्रह पुस्तक का विमोचन विधायक महोदय अशोक डोगरा जिलाधीश सुश्री रेणु जयपाल, नगर परिषद सभापति मधु नुवाल ,जिला बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष अजय नुवाल एडवोकेट, पंडित राज ज्योति शंकर शर्मा, आयुक्त नगर परिषद महावीर सिंह, कर्मचारी नेता पुरषोत्तम पारीक, समाज सेवी अशोक जैन, उपाध्यक्ष अशोक तलवास ,अमित शर्मा एडवोकेट ने किया। लेखिका के अनुसार इस पुस्तक में राधा कृष्ण, होली, भोलेनाथ के स्वरचित सहित अन्य संकलित भजन है। वितरण निशुल्क किया जायेगा।

शेखावाटी को पृथक संभाग घोषित करने की मांग, दिया ज्ञापन

जयपुर @ जागरूक जनता। शेखावाटी फाउंडेशन की ओर से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम एक ज्ञापन उनके विशेषाधिकारी देवाराम सैनी को सौंपकर शेखावाटी को पृथक संभाग घोषित करने की मांग की गई। संस्था के संथापक सदस्य अरविन्द मिश्र और हरी शर्मा ने बताया कि शेखावाटी के 3 जिले, सीकर - चुरू - झुंझुनू की भाषा, कला, संस्कृति और आचार विचार समान होने के बावजूद भी वर्तमान में 2 संभागों (जयपुर और बीकानेर) के अधीन है। इससे एक और जहां इन जिलों की जनता को अपने संभागीय स्तर के कामों के लिए लंबी दूरी तय करके जयपुर या बीकानेर भटकना पड़ता है, वहीं एक समान भाषा, कला और संस्कृति के बाबजूद भी तीनों जिलों के विकास की योजनाओं में एकरूपता नहीं होती। उन्होंने बताया कि ज्ञापन में मुख्यमंत्री से ये भी मांग की गई है कि इस अंचल के विकास के लिए एक पृथक विकास बोर्ड बनाया जाकर लंबे समय से विकास से उपेक्षित जिलों को समान यपजनाओं के तहत विकसित किया जाए। उन्होंने बताया कि ज्ञापन में ये भी मांग की गई है कि इस बाबत आगामी बजट में घोषणा की जाए।

आयुष एक्सपो और फूड फेस्टिवल 11-13 मार्च को

जयपुर @ जागरूक जनता। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी (डीनोवो) 11-13 मार्च को शिल्पग्राम जवाहर कला केंद्र (जेकेके) में आयुष एक्सपो और फूड फेस्टिवल का आयोजन होगा। कार्यक्रम की अनाउंसमेंट सेरेमनी सोमवार को की गई। एनीआईए के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने आयुष एक्सपो और फूड फेस्टिवल के साथ-साथ संवाद -अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का ब्रोशर भी जारी किया। कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि आयुष एक्सपो और फूड फेस्टिवल में कई आयुर्वेदिक दवा कंपनियों, संस्थानों और गैर सरकारी संगठनों के आयुर्वेदिक स्टालों का एक शो होगा। इस दौरान स्वस्थ और स्वादिष्ट आयुर्वेदिक भोजन का लाइव डिसप्ले भी होगा। इसमें प्रसिद्ध हस्तियां रेडीमेड फूड की महत्वता पर बात करेंगे और आम जनता को स्वास्थ्य को मेंटेन करने में आयुर्वेदिक फूड के महत्व के बारे में बताएंगी। इसके साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, लकी ड्रॉ, मेगा ड्रॉ, क्विज़, लाइव लेक्चर और चैट शो भी होंगे। साथ ही विभिन्न आयुष संबंधित प्रोडक्ट, बिजनेस से जुड़ी इंक्वायरी, फार्मास्यूटिकल, कृषि, आयुष रिसर्च और अकादमिक के लेटेस्ट अपडेट भी दिखाए जाएंगे। इस प्रोग्राम में आयुष मंत्रालय, सीसीआरएएस, एनआईएच, आयुष फार्मास्यूटिकल्स और न्यूट्रास्यूटिकल कंपनियां, एजुकेशनल एंड रिसर्च इंस्टिट्यूट और आयुष स्टार्टअप भाग लेंगे।

जेकेके में आयुर्वेदिक फूड का महत्व समझेंगे लोग, कई स्टार्टअप करेंगे पार्टिसिपेट

जैलातरा में एक शाम गौ माता के नाम भजन संध्या आज

सांचौर @ जागरूक जनता। उपखंड के जैलातरा स्थित श्री दूदेश्वर गो सेवा संस्थान की ओर से आज शाम को एक शाम गौमाता के नाम विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। भजन संध्या में राजस्थान के सुप्रसिद्ध गायक कलाकार एवं गौभक्त डॉ ओम मुंडेल डिगरना द्वारा अपने भजनों की प्रस्तुति से गौ भक्तों को भाव-विभोर किया जाएगा साथ ही मुकेश वैष्णव ,रेखा परमार एवं अन्य नृत्य कलाकारों द्वारा अपनी रंगारंग प्रस्तुति दी जाएगी। स्थानीय निवासी सामाजिक कार्यकर्ता एवं समाजसेवी विक्रम माहेश्वरी ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार निर्धारित तारीख पर 5वीं भजन संध्या आयोजित होगी जिसमें आसपास के सैकड़ों श्रद्धालु भाग लेंगे। साथ ही बताया कि रात्रि जागरण का सीधा प्रसारण यूट्यूब चैनल पर किया जाएगा।

मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना

कोचिंग संस्थाओं से प्रस्ताव आमंत्रित करने की तिथि 5 मार्च तक बढ़ी

जयपुर @ जागरूक जनता। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजनान्तर्गत विभिन्न प्रोफेशनल कोर्स एवं नौकरियों के लिए आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी उत्कृष्ट ढंग से कराने एवं समान अवसर प्रदान करने के लिए विभाग द्वारा ऑनलाईन पोर्टल पर इच्छुक प्रतिष्ठित पंजीकृत कोचिंग संस्थाओं से 2021-22 के लिए ऑनलाईन प्रस्ताव आमंत्रित करने की तिथि 5 मार्च तक बढ़ा दी गई है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने बताया कि पूर्व में इस योजनान्तर्गत अभिरूचि की अभिव्यक्ति के अन्तर्गत कोचिंग संस्थाओं से ऑनलाईन प्रस्ताव 31 जनवरी 2022 तक आमंत्रित किये गये थे जिसे अब 05 मार्च 2022 तक बढा दिया गया है। इच्छुक कोचिंग संस्थानों द्वारा अपने प्रस्ताव ह्यह्यश portal https://sso.rajasthan.gov.in द्वारा SJMS SMS APP. पर 05 मार्च 2022 तक ऑनलाईन किये जा सकते है। योजना एवं पात्रता का विस्तृत विवरण विभागीय वैबसाईट www.sje.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

राजस्थान युवा बोर्ड अध्यक्ष-उपाध्यक्ष पदभार ग्रहण समारोह

विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन पर किया जाएगा प्रोत्साहित-लाम्बा

पदभार ग्रहण करते ही की 'राजीव गांधी पुरस्कार' की घोषणा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान युवा बोर्ड अध्यक्ष सीताराम लाम्बा एवं उपाध्यक्ष सुशील पारीक ने मंगलवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में स्थित कार्यालय में पदभार ग्रहण किया। उन्होंने पदभार ग्रहण करते ही खेल, कला-संस्कृति, उद्यमिता सहित विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर कार्य करने वाले युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए 'राजीव गांधी पुरस्कार' दिए जाने की घोषणा की।

इससे पूर्व समारोह को संबोधित करते हुए लाम्बा ने कहा कि बोर्ड राष्ट्रीय एकता, धर्मनिरपेक्षता तथा साम्प्रदायिकता सद्भाव के लिए युवाओं की भागीदारी की विशेष कार्य योजना तैयार करेगा, इसके लिए पंचायत स्तर पर कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हमेशा युवाओं के साथ है। सरकार ने खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिये कई अहम कदम उठाये हैं। इनमें खिलाड़ियों को आउट ऑफ टर्न नौकरियां देने के साथ ही विभिन्न स्तर की प्रतियोगिताओं में मैडल जीतने वाले खिलाड़ियों की प्रोत्साहन राशि को भी बढ़ाया गया है। बोर्ड उपाध्यक्ष सुशील पारीक ने कहा कि बोर्ड का मुख्य उद्देश्य युवा वर्ग को सशक्त एवं सक्षम कर उनका सर्वांगीण विकास करना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा युवाओं को ध्यान में रखते हुए योजनाओं में कई प्रावधान किए गए हैं। समारोह में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, युवा मामले और खेल राज्य मंत्री अशोक चांदना, राज्य क्रीड़ा परिषद अध्यक्ष कृष्णा पूनिया, राजस्थान किसान आयोग अध्यक्ष महादेव सिंह खण्डेला, राजस्थान पर्यटन विकास निगम अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह राठौड़, अन्य पिछड़ा वर्ग वित्त-विकास कॉर्पोरेशन अध्यक्ष पवन गोदारा के साथ ही अन्य गणमान्य लोग और संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे।

रेलवे में 39 वर्षों की सफलतम सेवा

हुसैन की सेवानिवृत्त पर हाथी पर निकाला जुलूस

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। रेलवे में 39 वर्षों की सफलतम सेवा देने के पश्चात लोको पायलट अनवर हुसैन मंसूरी को मंगलवार को भावभीनी विदाई दी। इस दौरान उनके चाहने वालों ने हाथी पर बैठा कर रेलवे स्टेशन परिसर से घर तक जुलूस निकाला गया। रेलवे कर्मचारी अनवर हुसैन मंसूरी मूलतया चित्तौड़गढ़ के पुठोली के निवासी हैं। 1983 में उनकी रेलवे में एवजी कर्मचारी के रूप में नियुक्ति हुई थी। जिसके बाद परमानेंट होकर 1995 में सहायक लोको पायलट के पद पर प्रमोशन हुआ। बाल्यकाल से ही अनवर हुसैन गायकी का शौक रखते थे। जिसके मद्देनजर रेलवे के हर सांस्कृतिक कार्यक्रम में वह आर्केस्ट्रा पर अपनी गायकी का भी प्रदर्शन करते हैं, संगीत के क्षेत्र में उन्हें अट्ठारह जी एम एवार्ड व लता मंगेशकर अवार्ड भी प्राप्त है। उनकी लोको पायलट से मेल लोको पायलट के बाद 2015 में पैसेंजर लोको पायलट पर पदोन्नति हुई। इस प्रकार उन्होंने रेलवे परिवार में 39 वर्षों की सफलतापूर्वक सेवाएं देकर गत 10 फरवरी को स्वैच्छिक सेवा निवृत्त हुए। स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के बाद मंगलवार को चित्तौड़गढ़ रेलवे जंक्शन पर समारोह पूर्वक आयोजन हुआ। जिसके बाद रेलवे स्टेशन से उन्हें हाथी पर बैठाकर घर तक जुलूस निकाला गया। जिसमें परिवार जन सहित रेलवे कर्मचारी व गणमान्यजन मौजूद रहे।

अरबन बैंक ने कुर्की की कार्यवाही कर लिया मकान का कब्जा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चितौड़गढ़। चितौड़गढ़ अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि. ने अवधि पार बकाया ऋणों की वसूली में कठोरता बरतने के लिए चेयरपर्सन एडवोकेट विमला सेठिया के निर्देषों के चलते ऋणी गुलाब चन्दग मेती के आवास ऋण की बकाया राषि रू. 527000 /-की वसूली को लेकर हुडकों कॉलोनी गांधी नगर स्थित आवासीय मकान की कुर्कीकरने की कार्यवाही सम्पन्न करते हुए भवन का कब्जा कर लिया। प्रबन्ध निदेषक वन्दना वजीरानी के अनुसार सहकारिता अधिनियम की धारा 99-100 के अन्तर्गत न्यायालय, उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियां चितौड़गढ़ के द्वारा दोषी सदस्य की चल-अचल सम्पति को कुर्क करने बाबत् जारी वारन्ट के मद्देनजर कुर्की अधिकारी राजेश अवस्थी, वसूली अधिकारी कैलाश कोहली सहित बैंक के महाप्रबन्धक दिनेष खण्डेलवाल, प्रबन्धक (प्रषासन) जे.पी. जोषी, शाखा प्रबन्धक रमेश चन्द्र जागेटिया ने पूर्ण सुरक्षा जाप्ते के साथ ऋणी के जमानतदार अनिल कोठारी सहित मौजूदा पडौसियों के साक्ष्य के साथबैंक द्वारा आवासीय भवन का कब्जा कर लिया। प्रबन्ध निदेषक वन्दना वजीरानी के अनुसार अब एक माह की समय अवधि के बाद खुली नीलामी की कार्यवाही सार्वजनिक प्रकाषन करते हुए की जायेगी एवंअन्य ऋणी सदस्यों की कार्यवाही भी उत्तरोत्तर सम्पन्न की जायेगी। बैंकउपाध्यक्ष शिवनारायण मानधना व रिकवरी कमेटी अध्यक्ष राधेष्याम आमेरिया के अनुसारबैंक द्वारा एनपीए खाते व अवधि पार बकाया ऋणी की वसूलीकठोरता के साथ की जायेगी।

पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जावें-संभागीय आयुक्त

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जालोर। कमजोर मानसून के चलते इस वर्ष जिले में पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। इस स्थिति में राज्य सरकार व जिला प्रशासन जिले में उपलब्ध पेयजल संसाधनों के पूर्ण उपयोग द्वारा आमजन को राहत पहुँचाने के लिए संकल्पबद्ध है। संभागी आयुक्त डॉ. राजेश शर्मा ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलास्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर पेयजल संकट से निपटने के लिए किये जा रहे इंतजामों की समीक्षा की।

जिले में नर्मदा नहर परियोजना से हो रही पेयजल आपूर्ति सहित स्थानीय स्तर पर चिन्हित नवीन पेयजल स्त्रोतों-कुँए, ट्यूबवैल, हैण्डपम्प इत्यादि द्वारा पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ ही पशुधन के लिए आवश्यक चारे-पानी की व्यवस्थाएँ भी पूर्ण करने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि जरूर पड़ने पर टैंकरों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में कंटीजेन्सी प्लान बनाकर आमजन को पेयजल सुविधा मुहैया करवाई जावें। जल जीवन मिशन के तहत प्रगति रिपोर्ट की जानकारी लेते हुए संभागीय आयुक्त ने जिले में फ्लोराईड समस्या, कुँओं के पेयजल की गुणवत्ता एवं टीडीएस आंकड़ों पर जानकारी प्राप्त कर पीएचईडी विभाग को नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। संभागीय आयुक्त ने जिले में आगामी माहों में पेयजल आपूर्ति के समग्र प्लान पर चर्चा करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों से पूरी तैयारी के साथ पेयजल मांग को पूर्ण करने में जुट जाने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि ने जिले में जल जीवन मिशन के तहत संचालित कार्यों के बारे में जानकारी देते हुए ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से आमजन को राहत पहुँचाने की बात कही। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजय कुमार वासु, पीएचईडी के अधीक्षण अभियंता ताराचंद कुलदीप, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता हुकमचंद बैरवा, जल संसाधन विभाग के अब्दुल बाकी, सीएमएचओ डॉ. जी.एस.देवल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

पार्षद महेंद्र ने अधिशासी अधिकारी को दीया ज्ञापन

आधुनिक सुलभ शौचालय देखरेख नहीं करने के अभाव में हुआ जर्जर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चौमू। कस्बे के जयपुर रोड जलदाय विभाग के पास स्थित आधुनिक सुलभ शौचालय की देखरेख के अभाव में जर्जर अवस्था में होने पर पार्षद महेंद्र कुमावत ने नगर पालिका अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में पार्षद कुमावत ने बताया की मुख्यमंत्री बजट घोषणा के तहत आधुनिक सुलभ शौचालय जयपुर रोड पर बनाया था। जिसमें नगरपालिका ठेकेदार की मनमर्जी के कारण शौचालय देखरेख के अभाव में जर्जर हो रहा है सुलभ शौचालय का चबूतरा टूटा पड़ा एवं दीवार भी जगह-जगह से टूट गई है पूरे शौचालय में सिम आ गई है तथा शौचालय मैं चारों तरफ गंदगी ही गंदगी नजर आती है जबकि नगरपालिका के ठेकेदार द्वारा शौचालय की साफ सफाई एवं अन्य कार्यों का भुगतान राशि समय पर उठा लेता है, लेकिन शौचालय मैं साल संभाल का कोई कार्य नहीं करता। जिससे शौचालय जर्जर अवस्था में हो गया है। पार्षद महेंद्र कुमावत ने ठेकेदार पर शौचालय में सरकार के तय मापदंड के अनुसार कार्य नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा कि नगरपालिका ठेकेदार के द्वारा शौचालय देखरेख में लापरवाही एवं सरकार का भुगतान राशि उठाने के मामले न्यायिक जांच करवाने की मांग की। नगर पालिका द्वारा सुलभ शौचालय की देखरेख के लिए सरकार लाखों रुपए खर्च कर रही है फिर भी लोगों को सरकार द्वारा दी गई सुविधा से वंचित होना पड़ रहा है।

सिविल केस निस्तारण में राजस्थान हाईकोर्ट तीसरे स्थान पर

जयपुर @ जागरूक जनता। पिछले महीने सिविल केसेस को निपटाने के मामले में राजस्थान हाईकोर्ट पूरे देश में तीसरे स्थान पर रहा। जनवरी माह में कुल 4,121 मामले राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा निपटाए गए। इसी माह में 9,768 सिविल मामले न्यायालय भी पहुंचे हैं। दूसरी ओर राजस्थान हाईकोर्ट में कुल 4,29,532 सिविल मामले लंबित हैं। इनमें जयपुर बेंच से 2,56,051 मामले हैं, जबकि प्रिंसिपल सीट जोधपुर के लिए यह संख्या 1,73,481 है। देश के सभी 25 उच्च न्यायालयों में सिविल लंबित मामलों की कुल संख्या 41,13,355 है।

भाजपा किसान मोर्चा का धरना प्रदर्शन

साँचोर उपखंड पर दिया धरना, किसान जली फसले लेकर पहुंचे एसडीएम ऑफिस

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सांचौर। बदलते मौसम की वजह से किसानों की रबी की फसलें जल रही है। जली हुई फसलों को सर्वे करवाकर मुआवजे की मांग को लेकर बीजेपी ने साँचोर उपखंड पर धरना प्रदर्शन किया। बीजेपी व किसानों ने उचित मुआवजा व अनुदान दिलाने की मांग कर रहे हैं। इस दौरान किसान हाथ में जली फसलें लेकर पहुंचे और एसडीएम को ज्ञापन देने के दौरान फसलों को भी दिखाया। दरअसल, बीते दिनों से लगातार बदल रहे मौसम से किसानों की रबी की फसलों में झुलसा एवं छाछ्या रोग लग गया है। रोग का असर सबसे ज्यादा जीरे पर पड़ा है। जीरे की बुआई की आधी फसलें जल गई है। खेतों में खड़ी जीरे की फसल खराब हो रही है। सांचौर, चितलवाना के इलाके में इसका सबसे ज्यादा खराबा हुआ है। भाजपा नेता दानाराम चौधरी एवं किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष धुखाराम राजपुरोहित के नेतृत्व में बीजेपी ने मंगलवार को साँचोर उपखंड पर जीरे, इसबगोल व रायड़ा फसलों की गिरदावरी करवाकर सरकार किसानों को जल्द मुआवजा देने की मांग को लेकर एक दिवसीय धरना दिया। इसके बाद एसडीएम को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम का ज्ञापन दिया। धरना प्रदर्शन के दौरान साँचोर उपखंड के काफी संख्या में किसान मौजूद थे। बीजेपी नेता दानाराम चौधरी एवं पूर्व विधायक जीवाराम चौधरी ने कहा कि रबी की फसलें जलकर नष्ट हो गई है। इससे किसान परेशान व हताश है। किसानों ने बैंकों व साहूकारों से ऋष्ठा लेकर फसल की बुवाई की थी। अब फसलें नष्ट होने से किसानों को चिंता सता रही है कि वह कर्जा कैसे भरेंगा। फसलें जलने से पूरा किसान वर्ग दुखी है। हमारी सरकार से मांग है कि फसल खराबे की गिरदावरी करवाकर किसानों को जल्द मुआवजा व अनुदान राशि जारी करें। सरकार ने हमारी मांगों को जल्द नहीं माना तो मजबूरन किसानों के साथ अनिश्चित कालीन प्रदर्शन करेंगे। मुख्यमंत्री के नाम भेजे ज्ञापन मैं किसानों ने खराब हुई फसलों का मुआवजा दिलाने की मांग की गई है। इस दौरान साथ में जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह राव, पूर्व विधायक जीवाराम चौधरी, भाजपा नेता दानाराम चौधरी, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष धुखाराम राजपुरोहित, प्रधान प्रतिनिधि हरचंद पुरोहित पालडी, तमाम मंडलों के अध्यक्ष, समस्त जिला परिषद, सदस्य पंचायत समिति सदस्य, सरपंच,वार्ड पंच, पार्षद गण विधानसभा क्षेत्र के किसान बंधु भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इन गांवों में भी फसलें हुई खराब

हाडेचा कस्बे सहित हरिपुरा हेमा की ढाणी, आमली, बावरला,जानवी, केसूरी, खासरवीसुथड़ी, सुराचंद, टांपी, दुठवा, होतीगांव, गोमी, बिछावाड़ी, सरवाना, अचलपुर, जोरादर, भाटकी सहित सैकड़ों गांव में जीरे की फसलें अचानक हुए मौसम में परिवर्तन की वजह से खराब हो गई है।

अपना घर का सेवा मिशन-2022

खुद को बिसरा चुके लोगों को मिलेगी अपनी दुनिया

सेवा का सच्चा नाम होगा अपना घर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भरतपुर। खुद की सुध-बुध खो चुके लोगों का यूं तो अपना घर आसरा बन गया है, लेकिन सेवा के संकल्प की बदौलत अब वे यहां अपनी दुनिया में रहेंगे। यह अपनत्व उन्हें यूं तो अब भी मिल रहा है, लेकिन अब अपनों सा प्यार-दुलार और नाते-रिश्तों की डोर में खुद को बंधा पाएंगे। इस तरह की सेवा का संकल्प अपना घर ने लिया है। इस संकल्प को सेवा मिशन-2022' नाम दिया गया है। प्रदेश या देश ही नहीं बल्कि दुनियाभर में सेवा की यह एक अलग नजीर होगी।

जनवरी माह में अपना घर ने ऐसी सेवा का संकल्प लिया है, जो दुनिया में कहीं और नहीं होती हो। सेवा कैसे और किस भाव से की जाती है, इसका भरतपुर उदाहरण बनेगा। इस संकल्प की बदौलत इस वर्ष भरतपुर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सेवा स्थली के रूप में पहचान बनाएगा। संस्थान ने तय किया है कि यहां कोई भी शख्स आए तो उसे यह एहसास हो कि दुनिया में इस सेवा का कोई विकल्प नहीं है। इसके लिए 11 माह का समय तय हुआ है। तीन सौ सेवा साथी इसे मिशन को पूरा करने में जुट गए हैं। सेवा साथियों के साथ हो रहे मंथन में यह सामने आया है कि अब तक प्रभुजन को दवा, भोजन, वस्त्र, आवासीय व्यवस्था पर था, लेकिन अब इसके साथ प्रेम और अपनत्व पर फोकस रहेगा, जिससे यहां आने वाला व्यक्ति अपने माता-पिता और सगे-संबंधियों को भूल जाए। संस्थान में कदम रखते ही उसे यह एहसास हो कि वह ईश्वरीय हाथों में आ गया है। अब उसे चिंता करने की जरूरत नहीं, बल्कि उसकी चिंता करने वाले यहां पहले से ही हैं। यह व्यवस्था अपना घर के देशभर में जुड़े आश्रमों में भी लागू की जाएगी। इसके लिए जूम मीटिंग चल रही हैं।

दुनिया देखे कि असली धर्म यहां विराजमान

संस्थान का मानना है कि ईश्वर, अल्लाह, गुरुनानक, ईसा, भगवान महावीर या बौद्ध किसी को भी मानने वाला शख्स यहां पहुंचे तो उसे एहसास हो कि असली धर्म यहां विद्धमान है। वह एहसास करे कि उसके भगवान कहते हैं या उन्होंने किताबों में जैसा पढ़ा-सुना। वह सब यहां हो रहा है। उन्हें एहसास हो कि सभी धर्मों में सेवा को सर्वोपरि माना है। ऐसे में उन्हें इस सेवा का प्रतिबिंब यहां दिखाई दे। खास बात यह है कि इस संकल्प को पूरा करने में ऐसे लोग भी जुटे हैं, जो यूनिवर्सिटी की पढ़ाई से नहीं, बल्कि अपनी सोच से इस मिशन को पूरा करके दिखाएंगे।

होर्डिंग्स पर होगा सेवा साथी का फोटो

अपना घर भरतपुर में जीव सेवा, हॉस्पिटल, मातृ सदन, एचआईवी आदि के सेक्शन बने हुए हैं। इन सबमें सेवा साथी लगे हुए हैं। अब संस्थान में इस सेवा मिशन के होर्डिंग्स लगाकर सेवा साथियों के फोटो भी लगा रहे हैं कि ताकि हर दिन उन्हें अपनी सेवा और संकल्प का एहसास होता रहे। सेवा साथी जैसे ही अपना घर के गेट में प्रवेश करेंगे तो उन्हें अपना चेहरा देखकर हर रोज इस सेवा संकल्प की याद आएगी, जिससे वह पूरे मनोयोग से इससे जुड़े रहेंगे।

एक मार्च तक चलेगा मंथन

अपना घर को सेवा की सर्वश्रेष्ठ स्थली बनाने के लिए युद्ध स्तर पर मंथन चल रहा है। इस संकल्प को 23 दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए हर दिन मेडिकल, जीव सेवा, बाल सदन, किचिन, धुलाई-सफाई, कार्यालयकर्मी, स्टोर एवं महिला केयर-टेकर के साथ बैठक हो रही हैं। अलग-अलग यह बैठक 1 मार्च तक चलेंगी, जिससे इस संकल्प को सहज पूरा किया जा सके।